THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

चांद की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा ब्लू घोस्ट!

वॉशिंगटन, 2 मार्च (एजेंसियां)। फायर फ्लाई एयरोस्पेस के चंद्रमा मिशन ब्लू घोस्ट ने चांद की सतह पर सफलतापूर्वक लैंडिंग करने में सफलता हासिल की है। यह लैंडिंग चांद के मेयर क्रीसियम क्षेत्र में हुई। यह मिशन तीन बड़े स्पेस मिशन की शुरूआत है, जो चांद के इस न देखे गए हिस्से में उतरेंगे। 15 जनवरी 2025 को ब्लू घोस्ट मिशन की शुरूआत हुई थी, जब इसे स्पेसएक्स के रॉकेट फाल्कन 9 से अंतरिक्ष में भेजा गया। इस अंतरिक्ष मिशन ने करीब एक महीना पृथ्वी की कक्षा में चक्कर काटे। इसके बाद वह चंद्रमा की तरफ रवाना हुआ और 16 दिन चंद्रमा की कक्षा में रहने के बाद 2 मार्च को सफलतापूर्वक चांद की सतह पर उतरा।

वर्ष-29 अंक : 340 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन शु.4 2081 सोमवार, 3 मार्च-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

पद छोड़ते ही घिरीं सेबी चीफ माधबी बुच

धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर का आदेश

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई की एक स्पेशल एंटी-करप्शन कोर्ट ने सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। शेयर मार्केट फ्रॉड और नियामक उल्लंघन के मामले में कोर्ट ने माधवी के अलावा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ भी केस दर्ज करने का आदेश दिया।

यह आदेश स्पेशल जज एसई बांगर ने ठाणे बेस्ड जर्नलिस्ट सपन श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका पर दिया। सपन ने स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी की लिस्टिंग में बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल फ्रॉड और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। सेबी और कॉर्पोरेट संस्थाओं के बीच मिलीभगत, इनसाइडर ट्रेडिंग और लिस्टिंग के बाद पब्लिक फंड की हेराफेरी के आरोप भी लगाए गए हैं। एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर प्रभाकर तरंगे और राजलक्ष्मी भंडारी महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए।

माधवी बुच समेत छह लोगों पर एफआईआर का आदेश :

सेबी की पूर्व चीफ माधवी पूरी बुच, सेबी के होल टाइम मेंबर अश्वनी भाटिया, सेबी के होल टाइम मेंबर अनंत नारायण, सेबी के होल टाइम मेंबर कमलेश चंद्र वार्ष्णेय, बीएसई के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल और बीएसई के सीईओ सुंदररमन राममूर्ति।

जज बांगर ने शिकायत और सहायक दस्तावेजों की समीक्षा करने के बाद यह आदेश दिया। जज ने मुंबई के एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी), भारतीय दंड संहिता, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और सेबी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। अदालत ने एसीबी को 30 दिनों के भीतर स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

शिकायतकर्ता के तर्क :

सेबी के अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्य में विफल रहे। बाजार में हेराफेरी करने दी गई, इससे निवेशकों को नुकसान हुआ। नियमों को पूरा नहीं करने वाली कंपनी की लिस्टिंग की अनुमति दी।

माधवी बुच कौन हैं :

बुच ने अपना करियर 1989 में आईसीआईसीआई बैंक से शुरू किया था। 2007 से 2009 तक आईसीआईसीआई बैंक में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर थीं। वे फरवरी 2009 से मई 2011 तक आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ थीं। 2011 में सिंगापुर चली गईं और वहां उन्होंने ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल में काम किया। माधबी के पास फाइनेंशियल सेक्टर में 30 साल का लंबा अनुभव है और वे सेबी की तमाम कमेटियों में पहले भी रह चुकी हैं। वे अभी इसकी एडवाइजरी कमेटी में भी थीं।

हिंडनबर्ग का आरोप- अदाणी ग्रुप से जुड़ी ऑफशोर कंपनी में सेबी चीफ की हिस्सेदारी :

अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने 19 अगस्त की रात 9:57 बजे एक रिपोर्ट जारी की। इसमें दावा किया गया था कि सेबी चीफ माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अदाणी ग्रुप से जुड़ी ऑफशोर कंपनी में हिस्सेदारी है। व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों के आधार पर हिंडनबर्ग ने दावा किया कि बुच और उनके पति की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी 'ग्लोबल डायनामिक अपॉर्च्युनिटी फंड' में हिस्सेदारी है।

>14

मायावती ने भतीजे आकाश से दूसरी बार उत्तराधिकार छीना

: राष्ट्रीय महासचिव पद से भी हटाया, कहा- जीते जी अपना उत्तराधिकारी नहीं बनाऊंगी

लखनऊ, 2 मार्च (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद से सभी जिम्मेदारियां छीन ली हैं। एक साल में दूसरी बार आकाश आनंद को उत्तराधिकारी और नेशनल को-ऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। उन्होंने कहा- जीते जी किसी को भी अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं करूंगी।

मायावती ने यह ऐलान लखनऊ में बसपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में किया। मायावती ने दो नए नेशनल को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। आकाश के पिता आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को जिम्मेदारी सौंपी है। बैठक में बसपा के कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हुए। आकाश आनंद मीटिंग में नहीं पहुंचे थे। पहले मंच पर दो कुर्सियां लगाई गई थीं, लेकिन बाद में एक कुर्सी हटा ली गई। मंच पर अकेले मायावती ही बैठी रहीं।

पीएम मोदी जामनगर से सोमनाथ पहुंचे

प्रथम ज्योतिर्लिंग की पूजा की, आज द्वारका और गिर जिलों का दौरा करेंगे

जामनगर, 2 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर गुजरात पहुंचे हैं। रविवार सुबह करीब 11 बजे पीएम जामनगर में स्थित रिलायंस द्वारा संचालित पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र 'वनतारा' पहुंचे।

वनतारा का दौरा करने के बाद शाम करीब 5.00 बजे सोमनाथ पहुंचे। यहां प्रथम ज्योतिर्लिंग की पूजा अर्चना करने के बाद 27 करोड़ रुपये से तैयार किए गए हाईटेक मार्केट का उद्घाटन किया। पीएम सोमवार को जामनगर, द्वारका और गिर जिले में कई प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

शनिवार रात को पहुंचे थे जामनगर :

पीएम मोदी का विमान शनिवार रात करीब 8.00 बजे जामनगर पहुंचे। एयरपोर्ट से जामनगर के पायलट हाउस तक करीब 5 किमी लंबा रोड शो किया। इस दौरान उनका स्वागत करने के लिए भारी संख्या में लोग जमा रहे। इसके बाद पीएम ने जामनगर के पायलट हाउस में ही रात्रि विश्राम किया।

पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र 'वनतारा' पहुंचे :

रविवार सुबह करीब 11 बजे पीएम जामनगर में स्थित रिलायंस द्वारा संचालित पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र 'वनतारा' पहुंचे। गौरतलब है कि जामनगर में जानवरों के पुनर्वास के लिए बनाया गया 'वनतारा' दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी का ड्रीम प्रोजेक्ट है।

3000 एकड़ ग्रीनबेल्ट में फैला हुआ है 'वनतारा' :

लायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा वनतारा (स्टार ऑफ फॉरेस्ट) कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत, घायल जानवरों का बचाव, उपचार, देखभाल और उनका पुनर्वास शामिल है। वनतारा रिलायंस के जामनगर स्थित रिफाइनरी परिसर के 3000 एकड़ ग्रीनबेल्ट में फैला हुआ है। वनतारा प्रोजेक्ट जानवरों को समर्पित अपनी तरह का देश का पहला सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। इस पूरे इलाके को घने जंगल की तरह विकसित किया गया है।

200 हाथियों की भी शरण स्थली 'एलिफेंट हॉस्पिटल' :

इस प्रोजेक्ट में अब तक घायल और अकेले छोड़ दिए गए 200 हाथियों को लाया जा चुका है। हाथियों के लिए विशेष शेल्टर और जगह-जगह जलाशय भी बनाए गए हैं। इतना ही नहीं, हाथियों को उठाने के लिए क्रेन की भी व्यवस्था है। इन हाथियों का ख्याल रखने के लिए ही 500 से ज्यादा प्रशिक्षित कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं।

लुप्त हो रहे जानवरों का पुनर्वास केंद्र :

वनतारा में सिर्फ जानवर ही नहीं, पक्षी और सरिसृप का पुनर्वास भी शामिल हैं। यहां गेंडे, चीते समेत कई तरह के लुप्त हो रहे जानवरों का पुनर्वास किया जा रहा है। भारत ही नहीं, यहां विदेशों से भी उपेक्षित जानवरों को लाया गया है और उनकी पूरी देखभाल की जा रही है।

जानवरों के लिए हाईटेक हॉस्पिटल भी यहां जानवरों-पशु-पक्षियों के लिए हाईटेक हॉस्पिटल भी बनाया गया है। यह हॉस्पिटल करीब 25 हाजर वर्गफीट में फैला हुआ है। इसके अलावा 650 एकड़ में एक पुनर्वास सेंटर भी बनाया गया है। हॉस्पिटल में एक्स-रे मशीन, लेजर मशीन, हाइड्रोलिक सर्जिकल टेबल जैसी तमाम हाईटेक सुविधाएं मौजूद हैं।

43 प्रजातियों के 2,000 से अधिक जानवरों की शरण स्थली है वनतारा :

वनतारा में 43 प्रजातियों के 2000 से अधिक जानवर बचाव एवं पुनर्वास केंद्र की देखरेख में हैं। केंद्र ने सात भारतीय और विदेशी लुप्तप्राय प्रजातियों का संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य इन लुप्तप्राय जानवरों की संख्या को बढ़ाकर उन्हें उनके मूल निवास स्थान पर बहाल किया जाना है।

'मुझे सीएम पद चाहिए' : शिंदे

गृहमंत्री शाह बोले बीजेपी में मर्ज हो जाओ, तब क्लेम बनेगा

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति से बड़ी खबर आ रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाए जाने से खुश नहीं है। ऐसा दावा शिवसेना उद्धव गुट के मुखपत्र सामना में किया गया है। उद्धव गुट के मुखपत्र सामना के हवाले से खबर लिखी गई है। सामना के अनुसार एकनाथ शिंदे ने केंद्रीय

गृहमंत्री अमित शाह के साथ एक बैठक की और मुख्यमंत्री पद पर दावा किया है। हालांकि अमित शाह ने इसके लिए मना कर दिया और कहा कि आप बीजेपी में मर्ज हो जाओ, उसके बाद सीएम पद पर आपका क्लेम बनेगा।

सामना में क्या कहा गया :

सामना में कहा गया, आज महाराष्ट्र में नागरिकता पाने के लिए मराठी अस्मिता से बेईमानी करने वालों की फौज खड़ी हो गई है। छत्रपति शिवाजी और संभाजी राजा के समय विश्वासघात किये गये। आज भी बेईमान लोग इन्हीं कारणों से दिल्ली में मुजरे करते हैं। >14

उत्तराखंड एवलांच, 3 दिन बाद 4 और शव मिले

मृतकों की संख्या 8

चमोली, 2 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली में 28 फरवरी को आए एवलांच में फंसे मजदूरों को निकालने का काम तीसरे दिन भी जारी है। डिफेंस पीआरओ ने बताया कि अब तक 54 लोगों में से 53 लोगों को निकाला जा चुका है, इनमें से 8 की मौत हो चुकी है।

पहले लापता मजदूरों की संख्या 55 बताई गई थी, लेकिन शुक्रवार को पता चला कि हिमाचल के कांगड़ा का रहने वाला सुनील कुमार बिना बताए कैंप से अपने गांव चला गया था। परिवार ने इसकी जानकारी दी।

रविवार को मौसम ठीक होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन जल्द शुरू हुआ। ड्रोन, रडार सिस्टम, स्निफर डॉग, विक्टिम लोकेटिंग और थर्मल इमेज कैमरा से सर्चिंग की जा रही है।

7 हेलिकॉप्टर भी लगाए गए हैं। आर्मी और वायुसेना के अलावा आईटीबीपी, बीआरओ, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के 200 से ज्यादा जवान भी घटनास्थल पर बर्फ की मैनुअल खुदाई करके लापता मजदूर की तलाश में लगे हुए थे।

हादसा चमोली के माणा गांव में 28 फरवरी की सुबह 7:15 बजे हुआ। मोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) के मजदूर कंटेनर हाउस में रुके थे, तभी बर्फ का पहाड़ खिसक गया।

तीन भाषा फॉर्मूले पर घमासान

तमिलनाडु, तेलंगाना के बाद अब पंजाब ने तीन भाषा फॉर्म्युला के खिलाफ खोला मोर्चा

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। शिक्षा के अधिकार के तहत योजनाओं के लिए केंद्रीय फंड को रोके रखने और मोदी सरकार द्वारा इन फंड को राज्यों की तरफ से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से जोड़ने के खिलाफ तमिलनाडु के विरोध ने 'भाषा युद्ध' को फिर से भड़का दिया है। यह अभी बीजेपी और डीएमके के बीच एक पूर्ण टकराव है। हालांकि, इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि क्या यह अन्य खिलाड़ियों को पक्ष लेने के लिए मजबूर कर सकता है, जिससे पहले से ही अस्थिर राजनीतिक मिश्रण और भी उग्र हो सकता है।

केंद्र ने एनईपी लागू करने का दिया हवाला :

जब सीएम एम.के. स्टालिन ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर

आरटीई योजनाओं के लिए 2,512 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की, तो केंद्र ने तमिलनाडु में एनईपी को लागू न करने की ओर इशारा किया। स्टालिन ने पलटवार करते हुए कहा कि वह कई करोड़ रुपये के लिए भी 'हिंदी थोपने' के लिए सहमत नहीं होंगे। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रतिक्रिया देते हुए स्टालिन से कहा कि एनईपी 2020 भाषाई स्वतंत्रता के सिद्धांत को कायम रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि छात्र अपनी पसंद की भाषा में सीखना जारी रखें।

पंजाब और तेलंगाना ने की घोषणा :

राजनीतिक हथियार के रूप में भाषा का आकर्षण स्पष्ट है। जब से तमिलनाडु ने इस मुद्दे को उठाया है, उत्तर में पंजाब और दक्षिण में तेलंगाना ने घोषणा की है कि क्रमशः पंजाबी और तेलुगु स्कूलों में अनिवार्य मुख्य भाषाएं होंगी।

इस विवाद के राजनीतिक पहलू ने दोनों पक्षों को चिंतित कर दिया है। जबकि बीजेपी हिंदी को लेकर उत्साहित है, उसे यह भी एहसास है कि उत्तर भारत की पार्टी के रूप में अपनी छवि को मजबूत करके वह दक्षिण में स्थानीय आबादी के बीच अपनी पैठ नहीं बना सकती।

बीजेपी क्या कह रही है :

यह कर्नाटक की द्विध्रुवीय राजनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी है, तेलंगाना में तेजी से मजबूत हो रहा है, और सहयोगियों को जीतने की उम्मीद में तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश में उत्सुकता से आगे बढ़ रहा है। बीजेपी के लिए मुश्किलें तब स्पष्ट हो गईं जब उसके तमिलनाडु प्रमुख के अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि डीएमके राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर एनईपी को गलत तरीके से पेश कर रही है।

मतदाता पहचान पत्र संख्या में दोहराव फर्जी मतदाता होने का संकेत नहीं

चुनाव आयोग का बयान

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। दो अलग-अलग राज्यों में मतदाताओं को एक जैसे ही मतदाता पहचान पत्र संख्या जारी होने की खबरों के बीच चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि एक जैसी संख्या होने का मतलब ये नहीं है कि मतदाता फर्जी हों। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाताओं के मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर समान हो सकते हैं, लेकिन इनमें जनसांख्यिकी विवरण, विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र जैसे विवरण अलग-अलग हैं।

चुनाव आयोग ने कहा, 'ईपीआईसी' नंबर चाहे जो भी हो, कोई भी मतदाता अपने राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां उसका मतदाता सूची में नाम दर्ज है, और कहीं और नहीं। आयोग ने कहा कि ईपीआईसी नंबर चाहे जो भी हो, लेकिन कोई भी मतदाता सिर्फ अपने राज्य में, जहां वह बतौर मतदाता पंजीकृत है, वहीं पर अपनी विधानसभा में, अधिकृत पोलिंग स्टेशन पर ही मतदान कर सकता है।

ईपीआईसी नंबर, चुनाव फोटो पहचान पत्र का संक्षिप्त रूप है। मतदाता पहचान पत्र का उपयोग मतदाता चुनाव के दौरान वोट डालने के लिए करते हैं। ईपीआईसी नंबर प्रत्येक मतदाता को सौंपा गया एक अद्वितीय अल्फ़ान्यूमेरिक कोड है, जो चुनाव के दौरान उनकी पहचान को पहचानने और सत्यापित करने में मदद करता है। चुनाव के दौरान ईपीआईसी नंबर का उपयोग मतदाता की पहचान को प्रमाणित करने के लिए किया जाता है। यह व्यापक सत्यापन प्रक्रिया पहचान की चोरी, दोहराव और अन्य संभावित दुरूपयोग से बचाती है।

तेलंगाना टनल हादसा, 8 मजदूरों के रेस्क्यू का 9वां दिन

भाजपा बोली- मौजूदा और पहले की सरकारों की लापरवाही से हुआ सुरंग हादसा

नागर कर्नूल, 2 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना के नागर कर्नूल में निर्माणाधीन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल में फंसे 8 मजदूरों के रेस्क्यू ऑपरेशन का रविवार को 9वां दिन है। 22 फरवरी को सुरंग का एक हिस्सा ढहने के बाद से बचाव कार्य जारी है।

बीते 9 दिनों में फंसे मजदूरों से संपर्क नहीं हो सका है। टनल में पानी, कीचड़ और ढेर सारे मलबे के कारण रेस्क्यू में काफी दिक्कतें आ रही हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना, एनडीआरडी, एसडीआरएफ समेत 11 एजेंसियां जुटी हुई हैं।

इधर, घटना को लेकर राजनीति भी जारी है। भाजपा विधायकों ने टनल का दौरा किया। विधायक महेश्वर रेड्डी ने कहा- यह दुर्घटना मौजूदा और पहले की सरकारों के गलत मैनेजमेंट का नतीजा है। लापरवाही के कारण यह आपदा आई। भाजपा विधायक पायल

शंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टनल की घटना पर नजर बनाए हुए हैं। सभी जरूरी सहायता मुहैया कराई गई है। हमें उम्मीद है कि अंदर फंसे आठ लोग सुरक्षित बाहर निकल आएंगे। शनिवार को तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने सुरंग का दौरा किया था। इसके बाद सभी ने रेस्क्यू में जुटे अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी।

मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा, मजदूरों के बचाने का प्रयास जारी है। हमें विश्वास है कि रविवार तक हम चार लोगों को बचा लेंगे, जिनकी पहचान हो चुकी है। एम्बुलेंस को मौके पर तैनात किया गया है। सेना की मेडिकल टीमें भी मौजूद हैं।

फंसे लोगों के परिजन बोले- अंदर की कोई खबर नहीं :

टनल के अंदर फंसे पंजाब के गुरप्रीत सिंह के चाचा ने बताया कि आज 7 दिन हो गए हैं। अंदर की कोई खबर नहीं है। सरकार से निवेदन है कि हमें जल्दी बताया जाए कि सरकार कब तक उन्हें बाहर निकालेगी। उन्होंने कहा कि गांव में हमारे परिवार के लोग परेशान हैं और खाना नहीं खा रहे हैं। हम लोग चाह रहे थे कि टनल के अंदर जाकर देखे कि हालात क्या है। मुझे अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। बोल रहे हैं कि जो टीमें अंदर जा रही हैं, वहीं बताएंगे कि अंदर क्या हो रहा है।

नशीले पदार्थों की तस्करी पर मोदी सरकार सख्त

अमित शाह बोले- ड्रग मुक्त भारत बनाना हमारा संकल्प

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सरकार सख्त है। मोदी सरकार पैसे के लालच में युवाओं को नशे की लत में धकेलने वाले नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ड्रग-मुक्त भारत बनाने के लिए निर्मम और सावधानीपूर्वक जांच के साथ नशीली दवाओं के खतरे का मुकाबला करना जारी रखने का सकल्प लेती है। नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे की रणनीति के साथ अचूक जांच के परिणामस्वरूप भारत भर में 12 अलग-अलग मामलों में 29 ड्रग तस्करों को अदालतों ने दोषी ठहराया है। मोदी सरकार की नशीली दवाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का पालन करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

केंद्रीय गृह मंत्री के ट्वीट के बाद एक प्रेस विज्ञप्ति में गृह मंत्रालय ने कहा कि शाह के मार्गदर्शन में एनसीबी 2047 तक नशा मुक्त भारत के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। विज्ञप्ति में सरकार की ओर से की गई कार्रवाइयों की जानकारी दी गई है। इसमें उन 12 मामलों का ब्योरा दिया गया है, जिनमें अदालत ने सजा सुनाई। इसमें 2019 में गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रेलवे स्टेशन पर 23.859 किलोग्राम चरस के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और 14 साल जेल की सजा सुनाई गई।

इसके बाद जुलाई 2022 में मध्य प्रदेश के मंदसौर में एनसीबी ने शहडोल में 123.080 किलो गांजा जब्त किया।

राहुल गांधी ने केरल कांग्रेस के नेताओं में भरा जोश

कहा- वे आगे के उद्देश्य के लिए एकजुट हों

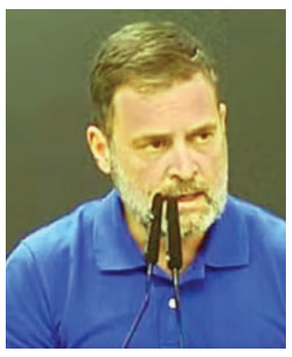

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की हालिया टिप्पणी पर उठे विवाद के बाद राहुल गांधी ने केरल के नेताओं में जोश भरा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि केरल कांग्रेस के नेता एक हैं। वे आगे के उद्देश्य को लेकर एकजुट हैं। शुक्रवार को कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी की रणनीति पर विचार-विमर्श के लिए इंदिरा भवन में केरल के नेताओं के साथ विचार-विमर्श किया था। इसके बाद राहुल गांधी ने फेसबुक पर लिखा कि वे एक साथ खड़े हैं। आगे के उद्देश्य की रोशनी के लिए एकजुट हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में हैशटैग टीम केरल भी लिखा।

अनुशासन और संगठन की मजबूती पर हुई चर्चा :

कांग्रेस के इंदिरा भवन मुख्यालय में करीब तीन घंटे तक चली बैठक में अनुशासन, एकता और राज्य संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई थी। बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि नेताओं को राजनीतिक रणनीति को लेकर बहुत सावधान रहना चाहिए।

साथ ही पार्टी लाइन से हटकर कुछ भी नहीं करना या कहना चाहिए। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अनुशासन, एकता और पार्टी की केरल इकाई को मजबूत करने के लिए रिक्त पदों को भरने पर जोर दिया था। बैठक में एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल, वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, केरल कांग्रेस प्रमुख के सुधाकरन, केरल विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता वीडी सतीसन, तिरूवनंतपुरम सांसद थरूर और केरल की एआईसीसी प्रभारी दीपा दासमुंशी समेत अन्य मौजूद थे।

केरल के लोगों के अपमान पर करेंगे कार्रवाई :

एआईसीसी प्रभारी दीपा दासमुंशी ने कहा कि हमें अपने हाईकमान से स्पष्ट संकेत मिला है कि कांग्रेस भावनात्मक और राजनीतिक रूप से केरल के लोगों से बहुत जुड़ी हुई है। लोग बदलाव चाहते हैं। इसलिए हमें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे केरल के लोगों का अपमान हो। यह स्पष्ट संकेत है और यदि कोई भी व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से कुछ कहता है तो हम कड़ी कार्रवाई करेंगे। हमें केरल के लोगों का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है।

गोवा पहुंचा शिवाजी के अपमान का मामला

भाजपा ने लेखक की टिप्पणी का किया विरोध, विपक्षी विधायक को भी घेरा

पणजी, 2 मार्च (एजेंसियां)। छत्रपति शिवाजी के अपमान का मामला गोवा भी पहुंच गया। भाजपा ने कोंकणी लेखक उदय भेंबरे की छत्रपति शिवाजी को लेकर की गई टिप्पणी का विरोध किया है। साथ ही विपक्ष के विधायक विजय सरदेसाई को घेरा है। भाजपा ने सवाल उठाया कि विधायक छत्रपति शिवाजी को लेकर कोंकणी लेखक उदय भेंबरे की टिप्पणी पर क्यों चुप्पी साधे हैं? गोवा फॉरवर्ड पार्टी के प्रमुख विजय सरदेसाई ने शनिवार को कोंकणी लेखक उदय भेंबरे से मुलाकात की थी। इसके बाद सरदेसाई ने कहा कि भाजपा गोवा में वही करना चाहती है जो वह उत्तर प्रदेश में करती है। जो भी भाजपा की विचाराधारा से जुड़ा नहीं है, उसे नुकसान पहुंचाया जाता है। यह गोवा के भारतीयकरण की नई संस्कृति है

मणिपुर के 5 जिलों से हथियारों का सरेंडर

पुलिस को सौंपी गईं गोला-बारूद और बंदूकें

इंफाल, 2 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में काफी समय से जनजातीय संघर्ष चल रहा है। इसी बीच पांच जिलों में लोगों ने कई सारे हथियार पुलिस को सौंपे हैं। इनमें 42 हथियार और कारतूस शामिल हैं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, इंफाल पश्चिम और पूर्व, चुराचांदपुर, बिष्णुपुर और तामेंगलोंग क्षेत्रों में बंदूक, राइफल सहित कई हथियारों को जमा किया गया है। बिष्णुपुर जिले में दो पिस्तौल, छह ग्रेनेड और 75 से ज्यादा कारतूस सहित पांच और हथियार जमा किए गए हैं। तामेंगलोंग जिले के कैमाई पुलिस स्टेशन में 17 देशी बंदूकें, नौ 'पोम्पी' और कारतूस जमा किया गया। याइंगंगपोकपी, पोरोमपट, चुराचांदपुर और लामसांग पुलिस स्टेशनों में कम से कम 10 हथियार और कारतूस पुलिस के पास जमा किए गए। इंफाल पश्चिम जिले के सैरेमखुल में तलाशी अभियान के दौरान शनिवार को 20 राउंड गोला-बारूद से भरी एक मैगजीन के साथ एक इंसास एलएमजी, एक एके-56 राइफल, तीन एसएलआर राइफल, एक एसएमजी 9एमएम कार्बाइन, एक .303 राइफल, एक डीबीबीएल गन, बिना डेटोनेटर के चार ग्रेनेड, एक चीनी हैंड ग्रेनेड और कई दूसरे सामान भी जब्त किए गए।

हथियारों के सरेंडर की बढ़ाई गई समय सीमा

सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी जिले में थिंगसैट के पास मार्क हिल में दो अवैध बंकरों को भी खत्म किया गया। कांगपोकपी और इंफाल पूर्वी जिलों के क्षेत्र में वाकन में तीन दूसरे अवैध बंकरों को ध्वस्त कर दिया गया। मणिपुर में अवैध हथियारों को सरेंडर के लिए दिए गए समय को 6 मार्च शाम 4 बजे तक बढ़ा दिया गया है। मई 2023 से मैतेई और कुकी-ज़ो समूह के बीच जातीय हिंसा में 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस हिंसा में हजारों लोग बेघर हो गए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफ़ा देने के बाद यहां 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। फिलहाल, राज्य विधानसभा का कार्यकाल यहां पर 2027 तक है। जो कि फिलहाल के लिए निलंबित है। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 20 फरवरी को हिंसा में शामिल समूहों से सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों और दूसरे अवैध रूप से रखे गए हथियारों को सात दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करके लौटाने का आग्रह किया था।

दिल्ली में रेखा सरकार का एक और बड़ा फैसला

अब विभागों के खर्च पर लगाई लगाम

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के सभी विभागों को एक करोड़ रुपये से अधिक का कोई भी खर्च करने से पहले राज्य के वित्त विभाग से अनुमति लेनी होगी। वित्त विभाग ने नई सरकार आने के बाद एक बार फिर इस संबंध में एक आंतरिक आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि संसाधनों की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए और बेहतर नकदी प्रबंधन के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय प्रभाव वाले सभी व्यय के लिए वित्त विभाग से आवश्यक अनुमति लेंगे।

हालांकि नई चेतावनी वेतन और भत्ते (बकाया सहित), चिकित्सा प्रतिपूर्ति, सुरक्षा और स्वच्छता, बिजली और पानी की आपूर्ति, टेलीफोन, डाक शुल्क, स्टाफ कारों के रखरखाव और अन्य छोटे खर्चों और दिन-प्रतिदिन के कार्यों के संचालन के लिए आवश्यक अन्य आवश्यक व्यय से संबंधित व्यय पर लागू नहीं होगी। वित्त विभाग के बजट प्रभाग ने आदेश में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों और विधवाओं को पेंशन के भुगतान, दिव्यांग व्यक्तियों को बेरोजगारी भत्ते और पारिवारिक लाभ योजना के तहत शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को तत्काल सहायता से संबंधित भुगतान और काउंसिल के बिलों के भुगतान के लिए वित्त विभाग से किसी पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

आदेश में कहा गया है कि संबंधित विभाग के प्रशासनिक सचिव द्वारा फाइल को मंजूरी देने के बाद विभागों को पूरी फाइल भेजने के बजाय व्यय की प्रकृति और अनुमानित राशि के आवश्यक विवरण के साथ वित्त विभाग को एक पत्र भेजना होगा। ऐसे प्रस्तावों में वित्त विभाग द्वारा जांच किया जाने वाला एकमात्र पहलू व्यय को पूरा करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता होगी।

फिरोजपुर में काउंटर इंटेलिजेंस की बड़ी कार्रवाई

गैंगस्टर हरदीप सिंह उर्फ दीपा गिरफ्तार, हथियार बरामद

चंडीगढ़, 2 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर में काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांव घल्ल खुर्द के कुख्यात तस्कर कम गैंगस्टर हरदीप सिंह उर्फ दीपा को गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने तीन आधुनिक हथियारों और नशीले पदार्थों का पुलिस ने आरोपी से 3 पिस्टल (एक ग्लॉक पिस्टल, एक बेरेटा .30 एमएम पिस्टल, एक पंप एक्शन गन, 141 कारतूस (9एमएम, .30 कैलिबर, 12 बोर, 45 ग्राम हेरोइन और एक स्विफ्ट कार भी बरामद की है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ये हथियार सीमा पार से मंगवाए गए थे और इनका इस्तेमाल आतंकी और आपराधिक गतिविधियों के लिए किया जाना था। इस मामले में पुलिस स्टेशन स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल फाजिल्का में केस दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की तह तक जाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

बेटी की हत्या के बाद बोलीं हिमानी की मां

'हमने भूपेंद्र हुड्डा को फोन किया लेकिन किसी से संपर्क नहीं हुआ'

रोहतक, 2 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में कांग्रेस की युवा नेत्री हिमानी नरवाल की हत्या से सियासी पारा हाई हो गया है। इस मामले में अब हिमानी की मां सविता का बयान आया है। उन्होंने अपनी भड़ास निकाली है। सविता ने कहा कि अब तक मेरे घर पर कोई नहीं आया है। हमने भूपेंद्र सिंह हुड्डा को फोन किया था लेकिन किसी से संपर्क नहीं हुआ। बता दें कि मामले में कांग्रेस ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। एएनआई के मुताबिक सविता ने कहा कि मेरी बेटी ने अपनी जान दांव पर लगाई है। उसके साथ रहने वाले और पार्टी वाले उसके साथ रहते थे। अब तक मेरे घर पर कोई नहीं आया है। हमने हुड्डा के पास फोन किया था अब तक किसी से संपर्क नहीं हुआ है। 27 तारीख को रात 9 बजे तक बात हुई थी। चुनाव के बाद वह किसी पार्टी के लिए काम नहीं कर रही थी। वह 10 साल से वह कांग्रेस से जुड़ी थी।

दोषियों पर हो कठोर कार्रवाई - हुड्डा

हिमानी की हत्या की जानकारी सामने आने पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ट्वीट किया था। उन्होंने कहा था कि एक लड़की की इस तरह हत्या होना और उसका सूटकेस में शव मिलना, बेहद दुखदाई और आघात पहुंचाने वाला है। यह अपने आप में प्रदेश की कानून व्यवस्था पर बदनुमा धब्बा है। इस हत्याकांड की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच हो और सरकार पीड़िता के परिवार को जल्द से जल्द न्याय व दोषियों को कठोरतम दंड दिलाए।

मामले में कोई राजनीतिक पहलू नहीं दिखता - पुलिस

सांपला पुलिस स्टेशन के एसएचओ बिजेंद्र सिंह ने इस पर जानकारी देते हुए कहा, " कल सुबह सूचना मिली थी कि लड़की का शव सूटकेस में है। बस स्टैंड के पास शव मिला था। उसकी पहचान हो गई है और मामला दर्ज कर लिया गया है। हमारी चार टीमें काम कर रही हैं। हम जल्द ही इस मामले का खुलासा करेंगे। आज पोस्टमार्टम किया जाएगा। हम मामले की जांच कर रहे हैं। हमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं दिखता लेकिन हम काम कर रहे हैं।" हिमानी नरवाल की ऐसे वक्त में हत्या हुई है जब हरियाणा में नगर निकाय के चुनाव हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि हिमानी की गला दबाकर हत्या की गई है। उसके हाथों में मेहंदी लगी हुई थी। नाक से खून बह रहा था।

मां छोड़कर चली गई घर, पिता ने बनाया नाबालिग बेटी को शिकार, 8 महीने तक किया यौन शोषण

पुणे, 2 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे शहर में रिश्ते को शर्मसार करने का एक मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग बच्ची पर उस वक्त मुसीबत टूट पड़ी जबकि उसकी मां घर छोड़कर चली गई। उसके जाने के बाद पिता उसपर गलत नजर रखने लगा और उसे अपनी हवस का शिकार बना डाला। यह आठ महीने तक होता रहा। यह घटना पुणे के नांदेड़ सिटी इलाके में हुई है। मां के घर से जाने के बाद पिता ने 14 वर्षीय बेटी का आठ महीने तक यौन शोषण किया। इस संबंध में पुणे के नांदेड़ सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और 45 वर्षीय पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाल अधिकार समिति ने इस घटना को प्रकाश में लाया है और जिसके बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी पिता को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पिछले साल ऐसा ही एक मामला पुणे से आया था जिसमें 35 साल का शख्स अपनी 11 साल की बेटी को अश्लील वीडियो दिखाकर उसका रेप करता था। उसने इसके बारे में अपने स्कूल में बात की थी जिसके बाद पिता को गिरफ्तार किया गया। कुछ दिन पहले मुंबई से सटे नालासोपारा शहर की एक घटना का खुलासा हुआ था जहां पिता रक्षक की जगह हैवान बन गया था। उसने अपनी दो बेटियों के साथ बारी-बारी से रेप किया। इससे तंग आकर बड़ी बेटी पुलिस के पास पहुंची और उसने शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि पिता कई साल से उसकी बहनों से रेप कर रहा है। यह आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। विरोध करने पर वह अपनी पत्नी से मारपीट भी करता था जिससे तंग आकर महिला ने अपने बेटियों के साथ घर छोड़ दिया।

जलगांव में केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़खानी

सिक्योरिटी गार्ड के साथ धक्का-मुक्की, एक अरेस्ट

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव में केंद्रीय मंत्री की बेटी के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। यहां कुछ मनचलों ने संत मुक्ताई यात्रा के दौरान लड़कियों की टोली से छेड़खानी की, जिनमें केंद्रीय मंत्री की बेटी भी शामिल थीं। आरोपी लड़कों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मंत्री खुद पुलिस स्टेशन पहुंच गईं। उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। छेड़खानी की घटना जलगांव जिले के मुक्ताईनगर में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। जलगांव के संत मुक्ताई यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री की बेटी और उनकी सहेलियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। यह घटना मुक्ताईनगर तालुका के कोथली गांव में घटी, जहां महाशिवरात्रि के साप्ताहिक अवसर पर संत मुक्ताई यात्रा का आयोजन किया गया था। शुक्रवार देर शाम जब केंद्रीय मंत्री की बेटी अपनी सहेलियों के साथ यात्रा में शामिल थीं, तभी चार से पांच अज्ञात युवकों ने उनका पीछा करना शुरू किया।

केंद्रीय मंत्री गुस्से में पहुंचीं थाने

घटना के बाद केंद्रीय मंत्री गुस्से में पुलिस स्टेशन पहुंचीं। उन्होंने कहा कि वह यहां एक सांसद या मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक मां के रूप में आई हैं। मंत्री ने कहा किअगर उनकी बेटी ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लड़कियों की सुरक्षा का क्या होगा? उन्होंने महाराष्ट्र सरकार और मुख्यमंत्री से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मंत्री का कहना है, 'अगर एक लोकप्रतिनिधि की बेटी के साथ ऐसा हो सकता है, तो आम जनता की बेटियों की सुरक्षा कौन करेगा? मैं मुख्यमंत्री से मिलकर इस विषय में सख्त कानून लागू करने की मांग करूंगी।'

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

शिकायत के बाद मुक्ताईनगर पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक आरोपी की गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच जारी है।सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद माहौल गरम है। इस घटना से मुक्ताईनगर और जलगांव में तनाव का माहौल बन गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया है। वहीं, राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है।

लड़कियों से की छेड़खानी, गार्ड से धक्का-मुक्की

आरोपी लड़को ने लड़कियों की टोली पर फब्तियां कसनी शुरू की और उनसे छेड़छाड़ करना शुरू किया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ये युवक छुपकर मोबाइल से वीडियो बना रहे थे और अश्लील टिप्पणियां कर रहे थे।युवकों की हरकतें बढ़ती देख सुरक्षा गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे गाली-गलौच करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने सुरक्षा गार्ड के साथ धक्का-मुक्की की। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग जमा हो गए, जिसके बाद मामला मुक्ताईनगर पुलिस स्टेशन तक पहुंचा।

'कभी शादी मत करना', मध्य प्रदेश में पूर्व विधायक के बेटे ने सुसाइड नोट लिखकर खा लिया जहर

देवास, 2 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के देवास जिले की सोनकच्छ सीट के पूर्व विधायक और बीजेपी के नेता सुरेंद्र वर्मा के बेटे कारोबारी प्रमोद ने जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की कोशिश की। स्वजनों ने प्रमोद को इंदौर के अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जहरीला पदार्थ खाने से पहले लिखे नोट में प्रमोद ने पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा कि कभी शादी मत करना।। प्रमोद बिल्डिंग मटेरियल के कारोबारी हैं। उनकी शादी को करीब 15 साल हो चुके हैं। बच्चे भी हैं। स्वजन का कहना है कि उनका विवाद चल रहा है। पत्नी ने इंदौर के महिला थाने में कुछ दिन पहले उत्पीड़न और घरेलू हिंसा की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें प्रमोद और उनके स्वजन को नामजद किया गया था। विवाद न्यायालय में विचाराधीन है। स्वजन के अनुसार, इस बीच कुछ रिश्तेदारों ने राजीनामा भी करा दिया।

हिमंत सरमा ने जिसपर लगाया था 'बाढ़ जिहाद' का आरोप

उसके निजी गार्डों ने पुलिस की ली तलाशी, सीएम ने क्यों ठहराया सही?

गुवाहाटी, 2 मार्च (एजेंसियां)। जालसाजी और परीक्षा कदाचार के आरोपी एक विश्वविद्यालय के चांसलर के निजी सुरक्षा गार्डों द्वारा पुलिसकर्मियों की तलाशी लेने के एक वीडियो ने ऑनलाइन सवाल खड़े कर दिए हैं। 'वॉयस ऑफ असम' नाम के एक एक्स हैंडल ने वीडियो साझा करते हुए कहा है, 'यह अराजकता की एक झलक है जिसकी बांग्लादेश, पाकिस्तान या फिल्मों में उम्मीद की जा सकती है, लेकिन भारत में नहीं।' हालांकि, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने स्थिति साफ कर दी और कहा कि कानून में इसकी अनुमति है। 'वॉयस ऑफ असम' के पोस्ट को साझा करते हुए, उन्होंने उस कानून की ओर इशारा किया जो एक घर के मालिक को यह अनुमति देता है कि छापे से पहले पुलिस की तलाशी ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा, आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 की धारा 100(3) के अनुसार, जब पुलिस किसी आवास की तलाशी लेती है, तो मालिक को यह अनुरोध करने का अधिकार है कि परिसर की तलाशी शुरू करने से पहले अधिकारियों की तलाशी ली जाए। बता दें, जिस वीडियो को लेकर सवाल खड़े किए गए हैं, उसमें पुलिस को महबुबुल हक के घर में प्रवेश करते और शिक्षक द्वारा नियोजित निजी सुरक्षा गार्डों द्वारा तलाशी लेते हुए दिखाया गया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम) के चांसलर महबुबुल हक को पिछले महीने सीबीएसई कक्षा 12 की परीक्षा के दौरान जाली जाति प्रमाण पत्र और कथित कदाचार के आरोप में असम पुलिस ने गिरफ्तार किया था। 21 फरवरी को एक पुलिस टीम ने हक को देर रात उनके गुवाहाटी स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों से पता चला कि हक ने परीक्षा में कथित तौर पर अनुचित साधनों का उपयोग करने में मदद करने के लिए छात्रों से पैसे लिए थे। इस मामलो के लेकर शिकायत की गई थी, जिसके बाद जांच शुरू की गई और हक को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले पर सीएम सरमा ने कहा था कि हक फर्जी डिग्री और वित्तीय अनियमितताओं सहित कई धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालय ने बिना परीक्षा आयोजित किए पीएचडी और अन्य डिग्रियां बेच दीं। बता दें, महबुबुल हक का विश्वविद्यालय पिछले मानसून के दौरान भारी जलभराव को लेकर विवाद में भी फंस गया था।

बदमाशों ने दूल्हे के साथ की मारपीट, साथ में बैठी बच्ची भी गंभीर रूप से घायल; पुलिस जांच में जुटी

मुरैना, 2 मार्च (एजेंसियां)। मुरैना जिले में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लूट, डकैती और फायरिंग जैसी घटनाओं के बीच अब एक बारात पर हमले का मामला सामने आया है। जिले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि बदमाश बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला स्टेशन रोड थाना क्षेत्र का है, जहां दूल्हा अर्जुन वाल्मीकि अपनी बारात लेकर गंज रामपुर से धौलपुर, राजस्थान के लिए रवाना हुआ। इसी दौरान रास्ते में कुछ दबंगों ने बारात को घेरकर पथराव और मारपीट कर दी, जिससे दूल्हा और उसकी छोटी बहन रोशनी घायल हो गए। परिजन घायलों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। बताया जा रहा है कि जब गंज रामपुर से बारात निकली, तो रास्ते में जाम लग गया, जिससे कुछ स्थानीय युवक नाराज हो गए। इसी विवाद के चलते जब बारात अंबाह बायपास लालौर फाटक के पास पहुंची, तो हमलावरों ने घेराबंदी कर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए बारात को धौलपुर रवाना किया। दूल्हा अर्जुन वाल्मीकि ने स्टेशन रोड थाने में घटना की जानकारी दी और शादी संपन्न होने के बाद लौटकर मामला दर्ज कराने की बात कही। पुलिस ने आरोपियों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस घटना ने जिले में कानून व्यवस्था को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बदमाश बेखौफ होकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं

पेट के अंदर 10 करोड़ की कोकीन ब्राजील से लेकर भारत आई महिला; कैसे पकड़ी गई?

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान एक महिला को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। महिला ब्राजील की निवासी है, जो भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया गया। महिला शातिर तरीके से कोकीन के कैप्सूल निगलकर ब्राजील से भारत आई थी।

अब इस तस्करी नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। दरअसल महिला अपने अंदर साढ़े 10 करोड़ की कोकीन छिपाकर तस्करी कर ब्राजील से मुंबई ला रही थी, लेकिन तस्कर महिला को मुंबई एयरपोर्ट पर ही पकड़ लिया गया। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने उस ब्राज़ीलियाई महिला को साओ पाउलो से भारत में ड्रग्स की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

10 करोड़ से ज्यादा कीमत की कोकीन

चेकिंग के दौरान महिला ने खुद भी स्वीकार किया कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल्स निगले थे। इसके बाद उसे तुरंत एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने 100 कैप्सूल्स बाहर निकाले। इनमें कुल 1,096 ग्राम कोकीन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत लगभग 10।96 करोड़ आंकी गई है। यानी 10 करोड़ की कीमत के कोकीन की तस्करी की कोशिश महिला ने की। डीआरआई अधिकारियों ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत इन ड्रग्स को जब्त कर लिया और महिला को गिरफ्तार कर लिया।

तस्करी नेटवर्क का पता लगाया जाएगा

फिलहाल इस मामले में आगे की जांच जारी है। ताकि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। डीआरआई के अनुसार, कोकीन की तस्करी में शामिल गिरोह एयर ट्रैवलर्स का उपयोग करते हैं, जिन्हें "ड्रग म्यूल्स" कहा जाता है। ये तस्कर अक्सर आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं और पैसों के लालच में इस तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं और आखिर में आकर फंस जाते हैं। अब इस महिला को भी गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जाएगी और पूरे तस्करी से जुड़े नेटवर्क का पता लगाया जाएगा।

महिला ने तस्करी की बात कबूल भी की है।

पहले अपना घर ठीक करें

उनके कई विधायक हमारे संपर्क में, डीके शिवकुमार का बीजेपी पर पलटवार

बेंगलूरू, 2 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बीजेपी को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि कर्नाटक में बीजेपी के कई विधायक हमारे संपर्क में हैं और हम तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। हम एकजुट हैं और एकजुट रहेंगे। बीजेपी पहले अपना घर ठीक करे। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में शिवकुमार ने कहा कि मेरे कुछ मंत्रियों ने कहा है कि कई बीजेपी विधायक हमसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं उस पर चर्चा नहीं करना चाहता। इस पर मेरे मंत्री पहले ही कह चुके हैं। बीजेपी टूटा हुआ घर है। कांग्रेस एकजुट है। दरअसल, यह विवाद उस समय खड़ा हुआ, जब 26 फरवरी को शिवरात्रि समारोह के दौरान डीके शिवकुमार को जग्गी वासुदेव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मंच साझा करते देखा गया था। हालांकि शिवकुमार ने इसके बचाव में कहा था कि यह पूरी तरह से धार्मिक यात्रा थी, राजनीतिक नहीं। इसके बाद भी सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर अंदरूनी कलह की खबरें उठने लगी थीं। बीजेपी ने दावा किया था कि शिवकुमार उनकी पार्टी की मदद से वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए कांग्रेस छोड़ सकते हैं।

सुविचार: शांत स्वभाव वाले व्यक्ति को मूर्ख बनाना असंभव है।

दुर्घटना से प्रभावित परिवारों की सहायता करेंगे : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की समीक्षा की

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकर्नूल जिले में हुए सुरंग हादसे की स्थिति का जायजा लेने मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी रविवार को खुद मौके पर पहुंच गए। मुख्यमंत्री ने हादसे में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए नौ दिनों से चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के साथ सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव भी मौजूद रहे। एसएलबीसी सुरंग मामले पर मीडिया से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के गठन के बाद, पिछली सरकार ने एसएलबीसी सुरंग कार्यों की उपेक्षा की। पिछली सरकार ने सुरंग निर्माण कंपनी को धनराशि जारी नहीं की थी। इसके अलावा कंपनी ने बिजली का बकाया भी नहीं चुकाया और बिजली बंद कर दी गयी। बिजली की कमी के कारण सुरंग का काम हर जगह रुका हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आते ही इस प्रतिष्ठित परियोजना के कार्यों को पूरा करने के लिए कदम उठाए। हमने कंपनी को बिल का भुगतान किया, तकनीकी विशेषज्ञों से चर्चा की और समस्याओं का समाधान किया। हम मिशनरी के लिए अमेरिका से स्पेयर पार्ट्स लाए हैं। अगर हम काम को तेजी से पूरा करने और नलगोंडा जल समस्या का स्थायी समाधान दिखाने के लिए ईमानदारी से काम कर रहे हैं। अप्रत्याशित रूप से यह घटना घटी। यह एक दुर्घटना है। जब ऐसी विपदाएं आएं तो हमें राजनीति से परे एकजुट होकर समस्या का समाधान करना चाहिए। चाहे सरकार हो या विपक्ष।

उन्हें प्रभावित परिवारों के प्रति सहानुभूति दिखानी चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए। राहत कार्यों में सेना और सुरंग विशेषज्ञों समेत 11 विभाग काम कर रहे हैं। उनकी तहे दिल से सराहना करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरंग में फंसे आठ लोगों की स्थिति के बारे में अभी भी पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का कहना है कि समस्या सुलझने में अभी दो से तीन दिन और लगेंगे। चूंकि कन्वेयर बेल्ट क्षतिग्रस्त हो गया था, इसलिए मिट्टी को अंदर से बाहर ले जाना मुश्किल हो गया। यदि कल तक कन्वेयर बेल्ट की मरम्मत हो जाएगी तो मिट्टी को अंदर ले जाना आसान हो जाएगा। अधिकारी अभी तक इस बात का पूरा आकलन नहीं कर पाए हैं कि आठ लोग कहां फंसे थे और मिशनरी को कहां नुकसान हुआ था। हमने हादसे के दिन से लेकर अब तक की गई कार्रवाई और मौजूदा स्थिति की समीक्षा की है। यह एक आपदा है। हम विपक्ष से अपील करते हैं कि वे एकजुट होकर समस्या के समाधान की दिशा में काम करें। अतीत में, यदि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक में बिजली उत्पादन में कोई दुर्घटना होती थी, तो किसी को भी वहां जाने की अनुमति नहीं थी। अगर मैं उस दिन पीसीसी अध्यक्ष बनकर आता तो मुझे जेल में डाल दिया जाता। देवदा और कालेश्वरम परियोजनाओं में जहां भी उनकी मृत्यु हुई, सरकार ने विपक्ष को अनुमति नहीं दी। सरकार के बड़े लोग वहां नहीं गए। लेकिन आज हमने घटना के तुरंत बाद उत्तम को भेजा और केंद्र के साथ समन्वय करके सभी संगठनों को यहां लाया। यह दुनिया की सबसे बड़ी सुरंग है। हमने हिम्मत नहीं हारी। हम दुर्घटना में शामिल लोगों के परिवारों की सहायता करने के साथ-साथ परियोजना को भी पूरा करेंगे। हमने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस समस्या को हल करने के लिए यदि आवश्यक हो तो रोबोट का उपयोग करें। राज्य सरकार इस समस्या के समाधान के लिए कृतसंकल्पित है। मुख्यमंत्री ने सभी से अनुरोध है किया कि इसमें सहयोग करें।

सरकार ललित कलाओं का समर्थन कर रही है : भट्टी

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि जनता की सरकार बड़े पैमाने पर ललित कलाओं का सक्रिय रूप से समर्थन कर रही है, यह सुनिश्चित करते हुए कि कलाकारों को लगातार सरकार का समर्थन प्राप्त होगा। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि सरकार राज्य में कला को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों को आवश्यक संसाधन और सेवाएं प्रदान कर रही है।

उपमुख्यमंत्री रविवार को यहां एलबी स्टेडियम के इनडोर स्टेडियम में तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी के तत्वावधान में आयोजित भक्त रामदास जयंती समारोह में मुख्य अतिथि थे। भट्टी विक्रमार्क ने मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर गौड़ और सीताक्का के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने शास्त्रीय संगीत विशेषज्ञों को सम्मानित किया। बाद में संगीतकारों, गीतकारों और संगीतकारों की बैठक को संबोधित करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार अब से हर साल तिरुवयूर में आयोजित त्यागराज आराधनोत्सव की तर्ज पर बड़े पैमाने पर भक्त रामदास जयंती समारोह का आयोजन करेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा पूरे राज्य में 392 जयंती समारोह आयोजित किए जा रहे हैं और उन्हें खुशी है कि प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार पद्मश्री येल्ला वेंकटेश्वर राव, पद्मश्री डॉ. शोभाराजू, कलारत्न पुरस्कार विजेता और हैदराबाद ब्रदर्स राघवाचारी, हैदराबाद सिस्टर्स हरिप्रिया, प्रेमा रामा मूर्ति, कोवेला शांता, डीवी मोहन कृष्ण और अन्य प्रमुख संगीतकार इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें उस जिले का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है, जिसमें भक्त रामदास का जन्म हुआ था। उन्होंने याद दिलाया कि हर कोई जानता है कि कैसे तनिषा शासन के तहत तहसीलदार के रूप में कार्यरत भक्त रामदास ने लोगों से एकत्र किए गए कर के पैसे का इस्तेमाल भद्राचलम में जीर्ण-शीर्ण श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए किया और तनिषा के क्रोध का शिकार हुए और सजा के तौर पर गोलकुंडा किले में कैद का सामना किया। उन्होंने संगीतकारों और संगीतज्ञों से भक्त रामदास को प्रेरणा के रूप में लेने और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए भक्त संगीतकारों और लेखकों के संगीत को लोकप्रिय बनाने का आह्वान किया।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से फिल्म कलाकारों को प्रोत्साहित नहीं किया गया और पिछली सरकार ने वार्षिक नंदी पुरस्कारों की प्रस्तुति की भी उपेक्षा की। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही कलाकारों को प्रोत्साहित करने और इस उगादी महोत्सव से गद्दार फिल्म पुरस्कार प्रदान करने का फैसला किया और सभी आवश्यक कदम उठाए। पीपुल्स सरकार ने थिएटर कलाकारों को प्रोत्साहित करने और उन्हें मान्यता देने का भी फैसला किया। भट्टी विक्रमार्क ने आश्वासन दिया कि कलाकारों को सरकार से पूरा प्रोत्साहन मिलेगा और कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी चाहते हैं कि वे सभी कलाकारों तक यह संदेश पहुंचाएं।

102 किग्रा गांजा के साथ एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने रविवार को चोटुप्पल में गांजा परिवहन के आरोप में एक चालक को गिरफ्तार किया और उसके वाहन से 102 किलोग्राम गांजा जब्त किया। पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र का मूल निवासी गिरफ्तार व्यक्ति नकुल कैलाश गायकवाड़ (36) आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले में गया और अल्लूरी सीतारम जिले के वीरबाबू से 51 ढक्कनों में पैक 102 किलोग्राम गांजा खरीदा। उत्तर प्रदेश के सेठू के निर्देश पर कैलाश इसे महाराष्ट्र में किसी व्यक्ति को देने जा रहा था, तभी सूचना मिलने पर राचकोंडा पुलिस ने उसे छोटूप्पल में पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि कैलाश ने पुलिस को धोखा देने के लिए आंध्र प्रदेश से हैदराबाद जाते समय अपने वाहन की रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट बदल दी थी। पुलिस ने उसके पास से 102 किलोग्राम गांजा, सुजुकी डिजायर वाहन और 2,000 रुपये नकद जब्त किए।

मीर आलम टैंक के पास जुआ खेलते 7 गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मीर आलम टैंक परिसर में जुआ खेलते पाए गए सात लोगों को अत्तापुर पुलिस ने शनिवार रात गिरफ्तार कर लिया। अत्तापुर पुलिस की एक टीम ने विशेष अभियान दल के साथ मिलकर मीर आलम टैंक में एक सुनसान स्थान पर छापा मारा और पाया कि सात लोग, जो ड्राइवर हैं, तीन ताश के खेल और जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने उनके पास से 60,520 रुपए नकद और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है।

श्रीपदाराव जयंती समारोह आयोजित

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्वर्गीय श्रीपदाराव जयंती समारोह का आयोजन किया गया। संयुक्त आंध्र प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीया डुडिला श्रीपदाराव की 88वीं जयंती समारोह का राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं डीसीपी एडमिन इंदिरा ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

रिमांड पर लिए गए 10 ट्रांसजेंडर

अनैतिक गतिविधियों में लिप्त रहने के आरोप

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सरूरनगर पुलिस ने रविवार को अनैतिक गतिविधियों में कथित रूप से संलिप्त रहने के आरोप में दस ट्रांसजेंडरों को गिरफ्तार कर रिमांड पर ले लिया। स्थानीय लोगों की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए कि ट्रांसजेंडरों का एक समूह पी एंड टी कॉलोनी में ग्राहकों को लुभाने और अनैतिक गतिविधियों में लिप्त है, राचकोंडा एएचटीयू टीम, विशेष ऑपरेशन टीम और स्थानीय पुलिस ने घर पर छापा मारा।

पीएंडटी कॉलोनी आवासीय कल्याण संघ ने कुछ दिन पहले राचकोंडा पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू से उनके इलाके में अवैध गतिविधियों के बारे में शिकायत की थी। उन्होंने सबूत के तौर पर राचकोंडा पुलिस आयुक्त को तस्वीरें और वीडियो सौंपे। उन्होंने अवैध गतिविधियों को तुरंत रोकने की मांग की, क्योंकि इससे इलाके का नाम खराब हो रहा है और कानून का पालन करने वाले निवासियों की सुरक्षा को खतरा है। शिकायत के बाद सरूरनगर पुलिस ने शनिवार रात घर पर छापा मारा और दस ट्रांसजेंडरों को हिरासत में लिया। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें रिमांड पर लिया गया है।

होर्डिंग मालिकों को निशाना बनाना बंद करें : दासोजू श्रवण

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर उनके सामंती शासन में हाइड्रा अधिकारियों द्वारा निर्दोष लोगों को परेशान करने के लिए हमला बोला है। उन्होंने रोष व्यक्त किया कि रेवंत रेड्डी सरकार तेलंगाना आउटडोर मीडिया एसोसिएशन के तत्वावधान में बालापुर चौराहे पर परमिट वाले उनके होर्डिंग्स को अवैध रूप से हटाकर हजारों परिवारों की आजीविका को नष्ट कर रही है। दासोजू श्रवण ने कहा कि इस मामले में हाइड्रा ने अदालत के आदेश की अवहेलना की है। हालांकि उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि शनिवार और रविवार को होर्डिंग्स नहीं हटाए जाने चाहिए, लेकिन हाइड्रा अधिकारी अदालत के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं और असंवैधानिक रूप से काम कर रहे हैं। दासोजू श्रवण ने कहा कि अगर बड़े बिल्डर तालाबों में गगनचुंबी इमारतें बना रहे हैं, तो सरकार का गरीब मध्यम वर्ग के लोगों पर अपनी शक्ति दिखाना कितना उचित है, जो अपना सिर नहीं हिलाते। उन्होंने कहा कि होर्डिंग मालिकों और व्यापारियों ने हाइड्रा अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि अधिकारी हटाए गए होर्डिंग सामग्री को बेच रहे हैं। क्या यह व्यापारियों का खून चूसने की साजिश नहीं है? हजारों परिवारों के सड़क पर आने का खतरा है। व्यापारियों में रोष है कि लाखों परिवार इस व्यवसाय पर निर्भर हैं और होर्डिंग श्रमिकों पर हाइड्रा अधिकारियों ने छापेमारी की है। उन्हें चिंता है कि इस निर्दयी शासन के कारण उनकी आजीविका नष्ट हो जाएगी और वे सड़क पर आने को मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि वे कल से सड़क पर संघर्ष करेंगे। उन्होंने मांग की कि सरकार अपनी गलती सुधारे। दासोजू श्रवण ने कहा, अगर इन अनियमितताओं को तुरंत नहीं रोका गया तो व्यापारी कल से पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन और धरना देने की तैयारी कर रहे हैं। व्यापारी सीएम रेवंत रेड्डी से तत्काल कदम उठाने और इस राक्षसी शासन को रोकने का अनुरोध कर रहे हैं। हाइड्रा गैंग को संविधान से इतर ताकत की तरह काम नहीं करना चाहिए। सरकार को गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का उत्पीड़न बंद करना चाहिए। कोई भी ऐसा फैसला जो जनता की आजीविका को नष्ट करता है, वह बाड़ की तरह है।

व्यापारी को धोखा देने के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने रविवार को एक व्यक्ति को सस्ते दाम पर सोना बेचने के बहाने एक व्यापारी को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए रंगा रेड्डी जिले के सरूरनगर निवासी जले चंद्र शेखर रेड्डी (32) ने कथित तौर पर लगभग 75 वर्षीय एक व्यक्ति को संदेश भेजकर बताया था कि वह 50,000 रुपये प्रति तोला सोना खरीदने मुंबई जा रहा है। पीड़िता को विश्वास दिलाने के लिए शेखर ने कुछ ऐसे लोगों के नाम बताए जो वरिष्ठ नागरिक को मालूम थे।

पुलिस ने बताया कि शेखर की बातों में आकर पीड़ित ने ठग के बताए बैंक खातों में 5 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित को सोना नहीं मिला और शेखर किसी न किसी बहाने से डिलीवरी टालता रहा।

पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शेखर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

स्नान करते समय गोदावरी नदी में डूबा युवक

मंचेरियल, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हाजीपुर मंडल के मुलकल्ला गांव के निकट रविवार को पवित्र गोदावरी नदी में स्नान करते समय एक युवक दुर्घटनावश डूब गया।

हाजीपुर के उपनिरीक्षक जी नरेश ने बताया कि मंचेरियल कस्बे के उसीकमल्ला श्रवण (22) की उस समय जलमग्न स्थिति में मौत हो गई, जब वह गहरे स्थान पर नदी में डुबकी लगा रहा था।

उसके साथ उसका पिता भी था, जो कपड़े धोने के लिए नदी के किनारे खड़ा था और उसने अपने बेटे को बचाने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहा। श्रवण के पिता ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को खोजने का प्रयास शुरू किया।

पहली बार मंचेरियल में देखा गया प्रवासी पक्षी रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड

मंचेरियल, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को पहली बार एक प्रवासी पक्षी, रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड को लक्सेटीपेट मंडल के वेंकटरावपेट गांव में एक सिंचाई टैंक में देखा गया, जिससे वन अधिकारियों और पर्यावरणविदों में खुशी की लहर दौड़ गई। जिला वन अधिकारी शिव आशीष सिंह ने कहा कि पहली बार टैंक में बत्तख देखी गई, जो पारिस्थितिकी के लिए एक स्वागत योग्य संकेत है।

उन्होंने कहा कि पक्षियों को देखने के लिए टैंक में आए वन अधिकारियों ने लाल कलगी वाले पोचार्ड को देखा। उन्होंने कहा कि टैंक में पक्षियों के लिए सुरक्षित रहने की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

पक्षीविज्ञानियों के अनुसार, पोचर्ड गहरे पानी में रहने वाले गोल शरीर वाले, बड़े सिर वाले, बल्कि शांत पक्षी हैं, वे बंद पंखों के साथ जलीय पौधों पर भोजन करने के लिए अच्छी तरह से गोता लगाते हैं। वे मीठे पानी की झीलों और तालाबों में प्रजनन करते हैं। वे मध्य यूरोप, एशिया और मंगोलिया में वितरित हैं। उन्हें डाइविंग डक कहा जाता है। वे प्रवासी हैं, प्रजनन स्थलों और सर्दियों के स्थलों के बीच उड़ते हैं।

प्रकृति प्रेमी, विशेषज्ञ, पक्षी प्रेमी, वैज्ञानिक, वन्यजीव फोटोग्राफर और मुलुगु के वन महाविद्यालय एवं शोध संस्थान के छात्र तथा वन विभाग के शीर्ष अधिकारी दो दिवसीय कवाल पक्षी महोत्सव में शामिल हुए और पक्षी समुदाय की टैंक अवलोकन गतिविधियों में शामिल हुए। उन्होंने टैंक में रहने वाले पक्षियों की तस्वीरें खींचीं।

सूरजमुखी खरीद केंद्र स्थापित करने की मांग

सिद्दीपेट विधायक ने सीएम पर साधा निशाना

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव ने सूरजमुखी खरीद केंद्र तुरंत स्थापित करने में सरकार की निष्क्रियता को लेकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा। उन्होंने किसानों को संकट में बेचने से बचाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। मुख्यमंत्री को लिखे खुले पत्र में हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर तेलंगाना की कृषि को संकट में डालने का आरोप लगाया। पिछली बीआरएस सरकार के दौरान, उन्होंने याद दिलाया कि समय पर सब्सिडी और रैतु बंधु समर्थन के साथ तिलहन की खेती को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया गया था। परिणामस्वरूप, तेलंगाना अब बड़े पैमाने पर सूरजमुखी का उत्पादन करता है।

उन्होंने कहा कि फसल कटाई के लिए तैयार होने के बावजूद, कांग्रेस सरकार खरीद केंद्र खोलने में विफल रही, जिससे किसानों को 5,500-6,000 रुपये प्रति क्विंटल की तंग कीमतों पर बिचौलियों को अपनी फसल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो कि नेफेड द्वारा घोषित 7,280 रुपये के समर्थन मूल्य से काफी कम है। बीआरएस विधायक ने कांग्रेस सरकार की उदासीनता की आलोचना करते हुए कहा कि बीआरएस शासन के दौरान, नेफेड के माध्यम से उचित मूल्य पर सूरजमुखी के बीज खरीदे गए थे, जिससे किसानों को उचित लाभ मिले।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में खरीद केन्द्रों की कमी के कारण किसानों को प्रति क्विंटल 1,000-2,000 रुपये का नुकसान हो रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार चुनाव आचार संहिता का बहाना बनाए बिना तुरंत कार्रवाई करे और पूरे राज्य में खरीद केन्द्र खोले। रेवंत रेड्डी पर किसानों की पीड़ा के प्रति आंखें मूंद लेने का आरोप लगाते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस सरकार की लापरवाही किसानों को तिलहन की खेती से हतोत्साहित कर रही है, जिससे अंततः तेलंगाना का कृषि क्षेत्र पीछे चला जाएगा। उन्होंने आग्रह किया कि मुख्यमंत्री को जिम्मेदारी से काम करते हुए खेतों का दौरा करना चाहिए और सूरजमुखी किसानों की कठिनाइयों को स्वयं देखना चाहिए।

श्रीराम मंदिर के बाहर घूम रहे दलाल, वीआईपी दर्शन के पास के नाम पर उगाही करते तीन धरे गए

अयोध्या, 2 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर पुलिस चौकी पुलिस ने राम गुलेला बैरियर पर श्रद्धालुओं को वीआईपी दर्शन का पास उपलब्ध कराने के नाम पर धन उगाही करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि बैरियर पर तैनात मुख्य आरक्षी राशिद ने उन्हें इसकी सूचना दी, जिस पर कार्रवाई की गई। पकड़े गए आरोपियों की पहचान शैलेंद्र सिंह व बृजवासी निवासी धौलपुर राजस्थान व संदीप पता अज्ञात के रूप में हुई। आरोपियों के खिलाफ थाना राम जन्मभूमि में केस दर्ज कराकर तीनों का चालान कर दिया गया है।

6 मार्च को सुपौल पहुंचेंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत

सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का करेंगे उद्घाटन, तैयारी में जुटे कार्यकर्ता

सुपौल, 2 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 6 मार्च को सुपौल के वीरपुर आ रहे हैं। वे यहां सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर संघ के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय प्रशासन में जबरदस्त उत्साह है। संघ प्रमुख अपने दौरे के दौरान विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों से मुलाकात कर समाज और राष्ट्र निर्माण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मोहन भागवत के आगमन को लेकर संघ और प्रशासनिक स्तर पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। संघ के क्षेत्र संगठन मंत्री ख्याली राम ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े संगठन के प्रमुख का वीरपुर आगमन गौरव की बात है। संघ कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। स्वयंसेवक और स्थानीय पदाधिकारी कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में जुटे हैं। इससे पहले 2020 में मोहन भागवत का यह दौरा तय था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। अब चार साल बाद वे वीरपुर आ रहे हैं, जिससे कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में भारी उत्साह है।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा नया भवन

संघ प्रमुख द्वारा उद्घाटन किया जाने वाला सरस्वती शिशु विद्या मंदिर का नया भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इससे छात्रों को बेहतर शैक्षिक माहौल मिलेगा। संघ पदाधिकारियों का मानना है कि मोहन भागवत के आगमन से न केवल विद्यालय को नई पहचान मिलेगी, बल्कि शिक्षा और संस्कार के प्रचार-प्रसार को भी बल मिलेगा। संघ वर्षों से शिक्षा, संस्कार और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस दौरे से संघ की गतिविधियों को नई गति मिलेगी और क्षेत्र में उसकी सक्रियता और प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।

संघ के कई पदाधिकारी भी रहेंगे मौजूद

6 मार्च को वीरपुर में होने वाले इस कार्यक्रम में संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय नेता, शिक्षाविद और गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख विद्या भारती बिहार एवं झारखंड नवीन सिंह परमार, लोक शिक्षा समिति कोसी विभाग प्रमुख रमेश चंद्र शुक्ला, क्रीड़ा भारती प्रांतीय सदस्य मुकल कुमार दास, क्रीड़ा भारती रामवतार मेहता, क्रीड़ा भारती उत्तर बिहार प्रांतीय उपाध्यक्ष सुमन चंद्र, सुरेश चंद्र और सुबोध कुमार शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद थे।

वीरपुर में उत्सव जैसा माहौल

संघ प्रमुख मोहन भागवत के आगमन को लेकर वीरपुर में उत्सव जैसा माहौल है। स्थानीय लोग, स्वयंसेवक और संघ कार्यकर्ता उनके स्वागत की तैयारियों में दिन-रात जुटे हुए हैं। प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क है। यह दौरा न केवल संघ की विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम करेगा, बल्कि शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति संघ की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेगा। वीरपुर के इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने के लिए भारी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा एनडीए

जहानाबाद में भाजपा सांसद भीम सिंह ने लोगों से हुंकार सम्मेलन से जुड़ने की अपील की

जहानाबाद, 2 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के राज्यसभा सांसद भीम सिंह ने जहानाबाद में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगले मुख्यमंत्री भी नीतीश कुमार ही होंगे। भीम सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार का लगातार विकास हो रहा है। नीतीश कुमार ने राज्य में सुशासन कायम किया है। जब उनसे तेजस्वी यादव की लोकप्रियता को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि सर्वे का कोई मतलब नहीं है। बिहार की जनता नीतीश और मोदी की दीवानी है। सांसद जहानाबाद में 9 तारीख को पटना के मिलन हाई स्कूल में होने वाले अत्यंत पिछड़ा हुंकार सम्मेलन के लिए लोगों को आमंत्रित करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इस रैली का उद्देश्य अत्यंत पिछड़ा वर्ग को उनकी आबादी के अनुसार सत्ता में भागीदारी दिलाना है। उन्होंने बताया कि सत्ता में उचित भागीदारी न होने के कारण यह वर्ग सभी क्षेत्रों में पिछड़ा हुआ है। भीम सिंह ने कहा कि वे पूरे बिहार में घूम-घूमकर लोगों को रैली में आने का निमंत्रण दे रहे हैं। इस रैली के माध्यम से वे अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगा।

डीएम देवरिया का "ऑपरेशन कब्जा मुक्ति" अभियान

8 सौ चिन्हित कब्जों पर होगी कड़ी कार्रवाई

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल

देवरिया, 2 मार्च (एजेंसियां)। देवरिया में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल अब अतिक्रमणकारियों पर काफी सख्त रुख अख्तियार की हैं। जिले में सार्वजनिक उपयोगिता की भूमि और ग्राम समाज की भूमि पर अतिक्रमण करने वालों पर प्रशासन कारवाई करने से हिचकेगा नहीं। प्रशासन ने सार्वजनिक भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए कमर कस ली है। ऑपरेशन कब्जा मुक्ति के विषय मे विस्तृत जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि शासन की मंशानुरूप इस विशेष अभियान की कार्ययोजना बनायी गई है। अभियान के प्रथम चरण में व्यापक जनसुविधा के दृष्टिगत सार्वजनिक उपयोगिता की भूमि जैसे रास्ता, चकरोड, खेल का मैदान, चारागाह, पोखरी, खाद का गड्ढा आदि से अतिक्रमण हटाया जाएगा। द्वितीय चरण में ग्राम समाज की भूमि जैसे नवीन परती, बंजर पर से अतिक्रमण हटाने के कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कब्जाधारियों पर होगी कड़ी कारवाई

जिलाधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन कब्जा मुक्ति के अंतर्गत अतिक्रमण हटाने से पूर्व अतिक्रमणी को तहसील प्रशासन द्वारा डुग्गी-मुनादी एवं नोटिस आदि के माध्यम से सूचित भी किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अवैध अतिक्रमणकारियों को चेताया भी कि वे स्वयं अपने अवैध कब्जे को हटा कर लें, अन्यथा की स्थिति में सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी।

8 सौ चिन्हित भूमि को कब्जाधारियों से मुक्त कराया जाएगा

जिलाधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन कब्जा मुक्ति के अंतर्गत कुल 800 चिन्हित सार्वजनिक उपयोगिता की भूमि और ग्राम समाज की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। इन प्रकरणों का तहसीलवार चिन्हीकरण पिछले छह माह में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्र, तहसीलदार न्यायालय से बेदखली के मुकदमों में पारित आदेश तथा लेखपालों द्वारा उपलब्ध कराए गए रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। भाटपाररानी में सर्वाधिक 226, सलेमपुर में 202 रुद्रपुर में 116, बरहज में 105 तथा देवरिया सदर तहसील में 151 प्रकरण चिन्हित किये गए हैं। डीएम देवरिया ने कहा कि जनपद की सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जनपदवासियों से अनुरोध किया है कि वे प्रशासन के इस प्रयास में सहयोग करें और सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

भागलपुर में ब्राउन-शुगर ड्रग धंधेबाज बेखौफ, विरोध करने पर पूर्व पार्षद पर की फायरिंग

भागलपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। सिकंदरपुर पानी टंकी के पास असामाजिक तत्वों ने वार्ड 45 के पूर्व पार्षद सदानंद चौरसिया उर्फ सदानंद मोदी पर गोली चला दी देर शाम की इस घटना में वह बाल-बाल बचे। पूर्व पार्षद ने कहा कि नशे का विरोध करने पर उनपर जानलेवा हमला किया गया। ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री का विरोध करने पर हमले की बात सामने आ रही है। आधा दर्जन से अधिक लोगों पर केस दर्ज किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे डीएसपी – 2 राकेश कुमार ने पूर्व पार्षद से घटना की जानकारी ली और उनकी निशानदेही पर असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की। हालांकि, किसी की गिरफ्तारी की अबतक सूचना नहीं है।

'पीडीए मुद्दा व भ्रष्ट आचरण से सपा नेता ने जीता चुनाव'

याचिका पर हाईकोर्ट ने सांसद से मांगा लिखित जवाब

लखनऊ, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र से जीते सपा सांसद आरके चौधरी के चुनाव को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने मतदाता ज्ञानी की याचिका पर सांसद को 17 मार्च तक लिखित जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है। इससे पहले कोर्ट ने चौधरी को नोटिस जारी किया था। याचिका में चुनाव जीतने के लिए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) का मुद्दा उठाने समेत चुनाव कानून के तहत भ्रष्ट आचरण अपनाने का आरोप लगाया गया है। न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की एकल पीठ अब 17 को सुनवाई करेगी। याची के अधिवक्ता का कहना था कि आरके चौधरी ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के प्रावधानों का उल्लंघन किया, जिससे चुनाव कथित भ्रष्ट आचरण से प्रभावित हुआ। जिस राजनीतिक दल से वह चुनाव लड़ रहे थे, उसने पीडीए का मुद्दा उछाला। कई साक्षात्कारों का जिक्र कर कहा गया कि चौधरी समेत समाजवादी पार्टी के मुखिया ने भी पीडीए की अवधारणा को बड़े पैमाने पर जनता के सामने पेश किया। चुनाव की अधिसूचना के दौरान 12 मई 2024 को मोहनलालगंज में हुई रैली में चौधरी ने जाति, समुदाय और धर्म के आधार पर वोट मांगे। पीडीए को सोशल मीडिया पर भी दिखाया गया। इन हालात में चौधरी का चुनाव रद्द किए जाने योग्य है। कोर्ट ने बीते 24 सितंबर को आरके चौधरी को नोटिस जारी किया था। इसके बाद उनके वकील ने याचिका पर जवाब पेश करने के लिए चार हफ्ते का वक्त देने का आग्रह किया, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर दिया। इस वर्ष 14 फरवरी को चौधरी के अधिवक्ता कृष्ण कन्हैया पाल ने याचिका पर लिखित कथन दाखिल करने के लिए और समय मांगा। इस पर कोर्ट ने 17 मार्च तक आखिरी मौका दिया है।

तीन बच्चों के पिता ने खुद को कुंवारा बता रचाई शादी

बांका, 2 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के बांका जिला के शंभूगंज थाना क्षेत्र के किरणपुर गांव से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। तीन बच्चों के पिता ने खुद को कुंवारा बताकर युवती से शादी कर ली। युवती को पत्नी बनाकर दो साल तक बाहर ही रखा। जब मामला सामने आया तो पत्नी ने साथ रहने से इंकार कर दिया। पीड़िता ने शंभूगंज थाना पहुंचकर लिखित आवेदन दिया है। यह पूरा मामला किरणपुर गांव के राजेश कुमार, जो गजाधर मंडल के पुत्र हैं, से जुड़ा हुआ है।

राजेश की पहली शादी 7 साल पहले मुंगेर जिले के रतनपुर गांव की ममता कुमारी से हुई थी, जिससे दो बेटे और एक बेटी है। इस बीच, राजेश का एक प्रेम प्रसंग भागलपुर जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के कटहरा गांव की रिमझिम कुमारी से हो गया। रिमझिम के साथ राजेश ने शादी की, लेकिन खुद को कुंवारा बताकर विवाह किया था। करीब दो साल तक वह उसे पत्नी के रूप में रखता रहा। जब रिमझिम को सच्चाई का पता चला और उसने यह जाना कि राजेश पहले से शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं, तो उसने उसके साथ रहने से इंकार कर दिया। इस पर दोनों पक्षों में जमकर विवाद हुआ और रिमझिम अपनी मां के साथ शंभूगंज थाना पहुंची, जहां उसने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई।

बिहार के मंत्री जमा खान ने तेजस्वी यादव पर साधा निशाना, कहा- 'उनकी पार्टी प्राइवेट कंपनी बनी'

पटना, 2 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बीजेपी जदयू को खत्म कर देगी। जदयू के कुछ नेता भाजपाई हो चुके हैं। बीजेपी पूरी कोशिश में लगी है कि जदयू और नीतीश कुमार दोनों का राजनीतिक अस्तित्व खत्म हो जाए। तेजस्वी यादव के इस बयान पर राजनीति तेज हो गई है। बिहार सरकार में मंत्री मोहम्मद जमा खान ने तेजस्वी यादव पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि वे(तेजस्वी यादव) अपनी पार्टी को देखें। उनकी पार्टी प्राइवेट कंपनी बनी हुई है, उनका पूरा परिवार उसी में है। वहीं उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि वे (निशांत कुमार) आगे बढ़े हम उनके साथ रहेंगे। मैं

चाहता हूं कि निशांत कुमार आगे आएं। हम उनके साथ काम करेंगे। मैं चाहता हूं कि वे चुनाव भी लड़े, हम उनके नेतृत्व में काम करें।

'तेजस्वी अपनी परिवार की संपत्ति बढ़ाने में मसरूफ है'

जेडीयू नेता नीरज कुमार ने भी आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव अपनी परिवार की संपत्ति बढ़ाने में मसरूफ है, तो दूसरी ओर सीएम नीतीश कुमार बिहार को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। 15 सालों में लालू-राबड़ी के परिवार ने बिहार के जर्रे-जर्रे को लूट लिया है वो आज विकास की बात कर रहे हैं। नीतीश कुमार सेवा की राजनीति करते हैं और आप (तेजस्वी यादव) अपने परिवार की राजनीति करते हैं। नीरज कुमार ने कहा कि बिहार की जनता विकास की राजनीति चाहती है जर्रे-जर्रे का विकास हो, जर्रे-जर्रे को लूटने वाले को लोकसभा चुनाव में जनता ने उनकी राजनीति की औकात पर लाकर खड़ा किया। 2025 के विधानसभा चुनाव में भी जनता जर्रे-जर्रे को लूटने वाले को दरकिनार करेगी। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि 15 साल की एक्सीडेंटल गाड़ी को बिहार में फिर से चलाने का मंसूबा पाले एक परिवार भ्रम में जी रहा है। निरीह, निर्बल, गरीब, दलित को अपने टायर के नीचे कुचलकर बिहार को अतिवाद में धकेला। एनडीए के साथ बिहार सेफ है, विकास की रफ्तार तेज है।

पटरी पर रखे थे बोल्ट-पत्थर

हरदोई में ट्रेन डिरेल करने की कोशिश ड्राइवर की सतर्कता से टला हादसा

हरदोई, 2 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में एक बड़ी रेल दुर्घटना को अंजाम देने की कोशिश की गई। कौढ़ा रेलवे स्टेशन के पास अंजान व्यक्तियों ने रेलवे ट्रैक पर लोहे के बोल्ट और बड़े पत्थर रखकर ट्रेन पलटाने का प्रयास किया। लोको पायलट की सतर्कता की वजह से ट्रेन रोक दी गई, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के बाद रेलवे पुलिस हरकत में आई और मौके पर मौजूद दो संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच जारी है और रेलवे ट्रैक की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। रात 13010 दून एक्सप्रेस इस रेलवे ट्रैक से गुजर रही थी। ट्रेन कौढ़ा स्टेशन के पास पहुंची, तो लोको पायलट ने ट्रैक पर बड़े-बड़े पत्थर रखे हुए देखे। पायलट ने होशियारी बरतते हुए तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दी, जिससे ट्रेन रुक गई। अचानक ट्रेन के रुकने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन रोकने के बाद इसकी सूचना रेलवे पुलिस को दी गई। रेलवे पुलिस और जीआरपी की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे ट्रैक की जांच शुरू की। इस दौरान रेलवे ट्रैक पर रखे हुए बोल्ट और पत्थरों को हटा दिया गया है।

हरदोई के क्षेत्राधिकारी सदर अंकित मिश्रा ने बताया कि कौढ़ा और हरदोई रेलवे स्टेशन के बीच में रेलवे ट्रैक पर पत्थर और बोल्ट रखकर ट्रेन पलटने की कोशिश की गई है। इस घटना में दो आरोपी इबादुल्लाह और अनवारुल को रेलवे पुलिस ने पकड़ कर जीआरपी के हवाले कर दिया है। दोनों आरोपी नाबालिग नजर आ रहे हैं, लेकिन इतनी गंभीर साजिश को देखते हुए पुलिस उनसे कड़ी पूछताछ कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस घटना के पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं है। लोको पायलट ने समय रहते ट्रैक पर पत्थर और बोल्ट न देखे होते, तो ट्रेन पटरी से उतर सकती थी, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। लेकिन उनकी सूझबूझ और तत्काल निर्णय लेने की क्षमता ने सैकड़ों यात्रियों की जान बचा ली।

हसबैंड त्याग सकती हूं

इंस्टाग्राम -फेसबुक नहीं, जिद पर अड़ी पत्नी, बोली- तोड़ दूंगी रिश्ता; क्या है मामला ?

कटिहार, 2 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार जिले से एक अनोखा मामला सामने आया है। एक महिला ने यह कहकर सबको चौंका दिया कि वह अपने पति को छोड़ सकती है, लेकिन इंस्टाग्राम पर फोटो डालना नहीं छोड़ेगी। मामला पुलिस से होते हुए परिवार परामर्श केंद्र में पहुंचा, पति ने शिकायत की कि मेरी पत्नी दिनभर सोशल मीडिया पर व्यस्त रहती है और पारिवारिक जिम्मेदारियों को नजरअंदाज कर रही है। इस वाकये ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि, क्या सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव हमारे रिश्तों को कमजोर कर रहा है। क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म की लत हमारी पारिवारिक संरचना को नुकसान पहुंचा सकती है। मामला जब पुलिस परिवार परामर्श केंद्र पहुंचा, तो वहां काउंसलिंग के दौरान पति ने यह बात रखी कि मेरी पत्नी मेरे साथ समय नहीं बिताती और हमेशा ऑनलाइन रहती है।पति का आरोप है कि पत्नी अनजान लोगों से बातचीत करती है। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी तस्वीरें पोस्ट करती है। उसको परिवार की कोई परवाह नहीं है, बल्कि वह सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताती है।

क्या कहा पत्नी ने?

पुलिस ने महिला से इस बारे में पूछा, तो उसने कहा कि सोशल मीडिया मेरा निजी मामला है। मुझे अपनी तस्वीरें पोस्ट करने का पूरा हक है। उसने साफ कहा कि वह अपने पति को छोड़ सकती है, लेकिन इंस्टाग्राम और फेसबुक पर तस्वीरें डालना नहीं छोड़ेगी।

समझाने के बाद भी महिला नहीं मानी

केन्द्र के सदस्य दिलीप कुमार दीपक ने बताया कि सोशल मीडिया से लोगों को फायदा पहुंच रहा है तो कई लोगों की मानसिकता पर भी दुष्प्रभाव हो रहा है। सोशल मीडिया के कारण लोगों के बसे हुए परिवार बिखर रहे हैं और पति व पत्नी के रिश्ते भी टूट रहे हैं। दीपक ने बताया कि महिला को काफी समझाने के बाद भी वह नहीं मानी, और कहने लगीं चाहे कुछ भी हो जाए वे सोशल मीडिया पर पोस्ट करना नहीं छोड़ेंगी। इसके लिए वो पति और परिवार को त्यागने के लिए भी तैयार हैं। जब दोनों के बीच आपस में कोई सुलह नहीं हुई तो केन्द्र ने दोनों को वापस भेज दिया। केन्द्र में 32 मामलों की सुनवाई हुई। जसमें से 10 मामले निष्पादित किए गए।

गैंगस्टर के आरोपियों पर बड़ी कार्रवाई

एक करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त

हापुड़, 2 मार्च (एजेंसियां)। हापुड़ की गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने डीएम प्रेरणा शर्मा के आदेश पर दो गैंगस्टर एक्ट के अपराधियों के खिलाफ धारा-14/1 गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत करीब एक करोड़ रूपये से अधिक की कुर्की की कार्रवाई की. इन अपराधियों ने रकम दोगुनी करने का झांसा देकर लोगों से करोड़ों रूपये की ठगी की वारदात को अंजाम दिया था. दोनों अपराधी वर्तमान में जेल में रहकर अपनी सजा काट रहे हैं. हापुड़ एएसपी विनीत भटनागर ने बताया कि हापुड़ के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव चांदनेर निवासी संजीव चौहान पुत्र रामगोपाल और दिलावर पुत्र नईम निवासी ग्राम वैट थाना सिंभावली ने भोले-भाले लोगों से रकम दोगुनी करने का झांसा देकर अपने जाल में फंसाकर करोड़ो रूपये की ठगी की वारदात को अंजाम दिया था. दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और उनके खिलाफ धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट लगाई. पुलिस ने डीएम प्रेरणा शर्मा के आदेश पर शुक्रवार को दोनों अभियुक्तों के खिलाफ धारा 14/1 के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों अभियुक्तों की संपत्ति करीब एक करोड़ रूपये का मकान और एक मोटर साईकिल व एक स्कूटी, वर्तमान कीमत 36 हजार 500 रूपये को कुर्क किया. एएसपी विनीत भटनागर ने बताया कि हापुड़ पुलिस का जो अभियान है कुख्यात अपराधी हैं, गैंगस्टर हैं, उनकी पूरी तरह से कमर तोड़ने के लिए उन्हें आर्थिक रूप से अक्षम बनाने के लिए पुलिस की कार्रवाई लगातार चल रही है.

इसी क्रम में गढमुक्तेश्वर में एक करोड़ रूपये से ऊपर की चल और अचल संपत्ति को कुर्क किया गया है. दो अपराधी जो गैंगस्टर एक्ट के अपराधी हैं, इनकी डीएम से अनुमति प्राप्त करके धारा 14/1, गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कुर्की की गई है. उन्होंने कहा कि हापुड़ पुलिस की कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ जारी रहेगी.

बाल खींचे-नीचे पटका छात्र देता रहा बेगुनाही की दुहाई, चौकी इंचार्ज करता रहा पिटाई

वाराणसी, 2 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के लंका थाना क्षेत्र के संकटमोचन पुलिस स्टेशन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में पुलिस स्टेशन के अंदर चौकी इंचार्ज कुछ छात्रों की बेरहमी से पिटाई करते नजर आ रहे हैं। वह एक छात्र के बाल पकड़कर उसे खींचते हैं और फिर उसे बाल खींचते हुए ही चारों और घूमा देते हैं। चौकी इंचार्ज लगातार छात्र के बाल खींचते हुए उसकी डंडे से पिटाई करते हैं। चौकी इंचार्ज की बेरहमी का वीडियो जब सामने आया तो मामले की जानकारी पुलिस प्रशासन को हुई। फिर मामले पर कार्रवाई की गई और चौकी इंचार्ज नवीन चतुर्वेदी पर सख्त एक्शन लेते हुए तुरंत सस्पेंड कर दिया गया। दरअसल ये घटना संकटमोचन मंदिर के पास स्थित पुलिस चौकी की है, जहां चौकी इंचार्ज ने छात्र के लाख चीखने पर भी उसे नहीं बख्शा और बेरहमी से पीटता रहा। वीडियो में देखा जा सकता है कि जिस वक्त चौकी इंचार्ज छात्र को पीट रहे हैं।

नाबालिग छात्रा को शिक्षक ने भेजे अश्लील मैसेज

गोंडा, 2 मार्च (एजेंसियां)। गोंडा में 16 वर्षीय छात्रा के साथ शिक्षक द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। मामले को लेकर छात्रा के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी है। घटना कलंदरपुर तोर स्थित कंपोजिट विद्यालय की है। पिता का आरोप है कि पीड़िता पिछले साल तक इसी स्कूल में कक्षा 8 में पढ़ती थी। अब वह दूसरे विद्यालय में कक्षा 9 की छात्रा है। आरोपी शिक्षक रंजीत सिंह ने छात्रा का मोबाइल नंबर लेकर उससे अश्लील बातें करनी शुरू कर दीं। पिता ने बताया कि छात्रा के मना करने पर आरोपी शिक्षक उसे अश्लील वीडियो भेजने लगा। शिक्षक छात्रा को अकेले में मिलने का दबाव बनाता था। साथ ही उसके शरीर को अनुचित तरीके से छूने की कोशिश करता था। परिवार के कई बार समझाने के बावजूद शिक्षक नहीं माना। एक शिक्षक की करतूत सामने आई है। पर 16 वर्षीय छात्रा से दुर्व्यवहार का आरोप है। पीड़िता के पिता ने देहात कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने छात्रा का मेडिकल कराया और आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया।

'इनको लगता है कि करोड़पति शो में बैठे हैं हम' संजय राउत के सवाल पर शिंदे गुट का जवाब

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। संजय राउत ने एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा था कि उन्हें मोहन भागवत से पूछना चाहिए कि वह कुंभ क्यों नहीं गए। इस पर शिंदे गुट का जवाब आया है। शिवसेना प्रवक्ता कृष्ण हेगड़े ने कहा कि, "उन्हें लगता है वे कौन बनेगा करोड़पति शो में बैठे हैं। वह रोज 10 प्रश्न पूछे और हमको जवाब देना होगा। शिवसेना प्रवक्ता कृष्णा हेगड़े ने कहा, " असलियत यह है कि उनकी विश्वसनीयता खत्म हो गई है दूसरी बात ये है कि उनको समझना चाहिए कि आरएसएस एक सामाजिक संस्था है जो जनहित और देशहित में काम करती है। उद्धव ठाकरे जी की पार्टी जो है धर्म के नाम पर वोट मांगने वाली पार्टी है। इसमें फर्क है। हालांकि आजकल उद्धव ठाकरे की पार्टी मुस्लिम पार्टी बन चुकी है।"संजय राउत ने पूछा था यह सवाल संजय राउत ने एकनाथ शिंदे के कुंभ स्नान की तस्वीर शेयर करते हुए 'एक्स' पर लिखा था, "एकनाथ शिंदे कमाल की चीज है। खुद को हिंदुवादी कहनेवाले उद्धव ठाकरे कुंभ क्यो नहीं गये।।ये शिंदेका सवाल है। बहुत अच्छा। शिंदे ने ये सवाल आदरणीय आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जी से करनेकी हिम्मत दिखानी चाहिए! उधर, महाराष्ट्र में नेता प्रतिपक्ष को लेकर चल रही चर्चा के बीच शिंदे गुट ने बयान जारी किया है। कृष्णा हेगड़े ने कहा, " कांग्रेस, एनसीपी-एसपी और शिवसेना यूबीटी का आंकड़ा इतना कम है कि किसी एक पार्टी का नेता प्रतिपक्ष हो नहीं सकता, काल्पनिक रूप से भी अगर महाविकास अघाड़ी नेता प्रतिपक्ष की मांग करे तो वह कानूनी दायरे में आता है

शिंदे-शाह के बीच उस दिन क्या हुआ

संजय राउत बोले- ये मराठों को दो फाड़ कर रहे हैं

मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राऊत ने कहा कि दिल्ली में मराठी साहित्य सम्मेलन और महाराष्ट्र में मराठी भाषा गौरव दिवस मनाया गया। लेकिन, इन सबमें मराठी लोगों का स्वाभिमान, गुरूर खो गया। महाराष्ट्र के सूत्र पूरी तरह से दिल्ली के हाथ में हैं और महाराष्ट्र के नेता अमित शाह से मिलने के लिए सुबह चार बजे तक टकटकी लगाए खड़े हैं। उन्होंने कहा कि शिंदे-शाह के बीच उस दिन सुबह क्या हुआ? इतिहास लगातार खुद को दोहरा रहा है। ये साबित करने वाला दौर अभी महाराष्ट्र में चल रहा है। मराठों में दो फाड़ और घर के ही लोग जब राज्य का दुश्मन बन बैठे हैं। ऐसी स्थिति से व्यथित होकर शिवाजी महाराज ने रायगढ़ में अपना शरीर त्याग दिया। हम उनकी जयंती और पुण्य तिथि मनाते रहे हैं।

19 फरवरी को शिवनेरी पर शिवराय का जन्मोत्सव मनाया गया। वहां भी इस फूट के दर्शन हो गए। मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री शिंदे के बीच कड़वाहट के दर्शन शिवनेरी किले पर हुए और दूसरे उपमुख्यमंत्री अजीत पवार इन सबका आनंद लेते रहे। छत्रपति संभाजी पर बनी फिल्म छावा फिलहाल चल रही है। दिल्ली के मराठी साहित्य सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने छावा फिल्म का विशेष उल्लेख किया कि मुगलों ने संभाजी राजा को मार डाला, ये देखें और भाजपा को वोट दें।

उन्होंने कहा कि यदि हम मान लें कि जिन फितूरों ने संभाजी राजा को पकड़वाया और स्वराज्य की दुर्गति की, वे हमारे ही थे और दिल्ली के वरदहस्त थे तो आज महाराष्ट्र के नसीब में फिर वही दुर्भाग्य आ गया है। महाराष्ट्र मानसिक रूप से जाति-पाति में बंट गया है और इसका फायदा दिल्ली उठा रही है। अपने स्वाभिमान के लिए जाना जाने वाला महाराष्ट्र राज्य आज राजनीति की मोहमाया के कारण शरणागत होता स्पष्ट नजर आ रहा है। महाराष्ट्र की संपत्ति और उद्योग गुजरात जा रहे हैं, ये अब आम बात हो गई है। पेटेंट का मुख्यालय मुंबई में था। आठ दिन पहले खबर आई कि ये पेटेंट का कार्यालय भी दिल्ली शिफ्ट हो गया है। अगर सीधे अहमदाबाद ले गए तो हल्ला हो जाएगा इसलिए इसे पहले दिल्ली और फिर अहमदाबाद ले जाया जाएगा। बेलगाम में मराठी लोगों पर फिर से हमले हो रहे हैं

और फडणवीस, शिंदे, पवार की तिकड़ी इस पर बोलने को तैयार नहीं है। ऐसे में मराठी भाषा दिन और पुरस्कार वितरण जैसे समारोह बेकार हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने एक बार फिर नया फरमान जारी किया है कि मंत्रालय का कामकाज पूरी तरह से मराठी में ही संचालित होना चाहिए। उससे क्या होगा? एकनाथ शिंदे ने ठाणे मनपा के उन कर्मचारियों के वेतन में कटौती करने का आदेश दिया है,

'धर्म विरोधी हैं दिग्विजय सिंह' कांग्रेस नेता पर बरसे मिर्ची बाबा, कहा- मुसीबत में साथ नहीं दिया

ग्वालियर, 2 मार्च (एजेंसियां)। कभी साधू संतों को साथ लेकर कांग्रेस के समर्थन में अपरोक्ष रूप से चुनाव प्रचार तक करने वाले निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद (मिर्ची बाबा) ने अब सियासत से दूरी बना ली हैं। इसी सिलसिले में उन्होंने ग्वालियर में कहा कि पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह धर्म विरोधी हैं। जब मैं परेशानी में था तो राजा साहब ने साथ नहीं दिया। मेरा राजनीति से मोह भंग हो गया है। अब मैं कभी भी राजनीति नहीं करूंगा। मिर्ची बाबा 14 से 21 अप्रैल तक होने जा रहे लक्षचंडी कुंभ महायज्ञ की जानकारी देने ग्वालियर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि ग्वालियर-चंबल विकास परिषद द्वारा ग्वालियर व्यापार मेला मैदान में 1008 लक्षचंडी कुंभ महायज्ञ किया जा रहा है। मिर्ची बाबा ने दिग्विजय सिंह और कांग्रेस पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि मेरा राजनीति से मोह भंग हो गया है, अब मैं अब कभी राजनीति नहीं करूंगा।

उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह पर बरसते हुए कहा कि मैं अकेला संत हूं, जिसने कांग्रेस के लिए प्रचार किया, लेकिन ये मेरे नहीं हुए, ये लोग धर्म विरोधी हैं। इस यज्ञ के आयोजक मुकेश अग्रवाल ने बताया कि ये महायज्ञ भारत में पहली बार होने जा रहा है। इस लक्षचंडी कुंभ महायज्ञ के आयोजन से ग्वालियर में सूर्य मंदिर बन जाने से इस अंचल के बिगड़े वास्तुदोष का नाश होगा और क्षेत्र के लोगों की प्रगति होगी। मिर्ची बाबा के निर्देशन में यह महायज्ञ होगा।

पेटीएम को 612 करोड़ का ईडी का नोटिस

चुनाव आयोग ने कहा- एक जैसे हो सकते हैं ईपीआईसी नंबर

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने फिनटेक फर्म पेटीएम के मालिक वन97 कम्युनिकेशंस को उसकी अधिग्रहीत दो सहायक कंपनियों के में फेमा नियमों के उल्लंघन पर 612 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा है। पेटीएम ने स्पष्ट किया कि उल्लंघन उस अवधि से संबंधित है जब दोनों कंपनियां उसकी सहायक कंपनियां नहीं थीं। पेटीएम ने 2017 में दोनों कंपनियों का अधिग्रहण किया था। पेटीएम ब्रांड के मालिक वन97 कम्युनिकेशंस (ओसीएल) ने बीएसई को सूचित किया कि उसे अपनी सहायक कंपनियों लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए 28 फरवरी को ईडी से फेमा उल्लंघन नोटिस मिला है। यह इन कंपनियों के पूर्व ग्रुपऑन के साथ-साथ कुछ निदेशकों और अधिकारियों के अधिग्रहण के संबंध में 2015 से 2019 के बीच विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन से संबंधित है। पेटीएम ने कहा कि वह लागू कानूनों और नियामक प्रक्रियाओं के अनुसार मामले को हल करने के लिए, आवश्यक कानूनी सलाह ले रही है। चुनाव आयोग ने कुछ सोशल मीडिया पोस्ट और मीडिया रिपोर्ट्स का संज्ञान लिया है। इसमें दो अलग-अलग राज्यों के मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर एक जैसे होने का मुद्दा उठाया गया है। इस पर आयोग ने कहा कि कुछ मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर एक जैसे हो सकते हैं, लेकिन एक ही ईपीआईसी नंबर वाले मतदाताओं के लिए जनसांख्यिकीय विवरण, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र सहित अन्य विवरण अलग-अलग हैं। ईपीआईसी नंबर चाहे जो भी हो, कोई भी मतदाता अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है

नीट पेपर में फेल होने के डर से छात्रा ने किया सुसाइड पिता बोले- एग्जाम को लेकर टेंशन में थी बेटी

विल्लुपुरम, 2 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के तिंडीवनम की 19 वर्षीय युवती ने आगामी नीट परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के डर से कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। टिंडीवनम के पास थडापपुरम गांव की रहने वाली युवती ने उसी गांव के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल से अच्छे अंकों के साथ 12वीं की पढ़ाई पूरी की थी। उसने पुडुचेरी के एक निजी संस्थान से नीट की कोचिंग भी ली थी और पिछले साल 350 अंक हासिल करके परीक्षा दी थी, लेकिन दुर्भाग्य से वह सफल नहीं हो पाई। इस साल वह फिर से परीक्षा की तैयारी कर रही थी और हाल ही में उसने अपना ओबीसी प्रमाण पत्र बनवाया था, जिसे उसने परीक्षा के लिए आवेदन के साथ जमा किया था। जिस दिन उसने यह जानलेवा कदम उठाया, उस दिन उसके माता-पिता और भाई खेती के काम के लिए खेतों में गए थे और वह अकेली रह गई थी।

पंखे से लटकी हुई थी बेटी

शाम को जब वे वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि युवती पंखे से लटकी हुई थी। परिवार सदमे में था और समझ नहीं पा रहा था कि क्या करें। पास के वेल्लीमेदु पेट्टई थाने की पुलिस को सूचना दी गई और वे रात करीब 11 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए विल्लुपुरम सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। फिलहाल छात्रा की मौत की जांच चल रही है। टिंडीवनम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुटी हुई है। मृत लड़की के पिता ने कहा कि वे सकते में थे। घर लौटने पर हमें पता चला कि हमारी बेटी ने आत्महत्या कर ली है। उसने नीट परीक्षा के डर से आत्महत्या की है।

100-200 रुपये में रूम, नासिक के कैफे में चल रहा था 'गंदा खेल'

एमएलए ने मारा छापा, इस हाल में मिले लड़के-लड़कियां

नासिक, 2 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में एक कैफे में गलत काम हो रहे थे, जिसकी कई दिनों से शहर में चर्चा थी, लेकिन पुलिस ने इसे नजरअंदाज किया। इसके बाद जब कैफे की जानकारी विधायक देवयानी फरांडे को हुई तो वह कैफे पर छापा मारने पहुंचीं। उनके पीछे-पीछे पुलिस भी पहुंची। वहां कई लड़के-लड़कियां आपत्तिजनक हालत में मिले, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। नासिक जैसे सांस्कृतिक शहर के कैफे में गलत काम चल रहा था, लेकिन पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। हालांकि अब जब इस मामले की जानकारी भारतीय जनता पार्टी की विधायक देवयानी फरांडे को मिली और वह मौके पर पहुंची। उन्होंने खुद कैफे पहुंचकर वहां छापा मारा तो पुलिस भी पहुंच गई। विधायक देवयानी फरांडे कैफे में पहुंची और कैफे का आलम और वहां हो रहे काम को देखकर वो हैरान रह गईं। राज्य के कई शहरों में कैफे खोले जा रहे हैं और वहां लड़के-लड़कियों को एंट्री दी जा रही है। ज्यादातर कैफे में हर घंटे के हिसाब से चार्ज लेकर लड़के-लड़कियों को कमरे दिए जा रहे हैं। कमरों में अंधेरा करने के लिए पर्दे लगाये जाते हैं। राज्य पुलिस प्रणाली इन सभी बातों को जानती है, लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है।

विधायक देवयानी फरांडे को नासिक के 'ए' मोगली नाम के कैफे में अनियमितताओं की जानकारी मिली थी, जहां वह खुद पहुंची और छापा मारा। देवयानी फरांडे को कैफे पहुंचने पर पता चला कि वहां युवा लड़के-लड़कियों को 100 से 200 रुपये में कमरे दिए जा रहे हैं। विधायक फरांडे के मौके पर पहुंचने पर पुलिस भी कैफे में पहुंच गई थी। पुलिस ने एक कैफे में अश्लील हरकतें करने के आरोप में कई लड़के-लड़कियों को हिरासत में लिया। अब हिरासत में लिए गए लड़के-लड़कियों के माता-पिता को थाने बुलाया जाएगा और समझाया जाएगा।

सीहोर में दलित परिवार का बहिष्कार दबंगों ने राशन-पानी तक किया बंद!

सीहोर, 2 मार्च (एजेंसियां)। जिले के बकतरा गांव से चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां एक दलित परिवार को समाज से पूरी तरह बहिष्कृत कर दिया गया है। गांव के ही दबंगों ने फरमान सुनाया है कि कोई भी इस परिवार को न राशन देगा, न पानी, और जो भी उनकी मदद करेगा, उस पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा। मामला राधेश्याम वंशकार के मकान निर्माण से जुड़ा है। राधेश्याम वंशकार अपने मकान का निर्माण कर रहे थे, तभी गांव के एक प्रभावशाली परिवार से विवाद हो गया। मामला पुलिस तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद हालात और बिगड़ गए। दबंगों ने समाज की बैठक बुलाकर तुगलकी फरमान जारी कर दिया कि कोई भी इस दलित परिवार से कोई संबंध नहीं रखेगा, न ही उन्हें कोई सामान बेचा जाएगा। जो कोई भी इस आदेश का उल्लंघन करेगा, उस पर 1 लाख का जुर्माना लगाया जाएगा जब पीड़ित परिवार राशन लेने गया, तो दुकानदारों ने साफ इनकार कर दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दुकानदार खुलेआम पीड़ित परिवार को सामान देने से मना कर रहे हैं। तीन दिनों से यह परिवार बाहर से किसी तरह खाने-पीने का सामान जुटा रहा है।

कलेक्टर से लगाई गुहार

आखिरकार थक हारकर पीड़ित परिवार बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधियों के साथ सीहोर कलेक्टर के पास पहुंचा और न्याय की गुहार लगाई। इस मामले पर सीहोर कलेक्टर बाला गुरु ने कहा कि मामले की जांच कराई जा रही है और दोषियों पर जल्द सख्त कार्रवाई की जाएगी

कौन हैं शेहला रशीद, जिन पर चला था देशद्रोह का केस, अब मिली राहत

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी की पूर्व छात्र नेता शेहला रशीद पर साल 2019 में देशद्रोह का केस चलाया गया था, लेकिन अब उन्हें बड़ी राहत मिल गई है। दिल्ली की कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को उनके खिलाफ केस वापस लेने की अनुमति दे दी है। शेहला रशीद पर साल 2019 में जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 को निरस्त कर दिया गया था, इसी समय उन्होंने भारतीय सेना को लेकर ट्वीट किए थे। इसी के बाद उनके ऊपर देशद्रोह का मामला चलाया गया था। पटियाला हाउस कोर्ट के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनुज कुमार ने 27 फरवरी को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल का आवेदन स्वीकार कर लिया है। कोर्ट में अभियोजन पक्ष ने एक आवेदन दाखिल करते हुए बताया कि दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने शेहला के खिलाफ केस चलाने की अपनी मंजूरी वापस ले ली है। आवेदन के मुताबिक एलजी का आदेश एक स्क्रीनिंग कमेटी की सिफारिश पर आया था।

क्या था आरोप?

शेहला रशीद पर आरोप था कि उन्होंने 18 अगस्त 2019 में सोशल मीडिया पर भारतीय सेना के खिलाफ पोस्ट किए। 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद राज्य में लॉकडाउन लगा दिया गया था, इसी दौरान उन्होंने भारतीय सेना पर जम्मू और कश्मीर में स्थानीय लोगों के घरों में कथित तौर पर घुसने का आरोप लगाया था। भारतीय सेना ने उनके इस दावे को निराधार कह कर खारिज कर दिया था।

कौन हैं शेहला रशीद?

शेहला रशीद एक सोशल एक्टिविस्ट हैं। उनका जन्म जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हुआ। उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, श्रीनगर से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने एचसीएल में सोफ्टवेयर इंजीनियरिंग की। समय-समय पर शेहला महिलाओं और कश्मीरियों के लिए आवाज उठाती रही हैं। एम.ए करने के लिए उन्होंने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी का रुख किया था। जेएनयू से उन्होंने सोशियोलॉजी में एम.ए किया, फिर एमफिल किया और उसी के बाद पी.एच.डी भी की। शेहला कश्मीर में लोगों के हक के लिए आवाज उठाती रही हैं। साल 2010 में उन्होंने कश्मीर का यूथ लीडरशिप प्रोग्राम शुरू किया था। सितंबर 2015 में उन्होंने वामपंथ समर्थित ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के उम्मीदवार के रूप में जेएनयू छात्र संघ के उपाध्यक्ष के लिए चुनाव लड़ा और एबीवीपी की उम्मीदवार वेलेंटीना ब्रह्मा को 200 से अधिक वोटों से हराकर जीत हासिल की। शेहला जेएनयू में छात्र संघ चुनाव जीतने वाली पहली कश्मीरी महिला थीं। साथ ही वो जेएनयूएसयू की लीडर भी रही हैं। शेहला रशीद ने राजनीति में भी किस्मत आई। उन्होंने पूर्व आईएएस अधिकारी शाह फैसल की पार्टी जम्मू एंड कश्मीर पीपल्स मूवमेंट (जेकेपीएम) में शामिल हो कर सियासी पारी की शुरुआत की थी। हालांकि, अब उन्होंने इससे इस्तीफा दे दिया है।

रील बनाने के लिए युवती ने कर डाली ऐसी हरकत, पुलिस हुई सक्रिय तो बाद में मांगनी पड़ी माफी

शिवपुरी, 2 मार्च (एजेंसियां)। शिवपुरी जिले में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक युवती ने रील बनाते समय ऐसा कमेंट कर दिया कि पुलिस को परेशान होना पड़ा और पुलिस को बयान जारी करना पड़ा। इस युवती ने रील बनाते हुए कमेंट कर दिया कि 'घमंड तो मौ को एक ही बात को है, लड़की खरीदती और बेचती हूं, वो भी बदरवास से'। मानव तस्करी को लेकर किए गए इस कमेंट के बाद पुलिस एक्टिव हुई और संबंधित युवती का पता लगाया गया। बाद में युवती ने पुलिस जांच के दौरान बताया है कि उसने अपनी रील पर लाइक और कमेंट बढ़ाने के लिए इस तरह की बात कह दी। सोशल मीडिया पर एक युवती की रील सामने आने से पुलिस महकमे से लेकर शिवपुरी के बदरवास क्षेत्र में हड़कंप का माहौल है। इस रील की जब पुलिस ने पड़ताल की तो बदरवास का कोई लेना देना अभी फिलहाल नजर नहीं आया है। पुलिस पड़ताल में पता चला है कि रील बनाने वाली युवती अशोकनगर जिले के नई सराय थाना क्षेत्र के ग्राम छोलाई बबूरिया की रहने वाली है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि युवती का नाम रचना दोहरे बताया जा रहा है। रील सामने आने के बाद बदरवास टीआई विकास यादव ने जब रील बनाने वाली युवती से बात की तो उसने बताया कि मेरा ऐसा कोई काम नहीं है, मुझे रील बनाने की आदत है और अपनी पोस्ट पर लाइक व कमेंट से लेकर प्रसिद्धि पाने के लिए ऐसा बोल दिया। वहीं रील सामने आने के बाद बदरवास से लेकर शिवपुरी जिले के लोग इस युवती पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, क्योंकि युवती ने बिना कोई आधार के ही शिवपुरी जिले के बदरवास का नाम युवतियों की खरीद-फरोख्त से जोड़कर बदनाम कर दिया है।

'अधिकारियों के जरिए चल रही दिल्ली सरकार' देवेंद्र यादव का बीजेपी पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार दिल्ली सरकार को सीधे अपने इशारों पर चला रही है। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग, दिल्ली सरकार ने 25 फरवरी 2025 को एक आदेश जारी कर 1 करोड़ से अधिक के सभी विभागीय खर्चों को वित्त विभाग से अनुमोदित कराने की अनिवार्यता लागू कर दी है, जो कि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। देवेंद्र यादव ने वित्त विभाग द्वारा जारी 7 अगस्त 2019 के ऑफिस मेमोरंडम का हवाला देते हुए बताया कि पहले 50 करोड़ से अधिक की योजनाओं के लिए वित्त विभाग की अनुमति और 100 करोड़ से अधिक की योजनाओं के लिए ईएफसी की स्वीकृति आवश्यक थी। जबकि अब एक साधारण अधिकारी के आदेश से इस फैसले को बदल दिया गया, जो दर्शाता है कि केंद्र सरकार अधिकारियों के माध्यम से दिल्ली सरकार को नियंत्रित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने न केवल संवैधानिक पद पर बैठे उपराज्यपाल की शक्तियों की अनदेखी की, बल्कि वित्तीय संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करने की साजिश भी रच रही है। कांग्रेस इस अलोकतांत्रिक निर्णय का कड़ा विरोध करेगी। कांग्रेस नेता ने बीजेपी को उसके वादों पर घेरते हुए कहा कि दिल्ली की बीजेपी सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में महिलाओं को 2,500 रुपये देने का वादा किया था, जबकि केजरीवाल सरकार ने 1000 रुपये देने की घोषणा की थी। हालांकि, दोनों सरकारें अपने वादे पूरे करने में विफल रहीं। अब सरकार वित्तीय खर्च में कटौती के नाम पर नए आदेश लागू कर रही है, जिससे साफ है कि इनका असली मकसद ठेकेदारों से उगाही करना है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की जनता का हक है कि उनकी चुनी हुई सरकार स्वतंत्र रूप से काम करे, लेकिन केंद्र सरकार ने केजरीवाल की तरह अब एक महिला मुख्यमंत्री को कठपुतली बनाकर दिल्ली सरकार को अपने नियंत्रण में ले लिया है।

उन्होंने कहा कि वित्तीय शक्ति का विकेंद्रीकरण जरूरी है, ताकि शासन पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बन सके। अगर केंद्र सरकार इसी तरह हस्तक्षेप करती रही, तो दिल्ली की जनता को सीधा नुकसान होगा। कांग्रेस इस मुद्दे को हर स्तर पर उठाएगी और दिल्ली के हितों की रक्षा के लिए लड़ाई जारी रखेगी।

'प्रतिभा सिंह ही रहेंगी हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष', कार्यकारिणी 15 दिन में होगी गठित

प्रतिभा सिंह और रजनी पाटिल

शिमला, 2 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल में कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का गठन आगामी 15 दिन में कर दिया जाएगा। वहीं, प्रतिभा सिंह अध्यक्ष पद पर बनी रहेंगी। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष को हटाने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय शिमला में प्रेस वार्ता करते हुए पार्टी की प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल ने कहा कि नई कार्यकारिणी में एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत लागू होगा। सरकार में नियुक्त नेता संगठन में शामिल नहीं होंगे। नई कार्यकारिणी में सभी वर्गों से पदाधिकारी होंगे। रजनी ने कहा कि पार्टी हाईकमान ने उन्हें नई कार्यकारिणी के गठन का जिम्मा सौंपा है। पाटिल ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस मजबूत है। साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में फिर कांग्रेस ही सरकार बनाएगी। हिमाचल में पांच साल के बाद सरकार बदलने की रीत समाप्त होगी।

सरकार और संगठन में बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए मैं पुल का काम करुंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का स्पष्ट मत है कि पार्टी में एक व्यक्ति को एक ही पद दिया जाए। इससे अन्य सक्रिय कार्यकर्ताओं को भी मौका मिलता है। रजनी ने बोर्डों, निगमों और महिला आयोग में जल्द नियुक्तियां होने के संकेत भी दिए। मुख्यमंत्री से चर्चा करने के बाद जल्द नियुक्तियां की जाएंगी। प्रदेश प्रभारी रजनी ने कहा कि दिल्ली में हल्ला मचाया जाता है कि हिमाचल में हालात खराब हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने दो दिन तक सभी नेताओं से चर्चा की है। सरकार का काम अच्छे तरीके से हो रहा है।

घर-गहने-फैक्ट्री सब रखे गिरवी, 19 करोड़ की उधारी!

कोलकाता में पूरे परिवार ने क्यों किया सुसाइड, सामने आई बड़ी वजह?

कोलकाता, 2 मार्च (एजेंसियां)। पिछले दो हफ्तों से पूरे देशभर में सुर्खियां बटोर रहे 'कोलकाता डे फैमिली सुसाइड केस' में पुलिस ने उस कारण का पता लगा लिया है, जिसके चलते परिवार ने सामूहिक आत्महत्या की योजना बनाई थी। पुलिस ने डे फैमिली के जिंदा बचे सदस्यों के बयानों और छानबीन से पता लगाया कि आर्थिक तंगी के कारण परिवार ने यह कदम उठाने का फैसला लिया। पुलिस ने अपनी जांच में पाया कि डे ब्रदर्स ने 6 अलग-अलग बैंकों और वित्तीय संस्थानों से 15 करोड़ का लोन ले रखा था। इसके अलावा उन्होंने कुछ लोगों से 4 करोड़ भी उधार लिए थे। उन्होंने अपना टंगरा हाउस और फैक्ट्री को गिरवी रखा हुआ था। बोलपुर में उनकी एक संपत्ति थी, उसे भी वे बेचने की कोशिश कर रहे थे। घर में जो गहने थे, उन्हें भी 19 लाख रुपए जुटाने के लिए गिरवी रख दिया गया था। मजदूरों को सैलरी देने के लिए गहने गिरवी रखे गए थे। एक अन्य संपत्ति भी थी, वह भी गिरवी रखे हुए थी। पुलिस ने पाया कि डे ब्रदर्स ने पिछले साल कोलकाता नगर निगम (केएमसी) से अपना ट्रेड लाइसेंस भी वापस ले लिया था और बोलपुर में अपना सिल्क एक्सपोर्ट बिजनेस भी बंद कर दिया था। जांच में सामने आया कि डे फैमिली के लिए बुरे दिन काफी पहले से ही शुरू हो गए थे लेकिन दिसंबर 2023 से वित्तीय संकट तेज हो गया। पूरे यूरोप में एक्सपोर्ट में गिरावट और उनके कुछ पुराने वेंडर्स और पार्टनर्स के बाहर होने के कारण यह स्थिति बनी। हालांकि लगातार घाटे के बावजूद, डे फैमिली ने अपने खर्चों में कटौती नहीं की थी।

क्या है पूरा मामला?

प्रणय डे टांगरा के अटल सुर लेन में अपनी पत्नी सुदेशना और बेटे प्रतीप डे के साथ रहते थे। इसी घर में उनके छोटे भाई प्रसून कुमार डे भी पत्नी रोमी और बेटी प्रियंवदा के साथ रहते थे। आर्थिक तंगी के कारण प्रणय डे ने 10 फरवरी को सबसे पहली बार पूरे परिवार का सामूहिक सुसाइड प्लान बनाया। उसने अपने छोटे भाई प्रसून को यह बात बताई। दोनों भाईयों ने अपनी पत्नियों से भी यह फैसला साझा किया। 17 फरवरी की शाम को खीर में ब्लड प्रेशर और नींद की दवाइयां मिलाई गईं। अगले दिन इसके ओवरडोज से प्रसून की बेटी प्रियंवदा की तो मौत हो गई लेकिन बाकी जिंदा थे। 18 फरवरी को चारों वयस्कों ने अपनी कलाई काटकर मरने का फैसला किया। घर की महिलाएं ऐसा नहीं कर सकी, इसलिए प्रसून डे ने पहले अपनी पत्नी रोमी और बाद में भाभी सुदेशना की कलाई काटी। इसके बाद वह भतीजे प्रतीप को मारने के लिए बढ़ा लेकिन बड़े भाई ने प्लान बदला और कार से एक्सीडेंट के जरिए सुसाइड करने की बात कही। तीनों लोग रात में कार से निकले और रात को ईएम बाईपास पर कार का एक्सीडेंट करा दिया। हालांकि इस हादसे में तीनों लोग बच गए। फिलहाल इन तीनों का इलाज चल रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 3 मार्च - 2025

भारतीयों का अमेरिका से निर्वासन विवाद

रघु ठाकुर

20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ लेने के बाद अमेरिका से अवैध घुसपैठियों को निकाले जाने की खबरें भारत और दुनिया में प्रमुखता से छप रही हैं। यह स्वाभाविक है कि श्री डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध प्रवासियों को निकालने की अपनी नीति का शुरू से ही खुला ऐलान किया और इसे कभी भी छिपाया नहीं है। यह उनकी वैचारिक ईमानदारी भी है कि उन्होंने कुछ मतों के नुकसान की चिंता न करते हुये चुनाव अभियान के बीच अपनी बात को साहसपूर्वक कहा है। यद्यपि अमेरिका से भारत और अन्य देशों से अवैधानिक प्रवासियों को निकालने के कार्य उनके पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान भी होते रहे हैं। जो बाइडेन के 4 वर्षीय कार्यकाल के दौरान भी लगभग 16 हजार भारतीय अमेरिका से वापिस भारत भेजे गये थे। परंतु इसकी चर्चा देश व दुनिया के मीडिया में कम हुई। क्योंकि एक तो जो बाइडेन ने इसे अपना नीतिगत मुद्दा नहीं बनाया और न ही कभी ऐसे सार्वजनिक बयान दिये है, वह बगैर बोले निकालते रहे। दूसरा इसलिये भी कि भारत के प्रतिपक्ष के नेताओं का विरोध नीतियों से कम व्यक्ति से ज्यादा होता है। हर बात को वे व्यक्ति के साथ जोड़कर देखते हैं, उनका विरोध न नीतिगत होता है और न निष्पक्ष। और न ही राष्ट्रीय और नैतिक आधार पर होता। चूंकि वे भारत में श्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका में ट्रंप के व्यक्तिगत खिलाफ है अतरू उनका लक्ष्य केवल व्यक्ति होता है। भारत में वैश्वीकरण की औपचारिक शुरुआत केंद्र में कांग्रेस के ही कार्यकाल में ही हुई थी। परंतु उसके मूल अपराधी स्वरू नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह थे और उसी वैश्वीकरण की नीति को आगे बढ़ाने वाले स्वरू अटल बिहारी वाजपेयी उनके लिये श्रद्धा के पात्र हैं, परंतु उसी नीति को आगे ले जाने वाले श्री नरेन्द्र मोदी उनकी नजरों में आर्थिक अपराधों हालांकि उनकी भेदभावपूर्ण प्रतिक्रिया से शायद इसलिये देश प्रभावित नहीं होता। अब दुनिया में आबादी इतनी बढ़ चुकी है कि कोई भी देश अपने देश में बाहर की आबादी को रहने-सहने को तैयार नहीं है। केंद्र सरकार और उनकी पार्टी तो बांग्लादेशी रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ को कई दशकों से राजनैतिक मुद्दा बनाये है, हालाँकि वह इन मुद्दों पर वोट तो लेती है, पर करती कुछ नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद जब अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किये गये भारतीयों को निकाला जाना शुरू हुआ तो हमारे देश के मीडिया ने और प्रतिपक्षी दलों ने इसे आलोचना का मुद्दा बनाया। संसद में भारी हंगामा हुआ, बहिष्कार हुआ तथा घुसपैठियों को हथकड़ी और जंजीर डालकर अमेरिकी विमान से भारत में पंजाब प्रांत में लाकर अमेरिकी सेना अधिकारियों द्वारा छोड़ने की इस आधार पर आलोचना हुई कि यह राष्ट्रीय अपमान है। यह बात सही है कि, भारत सरकार को दूरदृष्टि की नीति से पहले ही आवश्यक कदम उठाने थे, तथा बेहतर होता कि भारत के सत्ताधीश पहले ही भारतीय विमान भेजकर भारतीय घुसपैठियों को वापिस ले आते तथा उन्हें भारत में दंडित करते। पर दूसरा भी पक्ष है कि ये अवैध घुसपैठिये अमेरिकी कानून के अनुसार अपराधी हैं, उन्हें देश से निकालने के उनके अमेरिका अपने नियम कायदे हैं। अपने सुरक्षागत नियमों के पालन के आधार पर ही श्री लालद्रष्ण आडवाणी जो पूर्व गृहमंत्री थे और स्वरू जार्ज फर्नांडीज विदेश मंत्री के जूते मौजे उतरवाकर जांच की थी। शायद यह परंपरा पहले भी रही हो। अधिकांश भारतीय जो अमेरिका में घुसपैठ होकर गये हैं, वे कनाडा और मैक्सिको की सीमा से घुसपैठ किये गये हैं। मैक्सिको की सीमा पर जाने के लिये कनाडा बीच का स्टेशन जैसा है। देश में कई ऐसी एजेंसियां सक्रिय हैं जो न केवल फर्जी पासपोर्ट बनाने में संलग्न हैं। कई ट्रेवलिंग एजेंसियां भी हैं जो भारत में लोगों से भारी पैसा लेकर अवैध प्रवासी या मानव तस्करी के प्रति आस्वस्त करती हैं और उन्हें कनाडा, मैक्सिको भेज देती हैं। इनके बारे में देश के सत्ता या प्रतिपक्ष ने कभी कोई शिकायत नहीं की, अब जब अमेरिका से डिपोर्ट होकर भारत भेजा गया है तब डिपोर्ट किये लोग इन ट्रेवलिंग एजेंटों के खिलाफ शिकायत दर्ज करा रहे हैं। इन एजेंटों के खिलाफ भारतीय दण्ड संहिता धारा 313 के तहत कार्यवाही होनी चाहिये। जो लोग इन एजेंटों को भारी पैसा देकर पासपोर्ट बनवाकर गये थे इनके खिलाफ भी कार्यवाही होनी चाहिये। ट्रंप ने तो अमेरिका संशोधित आदेश पर हस्ताक्षर कर दिये थे जिसके अनुसार गैर अमेरिकी नागरिकों के अमेरिका में बच्चों को जन्म देने पर उन बच्चों को अमेरिकी नागरिकता नहीं दी जायेगी यह प्रावधान था, हालांकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इसे अभी रोक दिया है, पर यह तय है कि ट्रंप शासन इन घुसपैठियों को चाहे वे भारत के हों या बाहरी अब अमेरिका से बाहर निकालेगा। अमेरिकी प्रशासन ने यह भी बदलाव किया है कि वैध दस्तावेज होने के बावजूद भी अमेरिका में नहीं जा सकेंगे। हालाँकि 26 फरवरी का एक और आदेश श्री ट्रंप ने जारी किया है, जिससे 44 करोड़ रुपये देने वालों को, तत्काल वीजा दिया जायेगा। श्री ट्रंप का कहना है कि अमेरिका योग्य व रोजगार देने वाले को भी नागरिकता देगा। बहरहाल ये विषय भी चर्चा व बहस के हैं। यह प्रवासी अमेरिका के अलावा कनाडा, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन आदि इन 20 देशों में भी नहीं जा सकेंगे जो अमेरिका की वीजा नीति (वीसा नीति) का पालन करते हैं। भारत से अवैध रूप से गये इन प्रवासियों के विरुद्ध भारत में भी पासपोर्ट अधिनियम 1967, आयकर अधिनियम 1967, सीमा शुल्क अधिनियम 1962, एमीग्रेसन अधिनियम 1983 के तहत कार्यवाही हो सकती है, यह अलग बात है कि वोट के लालच में केंद्र और राज्य सरकारें यह कार्रवाई करें, या न करें। अमेरिकी कार्रवाई का असर यूरोप के देशों पर भी हुआ है और यूरोप के देश भी अवैध घुसपैठ के खिलाफ सक्रिय हुये हैं। ब्रिटेन और जर्मनी ने भी बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों को पकड़कर निकालना शुरू किया है और अभी यूरोप के देशों में होने वाले चुनावों में भी अवैध घुसपैठियों को निकालने का मुद्दा एक प्रमुख और निर्णायक मुद्दा बन रहा है। ब्रिटिश गृहमंत्री कूपर ने तो घोषणा कर दी है कि अब हम नियमों का सख्ती से पालन करेंगे। जर्मनी के प्रतिपक्ष के नेता फेडरिच मार्टिन ने तो कहा है कि जर्मनी में 20 लाख से ज्यादा अवैध प्रवासी हैं, उन्हें वह सत्ता में आने पर निकालेंगे। भारत को अब यह मान लेना चाहिये कि जो भारतीय अवैध प्रवासी के रूप में देश के बाहर किसी भी देश में गये हैं वे अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से कानूनी अपराधी हैं। और उन्हें कभी न कभी वापिस आना होगा। भारत को स्वतरू भी अपनी सीमाओं, संस्द्धति और अर्थव्यवस्था को बचाने भारत में आये अवैध घुसपैठियों को निकालना होगा। जो अवैध प्रवासी अमेरिका में गये हैं वे भारतीय और अमेरिकी कानून के हिसाब से अपराधी तो हैं ही बल्कि डंकी रूट से गये हुये ये लोग अमेरिका में बने रहने के लिये जो तर्क दे रहे हैं वे राष्ट्र के सम्मान को गिराने वाले हैं। कुछ आवेदन दे रहे हैं कि वे भाजपा या कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं और इस कारण से भारत में उनकी जान को खतरा है। कुछ कह रहे हैं कि अंतरधर्मी प्रेम शादी के कारण उनकी जान को खतरा है, कुछ लोग अपने परिवार पर भारत में हुये हमले की कहानी गढ़कर अमेरिका में बने रहना चाहते हैं और कुछ लोग भारत के अपने गांव में सामाजिक, धार्मिक दंगों का बहाना बनाकर अमेरिका में शरण चाह रहे हैं, यहां तक कि कुछ लोगों ने तो अमेरिका में रहने के लिये दिये गये आवेदनों में यह भी लिखा है कि कोरोना काल में उनका सब कुछ बर्बाद हो गया है, उन पर भारी कर्ज है, भारत सरकार ने मदद नहीं की वे वापिस जायेंगे तो साहूकार उनकी जान ले लेंगे आदि-आदि। क्या ऐसे लोग अमेरिका में बसने के लिये अपनी मातृभूमि को बदनाम करने को लाचार हैं और किसी दया के पात्र हैं। क्या ये राष्ट्रविरोधी नहीं हैं? ऐसे लोगों की हिमायत करना भी राष्ट्रीय सोच नहीं है। भारत को इन लोगों को देश वापिस लाकर इनके विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई करनी चाहिये। भारत में आये हुये जो घुसपैठिये हैं उन्हें सख्ती के साथ वापिस भेजना चाहिये। यह भारत सरकार और समूची भारतीय राजनीति का राष्ट्रीय दायित्व है और अमेरिका तथा यूरोप में हो रही कार्रवाई भारत के लिये अवसर भी है।

कांग्रेस में शशि थरूर होने के मायने

पिछले महीने की बात है जब केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन सहित अन्य कांग्रेसी नेता साहित्य महोत्सव के बाद कारों और भीड़ के बीच से गुजर रहे थे, तब राज्य के सबसे मुखर कांग्रेसी नेता शशि थरूर आसमान में हेलीकॉप्टर लेकर उड रहे थे। थरूर जैन विश्वविद्यालय के 'फ्यूचर समिट' के लिए कोच्चि जा रहे थे। केरल में जब कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर हो तब भी किसी कांग्रेसी नेता को इस तरह का स्टार ट्रीटमेंट मिलना सवाल तो खडे करता ही है। थरूर का प्रभाव ही ऐसा है। चाहे दर्शक उनकी लंबी-चौड़ी शब्दावली को पूरी तरह से समझ पाएं या नहीं, लेकिन उनकी सुनकर वे झूम उठते हैं। इसी चुंबकीय आकर्षण ने कई विडंबनाओं को जन्म दिया है। 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान, आठ बार के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश, जिन्होंने एक बार थरूर को कांग्रेस में 'अतिथि कलाकार' के रूप में खारिज कर दिया था ने निजी तौर पर उनसे प्रचार करने के अनुरोधों की बौछार कर दी थी। इसी तरह, 2023 में, दिवंगत कांग्रेस सीएम ओमन चांडी के बेटे चांडी ओमन ने उपचुनाव के दौरान असंतुष्ट चर्च गुटों के साथ थरूर की मध्यस्थता की मांग की थी। फिर भी थरूर खुद को राजनीतिक विवादों में घिरा पाते हैं। केरल में उनकी राजनीतिक यात्रा हमेशा से ही जोखिम भरी नहीं रही है। कुछ साल पहले, कई समुदाय-आधारित संगठनों ने उन्हें एक शक्तिशाली पद पर नियुक्त करने में रुचि दिखाई थी। लेकिन तब वे नहीं माने थे। 2023 में, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग द्वारा आयोजित कोझिकोड के एक कार्यक्रम में हमास के खिलाफ उनकी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस के सहयोगी ने सवाल उठाया था। तब से पार्टी ने सावधानीपूर्वक उनसे दूरी बना ली। केरल के स्टार्टअप इकोसिस्टम की प्रशंसा करने वाले उनके हालिया लेख ने सहयोगियों को और भी अलग-थलग कर दिया है। यहां तक कि उनके कट्टर समर्थक भी इसे पढ़कर चौंक गए। हाल ही में एक पॉडकास्ट के बाद, एक अखबार ने बताया कि थरूर ने पार्टी को उनकी सेवाओं की आवश्यकता न होने पर 'लेखन, पढ़ने और बोलने सहित अन्य तरीकों' के विकल्प की बात की। उनकी टिप्पणी ने उनके कई उत्साही समर्थकों को चिंतित कर दिया। फिर भी, केरल के मध्यम वर्ग के बीच उनकी विश्वसनीयता से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर पार्टी 2026 के विधानसभा चुनावों में केरल जीतती है, तो भावी सीएम की चर्चाएं सतीसन और चेन्निथला के इर्द-गिर्द घूमती हैं। संभावित डार्क हॉर्स के बारे में कुछ कानाफूसी राहुल गांधी के शीर्ष सहयोगी केसी वेणुगोपाल की भी होती है। थरूर ने खुद भी अपना मामला आसान नहीं बनाया है। उनके हालिया विवादों से भी अधिक नुकसानदेह यह है कि उन्हें राहुल गांधी के नेतृत्व के प्रति उदासीन माना जाता है। अक्सर वे इस ओर इशारा करते हैं कि पिछले कुछ सालों में गांधी के कितने करीबी सहयोगी उनसे अलग हो गए हैं। वेणुगोपाल ने अध्यक्ष पद के लिए मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ थरूर के चुनाव लड़ने को भी पसंद नहीं किया। इसके बाद भी थरूर सोनिया गांधी की कृपा से कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य बने हुए हैं। यह उपलब्धि केरल से केवल एके एंटनी और केसी वेणुगोपाल को ही हासिल है। फिर भी थरूर खुद अपने राजनीतिक भविष्य पर पुनर्विचार करते दिख रहे हैं, लेकिन रिटायर होने की घोषणा नहीं की है। थरूर भाजपा और सीपीएम में जाने की अटकलों को भी खारिज करते हैं। उनकी नई किताब, 'ए वंडरलैंड ऑफ वर्ड्स', एक शब्दावली विशेषज्ञ के रूप में उनकी प्रतिष्ठा का चतुराई से लाभ उठाती है और भविष्य में और अधिक शब्दों के वादे के साथ समाप्त होती है। शायद इसे ही थरूरवाद कहना चाहिए जो अपरिहार्य और असुविधाजनक एक साथ होने की कला को जानता है।

पंजाब सरकार के नशा मुक्ति के दावे खोखले !

अशोक भाटिया

पहले कांग्रेस 2017 में और फिर आम आदमी पार्टी 2022 में नशा मुक्ति के नाम पर राज्य में सत्तारूढ़ हुई परन्तु दोनों दलों की सरकारों के दावे धरातल पर धरे के धराए रह गए। आप पार्टी के संयोजक केजरीवाल ने कहा था कि पिछली बार 2017 के चुनाव में कांग्रेस के नेताओं ने गुटके की कसम खाई थी कि उनकी सरकार बनेगी तो एक महीने के अंदर नशा खत्म कर देंगे, नशा खत्म हुआ? बल्कि बढ़ गया। हमारा युवा या तो कनाडा चला गया या जो बच गया, वह नशे में डूब गया। आज युवा क्राइसिस में है। पांच साल के बाद अब जब दोबारा चुनाव आए हैं, तो इन्होंने मजीठिया के खिलाफ पर्चा कर दिया। एक पर्चा दाखिल करने में पांच साल लग गए। बब्बर शेर की तरह सिद्धू साहब और चन्नी साहब चिल्ला रहे हैं कि हमने पर्चा कर दिया। क्या एक पर्चा खत्म करने से गांवों में नशा खत्म हो गया, ड्रग्स खत्म हो गया। इनका मकसद नशा दूर करना नहीं है, बल्कि इनका मकसद चुनावों में बस वोट बटोरना है।केजरीवाल ने कहा था हर जिले, हल्के और गांव में नशा बेचने वाले बैठे हैं उनको कौन पकड़ेगा? पूरे पंजाब में इतना नशे का स्टॉक पड़ा है, क्या इन्होंने 1 ग्राम भी सीज किया? एक फर्जी पर्चा करके नौटंकी कर रहे हैं, बब्बर शेर बने फिर रहे हैं कि हमने पर्चा कर दिया पर्चा कर दिया। आम आदमी पार्टी की सरकार आएगी तो 6 महीने मांग रहा हूं आपसे, 6 महीने के अंदर पंजाब से नशा खत्म कर देंगे। हमारे साथ कुंवर विजय प्रताप जैसे ईमानदार और जांबाज पुलिस ऑफिसर है, जिनको करना आता है, हमको करना आता है , हमारी नीयत साफ है। जब कोई रणनीति अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल हो जाती है तो एक दूरदर्शी एवं साहसी राजनीतिक नेतृत्व को निश्चित रुप से नई रणनीतिक दृष्टिकोण का अनुसरण करना चाहिए जिससे खतरों को कम से कम किया जाए और सफलता की संभावनाएं बढ़ाई जाएं। पंजाब में नशीली दवाओं के प्रकोप की खतरनाक स्थिति का मुकाबला करने के लिए वर्तमान रणनीतियों की उल्लेखनीय कमियों को देखते हुए, राज्य के नए राजनीतिक नेतृत्व से वैसी नई रणनीतियों की उम्मीद की जा रही थी जो केवल राजनीतिक तमाशेबाजी और हड़बड़ी में सुधार के उपायों पर निर्भर न हो। बहरहाल, ऐसा भले ही प्रतीत हो रहा हो कि कैप्टन अमरिन्दर सिंह की पंजाब की नई सरकार सारे सही फैसले कर रही हो, पर राज्य में ड्रग्स की समस्या का समाधान ढूंढने की राह में कई बड़ी बाधाएं खड़ी रही । ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे उल्लेखनीय सामाजिक-राजनीतिक चुनौती बन चुकी है जो कई प्रकार से पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है। खासकर, ऐसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में इस समस्या की भयावहता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि इसके खिलाफ एक ऐसी संपूर्ण लड़ाई छेड़ी जाए जिसमें कामयाब होने में अगर कई वर्ष भी लग जाएं तो उसे जारी रखा जाए। नशे की समस्या पिछले कई वर्षों के दौरान और बदतर होती गई है और 2017 के प्रारंभ में पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा था। चुनाव अभियान के दौरान, कांग्रेस पार्टी के तत्कालीन मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार अमरिन्दर सिंह ने सत्ता में आने के चार सप्ताह के भीतर नशे के प्रकोप को खत्म कर देने का वायदा किया था। यह पूरी तरह एक विचित्र वायदा था; इतनी व्यापक एवं गहरी समस्या का एक महीने के भीतर समाधान एक बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल, जैसा कि चुनाव के परिणामों ने प्रदर्शित किया, पंजाब के लोगों ने कैप्टन को इस लड़ाई को लड़ने का दायित्व सौंप किया है। गौरतलब है कि चुनावी वायदे के बाद आज भी पंजाब के गांवों-कस्बों से लेकर बड़े शहरों में नशे का जाल तेजी से फैलता जा रहा है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट-स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है।सरकार नशे को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत ये है कि पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। प्रदेश की मौजूदा सरकार ने भी सत्ता संभालते ही दो साल के अंदर ड्रग्स का खात्मा करने का एलान किया था, लेकिन जो हालात आज से दो साल पहले थे, वह जस के तस बने हुए हैं। यह कहने में हर्ज नहीं कि समय के साथ प्रदेश में ड्रग्स का चलन बढ़ा है। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी, अब बड़े शहरों में भी पुलिस की नाक के नीचे इसका चलन बढ़ता जा रहा है। इस साल एक जनवरी से लेकर 30 जून तक पुलिस ने पूरे पंजाब में ड्रग्स के कुल 4,677 केस दर्ज किए। इन मामलों में पुलिस ने कुल 6,364 आरोपियों की गिरफ्तारी की। इस सबके अलावा पुलिस ने अलग-अलग मामलों में 6 करोड़ 35 लाख 36 हजार 120 रुपये ड्रग मनी भी पकड़ी है। अब लगातार फजीयत होने के बाद पंजाब सरकार ने ने राज्य को नशा मुक्त घोषित करने के लिए तीन महीने की समय सीमा तय की है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इसे ₹ऐतिहासिक क्षण बताया है, क्योंकि राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है और इस बुराई के खिलाफ अभियान शुरू कर रही है।₹श्री मान ने यह भी कहा कि राज्य सरकार मादक पदार्थों से संबंधित मामलों की शीघ्र सुनवाई सुनिश्चित करने तथा दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष अदालतें स्थापित करेगी। श्री मान साहब को यह भी पता होना चाहिए कि तीन माह गुजरने में कितना समय लगता है ? साल 2024 के आंकड़े ही बताते हैं कि राज्य सरकार इस मोर्चे पर कितनी विकराल स्थिति से जूझ रहा था । साल 2024 के अंत के दिनों में पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) सुखचैन सिंह गिल ने यह आंकड़े जारी किए।डॉ। सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि पुलिस ने साल 2024 में 12255 एफआईआर दर्ज की, जिनमें से 1213 वाणिज्यिक मामलों से संबंधित हैं, और 210 बड़े माफियाओं सहित 8935 नशा तस्करों/सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने पूरे राज्य से 1099 किलोग्राम हेरोइन, 991 किलोग्राम अफीम, 414 क्विंटल भुक्की और 2.94 लाख गोलियां/कैप्सूल/टीके/फार्मा ओपिओइड्स की शीशियां बरामद की हैं, साथ ही गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों से 14.73 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की है।

आईजीपी के अनुसार पुलिस ने इस साल बड़े तस्करों की 335 करोड़ रुपये की 531 संपत्तियां भी जब्त की हैं।पुलिस टीमों ने ड्रोन के माध्यम से फेंकी गई 185 किलो हेरोइन, 24 पिस्तौल, एक एके-47 राइफल, एक आईईडी और 4.18 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। उन्होंने बताया कि इस साल के दौरान 513 ड्रोन देखे गए।

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट और उनके संरक्षण की आवश्यकता

योगेश कुमार गोयल

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'वन्यजीव संरक्षण वित्तः लोगों और ग्रह में निवेश' थीम के साथ मनाया जा रहा है। जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं। समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था।

सपा सांसद बर्क ने पुरातत्व विभाग की विश्वसनीयता पर उठाया सवाल

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के जिला संभल की विवादित जामा मस्जिद की रंगाई पुताई की अनुमति हाईकोर्ट से नहीं मिलने पर समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा है कि मस्जिद में रंगाई-पुताई की बात कोई बड़ी चीज नहीं है. मस्जिद या किसी भी दूसरे धार्मिक स्थल पर एक रूटीन के अनुसार रंगाई पुताई होती है. हम कानून और कोर्ट को मानने वाले लोग हैं. हाईकोर्ट द्वारा जो कमेटी बनाई गई थी, अगर उसमें हाईकोर्ट ने अपना प्रतिनिधि भेजा होता तो रिपोर्ट इस तरह आने के बजाय सही आती. सभी लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि एएसआई किसके कहने पर करती है काम?गौरतलब हो कि संभल जामा-मस्जिद की रंगाई-पुताई को लेकर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी. लेकिन हाईकोर्ट ने मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट को संज्ञान में लेते हुए रंगाई-पुताई की अनुमति नहीं दी. हालांकि कोर्ट ने साफ-सफाई की अनुमति जरूर दी है. खैर सांसद महोदय का गुस्सा अपनी जगह है,लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। अयोध्या में भी यही होता था। रामलला टाट में रहते थे और उनका फटा टाट बदलने तक से सुप्रीम कोर्ट तक से अनुमति की जरूरत पड़ जाती थी। टाट ही नहीं कपड़े,प्रसाद भोग लगाने तक के लिये कोर्ट कहचरी के चक्कर लगाना पड़ते थे। बता दें यूपी सरकार द्वारा संभल की जामा मस्जिद को लेकर दिए गए हलफनामे में मस्जिद सरकारी जमीन पर बने होने का दावा किया है. बर्क ने सरकार के हलफनामे पर भी सवाल उठाया है. उन्होंने कहा कि ये बेवकूफी की बात है. हमारे धर्म में साफ कहा गया है कि जमीन को खरीद कर ही मस्जिद बनाई जा सकती है. सरकार के पास इसके कोई सबूत नहीं हैं. लेकिन इस तरह की बात कह कर लोगों को गुमराह करना ठीक नहीं है. जामा मस्जिद अपनी जगह पर बिल्कुल ठीक है. ज्ञातव्य हो कि पिछले साल नवंबर में संभल की शाही जामा मस्जिद में सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क गई थी. इस मामले में दर्जनों लोगों की गिरफ्तारी हुई थी. हालांकि, अभी भी कई लोग फरार हैं. पुलिस लंबे समय से उनकी तलाश में जुटी है. बीते दिनों पुलिस ने फरार उपद्रवियों की फोटो सार्वजनिक जगहों पर चस्पा करते हुए, लोगों से उनके बारे में जानकारी मांगी थी. अभी तक संभल हिंसा में शामिल 76 आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है. अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ऐसे उपद्रवियों की पहचान में जुटी हुई है जो कि 24 नवंबर 2024 की हिंसा में शामिल थे. हिंसा की जांच के लिए गठित एसआईटी टीम के द्वारा संभल शहर के कई इलाकों में उपद्रवियों के पोस्टर फोटो के साथ चस्पा किए गए हैं. सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए पोस्टर में साफ तौर पर लिखा गया है कि 24 नवंबर 2024 की हिंसा में यह व्यक्ति शामिल था जिसकी पहचान नहीं हो पाई है. इनका नाम और पता बताने वाले को इनाम दिया जाएगा. जिस किसी व्यक्ति को इसके बारे में जानकारी मिले तो वह संभल पुलिस के नंबरों पर सूचित करें. दरअसल, संभल की जामा मस्जिद को लेकर हिन्दू और मुस्लिम पक्ष के बीच विवाद चल है।

बटन का जादू

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक वैज्ञानिक था। वह हमेशा सोचता था कि दुनिया में हर समस्या की जड़ आलस्य है। उसने देखा कि लोग अपने आराम के लिए इतने दीवाने हो गए हैं कि उन्हें चलते-फिरते भी आलस आता है। वह वैज्ञानिक चिंतन में डूबा रहता और रातों को जागकर इस बात पर शोध करता कि कैसे आदमी को उसकी जगह से हिलाए बिना भी सारे काम करवाए जा सकते हैं। आखिरकार एक दिन, उसने यह तय कर लिया कि वह ऐसा आविष्कार करेगा जिससे आदमी अपनी कुर्सी पर बैठा-बैठा पूरी दुनिया को चला सके। वह अपने शोध में लग गया। महीनों और वर्षों की मेहनत के बाद उसने एक अविष्कार किया। उसने एक छोटा-सा बटन बनाया। यह बटन ऐसा था कि जिसे दबाते ही हर काम हो सकता था। खाना बनाना, घर साफ करना, पत्र भेजना, यहाँ तक कि गली में कुत्ते को भगाना भी। बटन बनाते समय वैज्ञानिक को यह ख्याल आया कि लोग इसे आलस का प्रतीक मान सकते हैं, लेकिन उसने सोचा कि दुनिया का सबसे बड़ा दर्शन यही है – काम कम, आराम ज्यादा। अब वैज्ञानिक ने सोचा कि इस बटन का सबसे पहले इस्तेमाल किस पर किया जाए। उसने बटन का पहला प्रयोग अपने पड़ोसी पर किया। पड़ोसी सुबह-सुबह लाउडस्पीकर पर भजन सुनाने का शौकीन था। वैज्ञानिक ने बटन दबाया, और तुरंत पड़ोसी के स्पीकर से आवाज बंद हो गई। वैज्ञानिक खुश हो गया। उसने सोचा कि यह बटन मानव जाति की सबसे बड़ी समस्या – पड़ोसी – का समाधान है। लेकिन जैसा हर आविष्कार के साथ होता है, बटन का प्रयोग भी धीरे-धीरे बढ़ता गया। लोग इसे खरीदने के लिए दौड़ पड़े। बाजार में बटन के नए-नए मॉडल आने लगे। सिंगल बटन, डबल बटन, और डीलक्स बटन तक। एक विशेष बटन तो ऐसा था जिससे आप अपने बॉस को घर बैठे डांट सकते थे। लोगों ने इसे क्रांति का बटन नाम दिया। बटन के कारण समाज में बड़ी क्रांति हुई। अब लोगों को उठने की जरूरत नहीं रह गई। वे कुर्सी पर बैठे-बैठे काम करने लगे। सब कुछ बटन के इशारे पर चलने लगा। यहाँ तक कि स्कूलों में बच्चे बटन के जरिए होमवर्क करने लगे। एक बच्चा परीक्षा में नकल करते हुए पकड़ा गया। जब शिक्षक ने पूछा कि तुमने कैसे किया, तो बच्चे ने कहा, यह तो बटन का कमाल है, गुरुजी। मैं क्या करूँ? एक दिन वैज्ञानिक ने देखा कि उसके ही घर के लोग बटन का दुरुपयोग करने लगे हैं।

पूर्णमद पूर्णमिन्द पूर्णिया पूर्णमुदच्यते।

धर्म-दर्शन-ज्योतिष-अध्यात्म

पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।

सोमवार, 3 मार्च -2025 7

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

इस मूलांक वालों को नहीं रहती कभी धन की कमी

मां लक्ष्मी का रहता सदा इनपर हाथ; पर इस मामले में होते हैं कच्चे

हर इंसान का कोई न कोई मूलांक जरूर होता है। यह मूलांक उसके स्वाभाव के बारे में विस्तार से बता देता है। ऐसे में आइए आज हम एक मूलांक के जातकों के बारे में जानने की कोशिश करेंगे।

मूलांक अंक ज्योतिष में 1 से लेकर 9 तक के मूलांक होते हैं, जो व्यक्ति की जन्म की तारीख पर निर्धारित होता है। हर मूलांक का एक स्वामी होता है और मूलांक के स्वामी के मुताबिक ही हर मूलांक का अपना अलग स्वभाव होता है। मूलांक से न केवल व्यक्ति के भाग्य बल्कि भूत और भविष्य के बारे में भी जाना जा सकता है। ऐसे में आज 1 मूलांक के बारे में जानेंगे कि इन मूलांक के जातकों को स्वाभाव और भविष्य कैसा होता है...

कैसे तय होता है मूलांक?

पहले तो बता दें कि मूलांक कैसे निर्धारित होता है ताकि आप भी अपने मूलांक के बारे में जान सकें। मूलांक का पता लगाना के लिए व्यक्ति की जन्मतिथि की संख्याओं को आपस में जोड़ते और फिर जो संख्या प्राप्त होती है उसे व्यक्ति का मूलांक मानी जाती है। उदाहरण के तौर पर अगर आपका जन्म किसी भी माह की 11 तारीख में हुआ है तो आपका मूलांक 2 होगा, जैसे 1+1=2

कैसा होता इनका स्वभाव?

ऐसे में हम आइए जानते हैं मूलांक 1 के जातक के स्वभाव के बारे में। अगर किसी व्यक्ति का जन्म 01,10, 19 या फिर 28 तारीख में हुआ है तो उसका मूलांक 1 होगा। मूलांक 1 वालों का स्वामी सूर्य होता है। सूर्य को जीवन शक्ति का प्रतीक माना गया है, ऐसे में मूलांक 1 वाले जातकों में नेतृत्व करने की क्षमता होती है। जातक बेहद ईमानदार और दृढ़ निश्चय स्वभाव का होता है, साथ ही इनमें कुछ हठी और अंहकार भी होता है। इसका कारण भी है क्योंकि इन मूलांक वाले अति महत्वाकांक्षी, आकर्षक, सुंदर त्वरित और सही काम करने में माहिर होते हैं।

मूलांक 1 वाले जातक किसी के अधीन काम करना पसंद नहीं करते, ये निडर और साहसी होते हैं। इनके जीवन में कितनी भी परेशानी क्यों न आ जाए ये हंसते-हंसते उसे झेल लेते हैं। ये थोड़े स्वार्थी भी होते हैं बिना किसी स्वार्थ के ये कोई भी काम करना पसंद नहीं करते। पढ़ाई के क्षेत्र में भी ये माहिर होते हैं।

धन की नहीं होती कमी

अगर आर्थिक स्थिति के बारे में बात करें तो इनको कभी भी धन की कमी नहीं होती। अगर इन्हें कभी धन की जरूरत पड़ती तो इनके पास कहीं न कहीं उसका जुगाड़ हो ही जाता है। इन पर सदा मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। ऐसे में इन जातकों को जुए और सट्टेबाजी से दूर रहना चाहिए।

इस मामले होते हैं कच्चे

प्रेम संबंध में ये बाहर से कठोर दिखने की कोशिश करते हैं लेकिन अंदर से मोम की तरह होते हैं पल में ही पिघल जाते हैं। ये अपने साथ के प्रति काफी धैर्यवान और वफादार रहते हैं और यही अपने पार्टनर से चाहते हैं, ये जातक अपने संतान को अपना प्यार तो करते हैं पर दिखा नहीं पाते, जिस कारण इन्हें संतान का सुख नहीं मिल पाता।

इस तरह की राहु रेखा चमकाती है करियर जानें हथेली में कहां बनती है

राहु को ज्योतिष में छाया ग्रह कहा जाता है और इसे क्रूर ग्रहों की श्रेणी में रखा गया है। हालांकि जब ये किसी पर अपनी कृपा बरसता है तो छप्पर फाड़कर व्यक्ति को धन-दौलत मिलती है। कुंडली के साथ ही आपकी हथेली में भी राहु का स्थान होता है। अपनी हथेली में राहु की रेखाओं को देखकर आप भी जान सकते हैं, कि राहु की कृपा आप पर बरसेगी या नहीं। आइए ऐसे में जान लेते हैं कि राहु रेखा हथेली में कहां होती है, और इसके होने से कैसे परिणाम आपको प्राप्त हो सकते हैं।

हथेली में कहां बनती है राहु रेखा?

हाथ में राहु रेखा मंगल क्षेत्र से निकलती है। भाग्य रेखा को काटते हुए ये रेखा मस्तिष्क रेखा को छूती है, कई बार यह रेखा मस्तिष्क रेखा को काटते हुए हृदय रेखा तक भी पहुंच सकती है। राहु रेखा एक भी हो सकती है और एक से ज्यादा होने की भी संभावना रहती है। आइए अब जानते हैं कि राहु रेखा देखकर आप अपने करियर, कारोबार, स्वास्थ्य आदि के बारे में कैसे जान सकते हैं।

साफ राहु रेखा

हाथ में अगर राहु रेखा साफ-सुथरी हो और अन्य रेखाएं इसे काट न रही हों तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। जिन भी लोगों के हाथ में ऐसी राहु रेखा होती है उन्हें सामाजिक स्तर पर सम्मान की प्राप्ति होती है। करियर के क्षेत्र में ऐसे लोग ऊंचाइयों को छूते हैं। विदेशी कारोबार में भी ये अच्छा मुनाफा कमाते हैं।

एक ही स्थान पर कई राहु रेखाएं

अगर किसी व्यक्ति के हाथ में एक से ज्यादा राहु रेखाएं हों और इनकी एक दूसरे से दूरी भी बहुत कम हो तो हस्तरेखा शास्त्र में इसे बेहद शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि व्यक्ति को सरकारी क्षेत्र में शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। ऐसे लोग सत्ता का लाभ भी उठा सकते हैं। राजनीति के क्षेत्र में इन्हें अच्छे परिणाम मिलते हैं।

राहु रेखा का अधिक मोटा होना

अगर किसी व्यक्ति के हाथ में राहु रेखा बेहद मोटी या गहरी है, तो इसे अच्छा संकेत नहीं माना जाता। इसका अर्थ होता है कि व्यक्ति को जीवन में संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। आपके करियर में भी परेशानियां आ सकती हैं और पर्सनल लाइफ को लेकर भी कुछ न कुछ चुनौती बनी रहती है।

होलाष्टक में कदापि न खरीदें ये चीजें, जीवन में बढ़ जाएगी परेशानी

हिंदू धर्म में होलाष्टक की अवधि के दौरान शुभ कार्य करने की मनाही होती है। होलाष्टक अवधि कुल 8 दिनों की होती है। हिंदू पंचांग की मानें तो होलाष्टक की शुरुआत फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से हो जाती है। वहीं, समापना होलिका दहन के साथ होता है। इस अवधि के दौरान किसी भी व्यक्ति को गृह प्रवेश, विवाह, मुंडर संस्कार जैसे शुभ कामों को नहीं करना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि होलाष्टक के दौरान शुभ फलों का फल प्राप्त नहीं होता है।

ऐसे में होलाष्टक की अवधि के दौरान शुभ काम नहीं करने चाहिए, अगर कोई जातक शुभ कामों को इस दौरान करता है तो उसके जीवन में कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं। होलाष्टक की अवधि में शुभ काम न करने के साथ ही नई चीजों की खरीदारी भी नहीं करनी चाहिए। माना जाता है कि इस दौरान इन चीजों के खरीद से जातक की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

कब लगेगा होलाष्टक?

वैदिक पंचांग की मानें तो इस फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 7 मार्च से शुरू हो रही है, यानी कि होलाष्टक 7 मार्च के आरंभ हो जाएगा और समापन 13 मार्च यानी होलिका दहन के दिन होगा। इसके बाद होली मनाई जाएगी।

होलाष्टक में क्या न खरीदें?

होलाष्टक के दौरान नए कपड़े, नई गाड़ी, घरेलु उपयोग में आने वाली चीजें, सोना और चांदी भी नहीं खरीदनी चाहिए।

इस अवधि के दौरान मकान न खरीदें और न ही बनवाएं।

होलाष्टक में यज्ञ, हवन, या अन्य धार्मिक अनुष्ठान न करवाएं, सिर्फ पूजा और भजन कर सकते हैं।

इस अवधि के दौरान किसी भी हाल में नया निवेश और लेनदेन न करें, इससे जीवन में आर्थिक परेशानी आ सकती है।

होलाष्टक के दौरान बाजार से कोई भी नया सामान न खरीदकर घर लाएं, खाने वाली चीजों को छोड़कर।

राष्ट्रीय चरित्र निर्माण में अणुव्रत का योगदान

मानव को मानव बनाने की दिनचर्या

निर्मला बैद

बीसवी सदी आणी पूरी होने को थी। उस समय भारत सदियों की राजनैतिक दासता से मुक्त हुआ। देश की जनता प्रसन्न हुई। पर स्वतंत्रता आंदोलन के समय उसमें देश प्रेम की जो जीवंत लहर आयी थी, वह नीचे दबने लगी। स्वार्थी की पूर्ति की आकांक्षा और सुविधाभोगी मानसिकता बढ़ी। पर राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की बात दिमाग से निकलती गयी। उस समय आनागश्री तुलसी ने अगत आंदोलन का प्रवर्तन किया। अंधकार में प्रकाश की एक नयी किरण का आविर्भाव हुआ।

अणुव्रत का अर्थ है-चरित्र निर्माण और चरित्र निर्माण का अर्थ हे अणुव्रत। ये दोनों शब्द एक दूसरे के पूरक हैं। देश में विविध जातियां है, विविध मजहब है, विविध संप्रदाय है- उनमें नैतिकता और चरित्र के प्रति ध्यान कम दिया जा रहा है। इसलिए अणुव्रत एक असांप्रदायिक धर्म के रूप में सामने उभर कर आ रहा है। अणुव्रत धर्म है-—कोई संप्रदाय नहीं। अमुव्रत आचरणप्रधान हे उपासनाप्रधान नहीं। मनुष्य मात्र को संयम, सादगी, नैतिकता और मानवता की और बढ़ने की प्रेरणा। जाति, धर्म, रंग और लिंग, वर्ण, भाषा, प्रांत आदि सभी भेद भावों से ऊपर एक व्यापक दृष्टिकोण। भ्रष्टाचार के तीखे तीरों से बचाने वाले सुरक्षा कवच । 2 मार्च, 1949 सरदारशहर में अणुव्रत की आवाज उठी। आज वह इस छोर से उस छोर तक प्रतिध्वनित होती हुई देश की सीमाओं को पार कर विश्व मानव का ध्यान खींचने में सफल हो रही है। भिन्न-भिन्न संप्रदायों में आस्था रखने वाले व्यक्ति अपनी-अपनी आस्था के अनुसार उपासना करते हैं। अणुव्रत नाग नहीं है। यह दारों से जा । पवित्र हो और समस्या पैदा है। उसके द्वारा मनुष्य के हो सकता है। यही अरे व्यक्ति, समाज व्यक्ति से, उसका अंत राष्ट्र पर हो, सागर का मानस,जागृति करके राह हो।

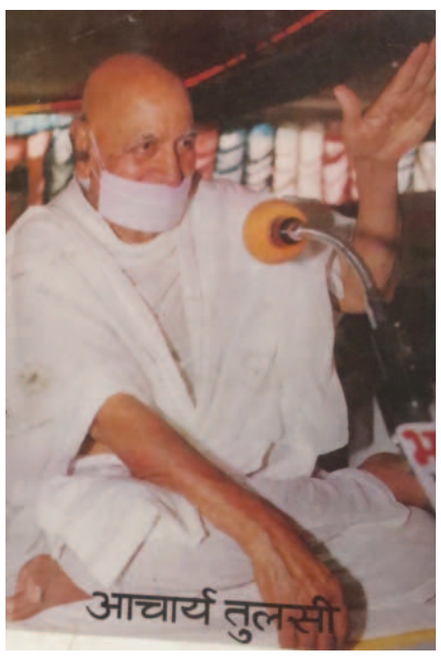

में रहने वाले व्यक्ति राजस्थ है में से दीपकालिक भवन से उबारकर जब भी पर आचार से होती है। व्यावहारिक * अन्ना है करणीय का पालन और अकरणीय का वर्तना संस्कृत के मतों ने एक वाक्य में संक्षिप्त किंतु बंदकरणीय अर्थात जिस जैसा सूक्तिमुक्तावली में इस कथन की पुष्टि करते हुए लिखा है य मुल्लंघयेत अर्थात नौचालय का सोमा रखे का उल्लंघन मत करो। आचार कफलित चरित्र जब भूत आधार है

चरित्र नहीं होगा तो ना ख्वः प्रस्फुटित होगी। अत संयम और समता की दिशा में आवेक्षण करने का छोटा सा अभि है। मानव मात्र की नैतिक मूल्यों का बोध और तदनुकूल आचरण की दिशा में आगे बढ़न के लिए यह प्रकाश दीप है। अब अपेक्षा इस बात की है कि अणुव्रत के प्रकाश में अपना अपना पथ खोज कर मनुष्य नैतिकता के मार्ग पर अनवरत आज देश में जैसे अनाव गए हैं, राष्ट्र का नेतृत्व जिस रूप में सामने आया क्षाओं का प्रदर्शन जिस स्तर पर हो रहा है. लोका के आगे एक प्रश्नचिह्न उपस्थित हो गया है। दल बदल की अस्थिर राजनीति किसका हित संपादित कर सकेगी। जनता का या विधायकों का मंत्रियों और विधायकों की तोड़ फोड़ की नोति किस जागरण के प्रकार सरकार को स्थायित्व दे सकेगी। गांधीजी ने सत्य और अहिंसा के जिन आदर्शों पर चलने का आह्वान किया था, क्या आज से आदर्श आंखों से ओझल नहीं हो गये है? आज राष्ट्र के किसी भी अधिकृत और प्रतिष्ठित व्यक्ति के चरित्र हनन की जो पनप रही है क्या वह किसी भी व्यक्ति को अक्षत रहने देगी? चुनाव संबंधी भ्रष्टाचार से शासन पद्धति में जो विकृतियां आयी है, क्या वे कभी समाप्त होगी! देश की उपस्थित किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए व्यक्ति आत्म सुधार की दिशा में गति देनी होगी। इसी सिलसिले में आचार्यश्री तुलसी ने पं. जवाहरलाल नेहरू से बातचीत के दौरान कहा, हम आपके पास कोई मांग लेकर आये हैं। हम कुछ देने आये हैं। राष्ट्र को नैतिक विकास की जरूरत है। हमने इस दिशा में कार्य शुरू किया है। आप उसे देखें, मूल्यांकन करें और उसका उपयोग करें। प्रधानमंत्री ने गंभीरता के साथ इस बात को सुना। इस कार्य में अपना योग देने की बात कही। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का अणुव्रत के साथ भावात्मक संबंध हो गया।

सोमवार व्रतकथा, भगवान शिव पूरी करेंगे सभी इच्छाएं

देवों के देव महादेव बहुत ही भोले माने जाते हैं, इसलिए उनका एक नाम भोलेनाथ भी है। पौराणिक मान्यतानुसार, भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए किसी भी तरह के खास विशेष पूजन की आवश्यकता नहीं होती। क्योंकि कहा जाता है कि वह तो भोले हैं और भक्त की मन से की गई क्षणिक मात्र की भक्ति से ही वह प्रसन्न हो जाते हैं। अगर आप भी शिव की भक्ति और कृपा पाने के लिए सावन के सोमवार का व्रत करते हैं तो इस कथा से भोलेनाथ को प्रसन्न कर सकते हैं।

साहूकार को मिला संतान प्राप्ति का वरदान

एक बार किसी एक नगर में एक साहूकार था। उसके घर में धन की कोई कमी नहीं थी लेकिन कोई संतान न होने के कारण वह बहुत दुखी था। संतान प्राप्ति के लिए वह हर सोमवार को व्रत रखता था और पूरी श्रद्धा के साथ शिव मंदिर जाकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करता था। उसकी भक्ति देखकर एक दिन मां पार्वती प्रसन्न होकर भगवान शिव से साहूकार की मनोकामना पूर्ण करने का निवेदन किया। पार्वती जी के आग्रह पर भगवान शिव ने कहा कि 'हे पार्वती, इस संसार में हर प्राणी को उसके कर्मों का फल मिलता है और जिसके भाग्य में जो हो उसे भोगना ही पड़ता है' लेकिन पार्वती जी ने साहूकार की भक्ति देखकर उसकी मनोकामना पूर्ण करने की इच्छा व्यक्त की। माता पार्वती के आग्रह पर शिवजी ने साहूकार को पुत्र-प्राप्ति का वरदान तो दिया लेकिन उन्होंने बताया कि यह बालक 12 वर्ष तक ही जीवित रहेगा।

साहूकार के पुत्र का कुछ ऐसे हुआ विवाह

माता पार्वती और भगवान शिव की बातचीत को साहूकार सुन रहा था, इसलिए उसे ना तो इस बात की खुशी थी और ना ही दुख। वह पहले की भांति शिवजी की पूजा करता रहा। कुछ समय के बाद साहूकार की पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया। जब वह बालक ग्यारह वर्ष का हुआ तो उसे पढ़ने के लिए काशी भेज दिया गया। साहूकार ने पुत्र के मामा को बुलाकर उसे बहुत सारा धन देते हुए कहा कि तुम इस बालक को काशी विद्या प्राप्ति के लिए ले जाओ। तुम लोग रास्ते में यज्ञ कराते जाना और ब्राह्मणों को भोजन-दक्षिणा देते हुए जाना। दोनों मामा-भांजे इसी तरह यज्ञ कराते और ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा देते काशी नगरी निकल पड़े। इस दौरान रात में एक नगर पड़ा जहां नगर के राजा की कन्या का विवाह था, लेकिन जिस राजकुमार से उसका विवाह होने वाला था वह एक आंख से काना था। राजकुमार के पिता ने अपने पुत्र के काना होने की बात को छुपाने के लिए सोचा क्यों न उसने साहूकार के पुत्र को दूल्हा बनाकर राजकुमारी से विवाह करा दूं। विवाह के बाद इसको धन देकर विदा कर दूंगा और राजकुमारी को अपने नगर ले जाऊंगा। लड़के को दूल्हे के वस्त्र पहनाकर राजकुमारी से विवाह करा दिया गया।

साहूकार के पुत्र के निकले प्राण

साहूकार का पुत्र ईमानदार था। उसे यह बात सही नहीं लगी इसलिए उसने अवसर पाकर राजकुमारी के दुपट्टे पर लिखा कि 'तुम्हारा विवाह तो मेरे साथ हुआ है लेकिन जिस राजकुमार के संग तुम्हें भेजा जाएगा वह एक आंख से काना है। मैं तो काशी पढ़ने जा रहा हूं।' जब राजकुमारी ने चुन्नी पर लिखी बातें पढ़ी तो उसने अपने माता-पिता को यह बात बताई। राजा ने अपनी पुत्री को विदा नहीं किया फिर बारात वापस चली गई। दूसरी ओर साहूकार का लड़का और उसका मामा काशी पहुंचे और वहां जाकर उन्होंने यज्ञ किया। जिस दिन लड़का 12 साल का हुआ उस दिन भी यज्ञ का आयोजन था लड़के ने अपने मामा से कहा कि मेरी तबीयत कुछ ठीक नहीं है। मामा ने कहा कि तुम अंदर जाकर आराम कर लो। शिवजी के वरदानुसार कुछ ही देर में उस बालक के प्राण निकल गए। मृत भांजे को देख उसके मामा ने विलाप करना शुरू किया। संयोगवश उसी समय शिवजी और माता पार्वती उधर से जा रहे थे। पार्वती माता ने भोलेनाथ से कहा- स्वामी, मुझे इसके रोने के स्वर सहन नहीं हो रहा, आप इस व्यक्ति के कष्ट को अवश्य दूर करें।

शिवजी की कृपा से जीवित हो उठा साहूकार का बेटा

जब शिवजी मृत बालक के समीप गए तो वह बोले कि यह उसी साहूकार का पुत्र है, जिसे मैंने 12 वर्ष की आयु का वरदान दिया था, अब इसकी आयु पूरी हो चुकी है लेकिन मातृ भाव से विभोर माता पार्वती ने कहा कि हे महादेव, आप इस बालक को और आयु देने की कृपा करें अन्यथा इसके वियोग में इसके माता-पिता भी तड़प-तड़प कर मर जाएंगे। माता पार्वती के पुनः आग्रह पर भगवान शिव ने उस लड़के को जीवित होने का वरदान दिया। शिवजी की कृपा से वह लड़का जीवित हो गया। शिक्षा पूरी करके लड़का मामा के साथ अपने नगर की ओर वापस चल दिया। दोनों चलते हुए उसी नगर में पहुंचे, जहां उसका विवाह हुआ था। उस नगर में भी उन्होंने यज्ञ का आयोजन किया। उस लड़के के ससुर ने उसे पहचान लिया और महल में ले जाकर उसकी खातिरदारी की और अपनी पुत्री को विदा किया।

सबकी मनोकामनाएं होती हैं पूर्ण

इधर साहूकार और उसकी पत्नी भूखे-प्यासे रहकर बेटे की प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने प्रण कर रखा था कि यदि उन्हें अपने बेटे की मृत्यु का समाचार मिला तो वह भी प्राण त्याग देंगे परंतु अपने बेटे के जीवित होने का समाचार पाकर वह बेहद प्रसन्न हुए। उसी रात भगवान शिव ने साहूकार के स्वप्न में आकर कहा- हे श्रेष्ठी, मैंने तेरे सोमवार के व्रत करने और व्रतकथा सुनने से प्रसन्न होकर तेरे पुत्र को लम्बी आयु प्रदान की है। इसी प्रकार जो कोई सोमवार व्रत करता है या कथा सुनता और पढ़ता है उसके सभी दुख दूर होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

हर दिन को सुखद और आनंददायक बनाने के लिए क्या करें

नववर्ष के आरंभ पर चारों ओर से — मित्र एवं परिवार, सहकर्मी एवं साथी, परिचित एवं सहयोगियों के साथ सम्पूर्ण वर्ष हेतु शुभ संदेशों तथा हृदयस्पर्शी शुभकामनाओं का आदान-प्रदान होता है। यही वह दिन होता है जब प्रत्येक व्यक्ति प्रसन्न रहने, और मतभेदों अथवा सहमतियों के अनपेक्ष उत्सव मनाने एवं एकजुट होने का निश्चय करता है। आइये, हम नववर्ष में वातावरण में व्याप्त हर्षोल्लास के इस आनंद को स्वयं में सोख लें। क्या यही वह अनुभूति नहीं है, जो प्रत्येक व्यक्ति सदैव अनुभव करना चाहता है? – सदैव केवल प्रसन्न रहना। सच में, प्रसन्नता वह चुनाव है, जिसे हम प्रतिदिन चुन सकते हैं, और प्रत्येक परिस्थिति में इसका चुनाव करना इसकी शर्त है!

वस्तुतः आनंद प्रत्येक व्यक्ति का सच्चा लक्ष्य है। मनुष्य आनंदकी लालसा करता है और इसे अनेक रीतियों से खोजने का प्रयास करता है। वह अच्छा भोजन करने में, मैत्रीपूर्ण सामाजिक समूहों में, स्नेही परिवार में, एक भारी-भरकम वेतन में, शानदार पर्यटन में, तथा सबसे बढ़िया घरों एवं कारों में आनंद प्राप्त करता है। फिर भी, अपनी आशा के अनुरूप प्राप्त कर लेने के उपरांत भी, उसकी प्रसन्नता स्थायी नहीं रहती है। जीवन के उतार-चढ़ाव उसे बार-बार झकझोरते रहते हैं।

इस नववर्ष 2025 में आत्म-आनंद के सच्चे लक्ष्य के प्रति सदैव समर्पित रहने का कोई उपाय है? – हां है, और ये उपाय हैः

1) प्रत्येक कार्य को संयम में करें – चाहे वह खाना हो, सोना हो, खेलना हो, प्रार्थना करना हो अथवा कार्य करना। अपनी सभी गतिविधियों को संतुलित करने से आपके जीवन में जो संतुलन आएगा, वह आपके जीवन के प्रत्येक दिन को पूर्णता से जीने में सहायता करेगा।

2) वह करें, जिसके लिए आप जन्मे हैं – अपने जुनून को अपना पूर्णकालिक व्यवसाय बनाएं। आप प्रत्येक दिन संतुष्टि का अनुभव करेंगे तथा सदैव अपनी उत्कृष्टता की पराकाष्ठा प्राप्त करेंगे।

3) परोपकार करें – आप अपनी आयु के आधार पर अपना परोपकार का चार्ट बना सकते हैं। परोपकार का आपकी वित्तीय व्यवस्था में एक अंश अवश्य होना चाहिए, क्योंकि केवल इसका समावेश ही आपको अद्वितीय संतोष की अनुभूति प्रदान कर सकता है।

अमिताभ बच्चन को बुढ़ापे के कारण हो रहीं दिक्कतें, भूल रहे लाइनें तो सता रही चिंता- न्याय कर पाऊंगा या नहीं?

अमिताभ बच्चन को इस वक्त एक चिंता सता रही है, जिसके बारे में बताया है। अमिताभ बच्चन को अब बुढ़ापे के कारण परेशानी हो रही है। उन्हें लाइनें याद रखने में दिक्कत हो रही है। गलतियां हो जाती हैं और फिर वह डायरेक्टर को बोलते हैं कि सुधारने का मौका दो।

मेगास्टार अमिताभ बच्चन 82 साल के हो गए हैं, और अभी भी खूब एक्टिव होकर खूब काम कर रहे हैं। पर अब वह बुढ़ापे के कारण कुछ दिक्कतों का सामना कर रहे हैं, जिसके लेकर बिग बी ने चिंता जताई है। इसे लेकर उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा है। बिग बी को अब यह चिंता भी खाए जा रही है कि वह अभी जिन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं, उनके साथ न्याय कर भी पाएंगे या नहीं।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में बताया है कि वह कभी-कभी लाइनें बोलते वक्त गलतियां कर देते हैं और फिर डायरेक्टर से दोबारा मौका देने को कहते हैं। 82 वर्षीय एक्टर ने क्या कुछ लिखा है और किन-किन दिक्कतों का सामना कर रहे हैं,

अमिताभ बच्चन का पोस्ट, बताई क्या हो रहीं दिक्कतें

'मीटिंग्स और मीटिंग्स और मीटिंग्स..जो काम

आने वाला है, उसके लिए...और इससे एक बड़ा चैलेंज बन जाता है। चैलेंज ये कि क्या प्रोजेक्ट स्वीकार करें और किसे प्यार से मना करें। मुद्दा यह है कि चर्चा आखिर में फिल्म इंडस्ट्री, इसकी कार्यप्रणाली और इसकी स्थिति के विषय पर खत्म हो जाती है। इनमें से मैं किसी पर भी बात नहीं कर पाता।

'क्या काम मिल रहा है, उस पर ध्यान, क्या न्याय कर पाऊंगा?'

मेरी चिंता हमेशा यह रही है कि मुझे क्या काम मिल रहा है और क्या मैं इसके साथ न्याय कर पाऊंगा या कर पाऊंगा? उसके बाद क्या होता है, वह समझ न आने वाला एक धुंधलापन है...प्रोडक्शन, कॉस्ट, मार्केटिंग और ये सब...बहुत धुंधला, जो समझ नहीं आता। और जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, इससे सिर्फ लाइनें याद रखने में ही मुश्किल नहीं आती, बल्कि उम्र संबंधी कई चीजें हैं, जिनका पालन करने के लिए सक्षम होना जरूरी है। और फिर जब आप घर आते हो तो एहसास होता है कि आपने बहुत सारी गलतियां कर दी हैं और अब कैसे उन्हें ठीक किया जाए... फिर आधी रात को ही डायरेक्टर को फोन करके बोलते हैं कि सुधारने का एक मौका और दे दो...।'

रजनीकांत की फिल्म 'कुली' करेगी 1000 करोड़ रुपये की कमाई

अभिनेता और फिल्म निर्माता संदीप कृष्णन ने रजनीकांत की फिल्म 'कुली' के बारे में बड़ा अपडेट दिया है। संदीप के मुताबिक उन्होंने 'कुली' फिल्म को 45 मिनट तक देखा है। उन्होंने अंदाजा लगाया है कि यह फिल्म 1000 करोड़ रुपये तक की कमाई करेगी। इससे पहले अफवाहें थीं कि कृष्णन भी अपने दोस्त लोकेश कनगराज की फिल्म का हिस्सा हैं। हालांकि उन्होंने इससे इंकार किया।

रजनीकांत की फिल्म 1000 करोड़ रुपये की करेगी कमाई

संदीप कृष्णन 'कुली' फिल्म के एक प्रमोशन कार्यक्रम में थे। उन्होंने कहा 'मैं इस फिल्म का हिस्सा नहीं हूं। मैं अपने दोस्त लोकेश के सेट पर था और मैं रजनीकांत का गवाह हूं। मैंने फिल्म को 45 मिनट तक देखा, यह फिल्म 1000 करोड़ रुपये तक की कमाई करेगी।' कृष्णन ने इशारा दिया कि वह प्रोजेक्ट में फिल्म निर्माता के साथ काम कर रहे हैं लेकिन इस बारे में बता नहीं सकते। उन्होंने कहा कि हमें ये भी नहीं पता कि ये काम 'लोकेश सेनेमेटिक यूनिवर्स' के तहत आएगा या नहीं।

आपको बता दें कि जनवरी में रजनीकांत 'कुली' की शूटिंग के लिए थाईलैंड गए थे। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पर जनवरी में खुलासा किया था कि फिल्म का 70 फीसद हिस्सा शूट हो चुका है। उन्होंने बताया था कि बाकी फिल्म की शूटिंग 13 से 28 जनवरी तक पूरी हो जाएगी। इस तरह कह सकते हैं कि फिल्म की शूटिंग तकरीबन पूरी हो चुकी है। यह जल्द ही रिलीज होने वाली है। यह फिल्म एक्शन थ्रिलर है।

फिल्म में श्रुति हसन, पूजा हेगड़े, नागार्जुन और उपेंद्र हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म में आमिर खान भी नजर आएंगे। बताया जाता है कि यह रजनीकांत की 171वीं फिल्म है। फिल्म कब रिलीज होगी इसकी अभी जानकारी नहीं है।

विद्या बालन ने सोशल मीडिया पोस्ट करके लोगों को अलर्ट किया

विद्या बालन को पता चला कि उनके फेक वीडियो एआई से बनाकर गलत जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। इस बात की जानकारी और वो नकली एआई वीडियो भी विद्या बालन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है।

विद्या ने लिखी एक लंबी पोस्ट

विद्या बालन ने एआई से बनाए गए अपने फेक वीडियो का एक सैंपल भी फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। साथ ही एक लंबा मैसेज भी लिखा है, जिसमें विद्या लिखती हैं, 'सोशल मीडिया, व्हाट्सएप पर इस समय कई वीडियो शेयर हो रहे हैं, जिनमें मैं दिख रही हूं। लेकिन मैं यह साफ कर देना चाहती हूं कि ये वीडियो एआई (AI) से बनाए गए हैं और बिल्कुल गलत हैं।'

खुद को गलत वीडियो से अलग किया

आगे अपनी पोस्ट में विद्या बालन लिखती हैं, 'इन नकली वीडियो को बनाने और शेयर करने में मेरी कोई भागीदारी नहीं है। साथ ही इस कही गई बातों का मैं समर्थन नहीं करती हूं। नकली वीडियो में किए गए किसी भी दावे को मेरे कोई लेना-देना नही है। ये मेरे विचारों को नहीं दिखाता है। मैं सभी से कहना चाहती हूं कि वे इस तरह की वीडियो और जानकारी को शेयर करने से पहले वैरीफाई जरूर कर लें। ऐसी गलत वीडियो से सावधान रहें।

विद्या बालन इन प्रोजेक्ट्स में दिखीं

साल 2024 में विद्या बालन दो फिल्मों में दिखीं। एक फिल्म 'दो और दो प्यार' थी, वहीं 'भूल भुलैया 4' में भी वह माधुरी दीक्षित और कार्तिक आर्यन के साथ नजर आई थीं। इस साल भी वह कुछ प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं, जिसकी जानकारी अभी साझा नहीं की गई।

एआई कंटेंट से बचने को कहा

इसलिए शाहिद को नहीं मिली थी 'एनिमल' निर्देशक संदीप ने एक्टर की जमकर की तारीफ

फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी फिल्म 'एनिमल' के बारे में बताया है कि उन्होंने इस फिल्म में शाहिद कपूर के बजाए रणबीर कपूर को क्यों लिया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि शाहिद ने 'कबीर सिंह' में बेहतरीन प्रदर्शन किया था लेकिन वह एनिमल के लिए रणबीर के साथ अलग काम करना चाहते थे।

इसलिए संदीप ने शाहिद के बजाए रणबीर को चुना

गेम चेंजर्स के साथ बातचीत में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि शाहिद का नाम उनके पास नहीं आया। क्योंकि 'एनिमल' एक भावनात्म कहानी थी इसलिए उनके दिमाग में रणबीर कपूर का नाम आया। इसी इंटरव्यू में संदीप रेड्डी ने 'कबीर सिंह' में बेहतरीन काम करने के लिए उनकी तारीफ की।

उन्होंने बताया कि उनके साथ काम करने पर उन्हें तजुर्बा मिला। उन्होंने कहा कि 'शाहिद रीमेक में काम करने के लिए बहुत इच्छुक थे। चूंकि कबीर सिंह एक रीमेक फिल्म थी, इसलिए इस पर कम चर्चा हुई।'

मौलिक अभिनेता हैं शाहिद कपूर

संदीप ने शाहिद के बारे में बताया कि वह एक मौलिक अभिनेता हैं इसलिए उन्हें रीमेक फिल्मों में काम नहीं करना चाहिए। शाहिद के साथ काम करने को लेकर संदीप ने कहा, 'हमने एक सीन को 90 मिनट में पूरा कर लिया जो सक्रिप्ट में नहीं था और हमने इसे शूट करने की योजना नहीं बनाई थी, लेकिन जब लाइट शिफ्ट हुई, तो शाहिद से मैंने पूछा कि इसमें कितना वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि एक घंटा, तो मैंने कहा, 'शाहिद, एक घंटा क्यों बर्बाद कर रहे हो? चलो इसे शूट करते हैं।' इसके बाद शाहिद ने इसे बिना वक्त गंवाए शूट कर दिया। तभी मुझे एहसास हुआ कि शाहिद जैसे अभिनेता को रीमेक नहीं करना चाहिए- वह मौलिक अभिनेता हैं। मैंने उन्हें कई बार यह बात बताई।'

'कबीर सिंह' और 'एनिमल' के बारे में

'कबीर सिंह' विजय देवरकोंडा और शालिनी पांडे की तेलुगु ब्लॉकबस्टर अर्जुन रेड्डी की हिंदी रीमेक थी। 2019 की कबीर सिंह में शाहिद कपूर ने कियारा आडवाणी के साथ सह-अभिनय किया। संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म 'एनिमल' का भी निर्देशन किया है। यह फिल्म 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर अहम किरदार में थे। इसमें अनिल कपूर, बॉबी देओल रश्मिका मंदाना और तृप्ती डिमरी हैं।

गोविंदा ही नहीं, किसी भी स्टार की पत्नी बनना बेकार... सुनीता बोलीं, बहुत कुछ कुर्बान करना पड़ता है

सुनीता आहूजा ने एक बार एक इंटरव्यू में कहा था कि गोविंदा ही नहीं, किसी भी स्टार की बीवी होना बकवास है। बहुत कुछ कुर्बान करना पड़ता है। इस वक्त गोविंदा और सुनीता के तलाक की खबरें जोरों पर हैं। हालांकि एक्टर के वकील और उनकी पत्नी की मैनेजर ने इसका खंडन किया है।

सुनीता आहूजा और गोविंदा के तलाक की अटकलें खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। तलाक की खबरों पर गोविंदा के वकील ने हाल ही कहा था कि उनके बीच अब सब ठीक है, और दोनों नेपाल साथ गए थे और वहां साथ पूजा की थी। लेकिन परिवार के एक करीबी सूत्र के मुताबिक, यह दावा झूठा निकला। वकील ने कहा था कि सुनीता ने गोविंदा को 6 महीने पहले नोटिस भेजा था। सुनीता ने इंटरव्यूज में कुछ ज्यादा ही बोल दिया, और इससे मुश्किलें पैदा हुईं। पर इसके बावजूद दोनों के तलाक की खबरें चरम पर हैं। इसी बीच सुनीता आहूजा के एक इंटरव्यू के बारे में बता रहे हैं, जब उन्होंने स्टार की पत्नी बनने को बकवास करार दिया था। साथ ही कहा था कि इसमें बहुत कुर्बानी देनी पड़ती है।

सुनीता आहूजा ने गोविंदा के साथ साल 1987 में शादी की थी, और उन्हें 37 साल हो चुके हैं। सुनीता ने साल 2021 में 'ईटाइम्स' संग गोविंदा संग अपनी लव स्टोरी शेयर की थी। साथ ही बताया था कि उन्हें गोविंदा से भी ज्यादा गुस्सा आता है। लेकिन उनके एक बयान ने ध्यान आकर्षित कर लिया था। सुनीता ने कहा था कि गोविंदा ही नहीं, किसी भी स्टार की पत्नी बनना बेकार और बकवास है।

'गोविंदा ही नहीं, किसी भी स्टार की बीवी होना बकवास'

सुनीता आहूजा से पूछा गया था कि एक एक्टर से शादी के बाद किस तरह के चैलेंज का सामना करना पड़ता है। जवाब में सुनीता ने कहा था, 'सिर्फ गोविंदा ही नहीं, किसी भी स्टार की पत्नी बनना एकदम बकवास चीज है। आपको एक एक्टर की पत्नी बनने के लिए काफी मजबूत होना चाहिए। लेकिन मैं जब 15 साल की थी, तब हम दोनों को प्यार हो गया।'

'हम तलाक के लिए नहीं बने हैं'

सुनीता ने आगे कहा था, 'हमारा पहली नजर का प्यार था, और तमाम उतार-चढ़ावों के बावजूद हम दोनों एक-दूसरे को छोड़ते नहीं हैं। हमारा प्यार बहुत स्ट्रॉन्ग है। हम तलाक के लिए नहीं बने हैं। मेरे मां-बाप ने मुझे ये नहीं सिखाया।'

मां ने सुनीता से कहा था- मरने के बाद पति का घर छोड़ना

सुनीता आहूजा ने बताया कि जब उनकी शादी हुई थी, तो मां ने उनसे कहा था कि तुम पति का घर मरने के बाद ही छोड़ सकती हो। सुनीता बोली थीं- एक एक्टर की पत्नी बनने के लिए बहुत कुर्बानी देनी पड़ती है।

गोविंदा और सुनीता के तलाक की खबरों पर यह बोले उनके मैनेजर, वकील

वहीं, हाल ही गोविंदा संग तलाक की खबरों पर सुनीता आहूजा की मैनेजर ने 'इंडयाटुडे' को बताया था कि ये खबरें सच नहीं हैं। दोनों स्टार्स के बीच सबकुछ ठीक है, और सुलह हो गई है। वहीं गोविंदा के वकील ललित बिंदल ने भी तलाक की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया था। पर यह जरूर बताया था कि सुनीता ने छह महीने पहले फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दी थी, पर अब उनके बीच सुलह हो गई है।

तमन्ना भाटिया से लेकर कपिल शर्मा तक कंट्रोवर्सी में आया नाम

हाल ही में तमन्ना भाटिया को लेकर एक खबर सामने आई कि एक्ट्रेस से पुडुचेरी की साइबर क्राइम पुलिस पूछताछ करेगी। यह पूछताछ एक धोखाधड़ी मामले को लेकर होगी। लेकिन यह पहली बार नहीं है कि किसी सेलिब्रिटी का नाम किसी तरह की कंट्रोवर्सी और स्कैम में आया हो। पहले भी कुछ सेलिब्रिटी के साथ ऐसा हो चुका है। जानिए, कौन हैं वो सेलिब्रिटी और क्या वे सच में इन चीजों में शामिल हैं या नहीं?

तमन्ना भाटिया

कुछ समय पहले पुडुचेरी पुलिस ने तमिलनाडु में एक क्रिप्टो करेंसी की धोखाधड़ी करने वाले गैंग को पकड़ा है। इसी मामले को लेकर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया से भी पूछताछ होनी है। लेकिन तमन्ना की टीम की तरफ से कहा गया कि ये खबर बिल्कुल गलत है और झूठी खबर फैलाने वालों पर एक्शन लिया जाएगा।

श्रेयस तलपदे-आलोक नाथ

कुछ दिनों पहले लखनऊ के गोमती नगर पुलिस स्टेशन में एक क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के सदस्यों समेत 7 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन लोगों में एक्टर आलोक नाथ और श्रेयस तलपदे का नाम भी शामिल हैं। एफआईआर में कहा गया है कि इन लोगों ने 45 निवेशकों से 9.12 करोड़ रुपये ठगे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक्टर आलोक नाथ और श्रेयस तलपदे ने इस कोऑपरेटिव सोसाइटी की निवेश योजनाओं का प्रचार किया है।

अरशद वारसी

दो साल पहले सेबी ने एक्टर अरशद वारसी पर शेयर मार्केट में कारोबार करने पर बैन लगाया। यह फैसला सेबी ने इसलिए उठाया क्योंकि किसी कंपनी के शेयरों को खरीदने का भाम्रक सुझाव वीडियो बनाकर दिया जा रहा है, इन वीडियो में अरशद वारसी भी दिखे थे। भाम्रक जानकारी के कारण कुछ निवेशकों को करोड़ों रुपये की चपत लग गई।

कपिल शर्मा

पिछले साल महादेव बैटिंग एप से जुड़े सौरभ चंद्राकर को ईडी ने गिरफ्तार किया। यह व्यक्ति सट्टेबाजी वाला एप चलाता था। इस केस में छानबीन, पूछताछ के दौरान कुछ सेलिब्रिटी को भी ईडी ने समन भेजा, पूछताछ लिए आने को कहा। दरअसल, महादेव बैटिंग एप चलाने वाले सौरभ चंद्राकर ने साल 2023 में दुबई में 200 करोड़ रुपये खर्च करके शादी की, इस शादी में बॉलीवुड के कई सेलिब्रिटी शामिल हुए थे।इन्हीं सेलिब्रिटी से भी ईडी कुछ पूछताछ करना चाहती थी तो उन्हें समन गए। इस लिस्ट में कपिल शर्मा, हिना खान जैसे कई बड़े सेलिब्रिटी शामिल रहे।

टाइगर को जन्मदिन का तोहफा, 'बागी 4' का नया पोस्टर रिलीज, खून से लथपथ दिखे बर्थडे बॉय

अभिनेता टाइगर श्रॉफ की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बागी 4' का नया पोस्टर आज रिलीज कर दिया गया है। इस पोस्टर को

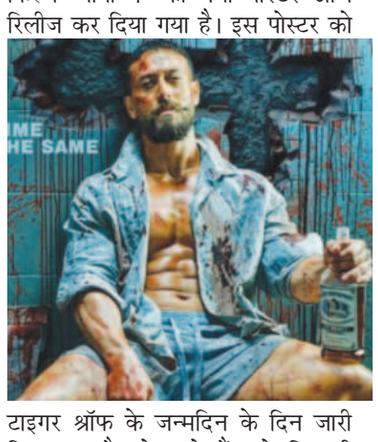

टाइगर श्रॉफ के जन्मदिन के दिन जारी किया गया है, जो उनके फैंस के लिए भी एक तोहफा है। रिलीज हुए पोस्टर में टाइगर थ्रिलर लुक में नजर आ रहे हैं और उनके चेहरे से खून निकलता दिखाई दे रहा है। फिल्म के नए पोस्टर को नाडियाडवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है।

पोस्टर शेयर करते हुए लिखा शानदार कैप्शन

बर्थडे बॉय टाइगर श्रॉफ ने फिल्म के नए पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। एक्टर ने इसके कैप्शन में लिखा कि जिस फ्रैंचाइजी ने उन्हें पहचान दी और उन्होंने ही उनको एक एक्शन हीरो के तौर पर साबित करने का मौका दिया। अब वही उनकी पहचान बदलकर दर्शकों के सामने नए अंदाज में लेकर आ रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि उम्मीद है आठ साल पहले जैसे दर्शकों ने प्यार दिया था, वैसे इस फिल्म को भी स्वीकार करेंगे।

सिनेमाघरों में आने को बेताब फिल्म

टाइगर श्रॉफ से पहले संजय दत्त का भी 'बागी 4' का एक पोस्टर रिलीज किया गया था। प्रशंसक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'बागी 4' लोकप्रिय बागी फ्रेंचाइजी का चौथा भाग है, जो ए. हर्षा द्वारा निर्देशित किया गया है। इसमें संजय दत्त खलनायक और सोनम बाजवा मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आने वाले हैं। रोमांचक पोस्टर और नए लुक के कारण फिल्म काफी चर्चा में है। यह फिल्म 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

'काम की बोरियत' ऐसे करें दूर

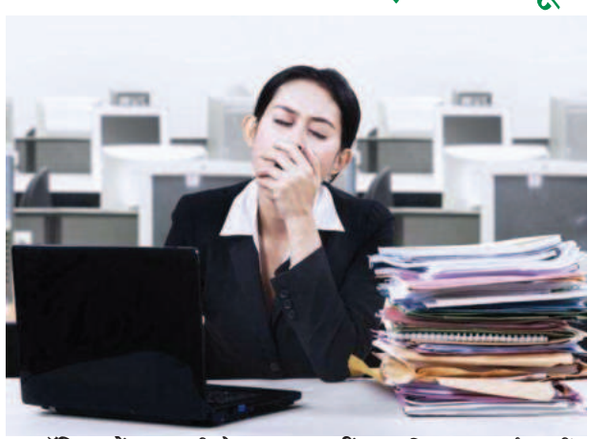

ऑफिस में सावधानी से काम लेना जरूरी है क्योंकि एक गलती महंगी पड़ सकती है। इसके लिए आपको आंखों में तेल लगाकर काम करना होगा लेकिन कई बार हम काम करते समय काफी आलसी हो जाते हैं और इसका असर हमारे काम पर पड़ता है।

व्यायाम : ऑफिस में व्यायाम करना संभव नहीं है लेकिन, अगर आपको नींद आ रही है और आप स्थिर बैठे हैं, तो यह और भी मुश्किल जाएगा इसलिए जब भी आपको हो नींद आए तो खुद को एक्टिव रखने के लिए ब्रेक लें। शरीर में पानी की कमी न होने दें, पानी पीते रहें। यह आपको सक्रिय रहने में मदद करेगा।

नींद : यदि आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो पूरा दिन बर्बाद हो जाता है। दिन भर थकान महसूस होना । कई बार सिर में दर्द भी होता है। इससे आपको दिन में कभी भी नींद आ सकती है। यदि आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो अच्छी नींद लेने की आदत डालें।

गाने सुनें: अगर ऑफिस में नींद आ रही है तो गाने सुनना एक अच्छा उपाय है।

कॉफी पिएं : कॉफी में कैफीन होता है। इससे शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है।अगर आपको ऑफिस में नींद आ रही है तो आप कॉफी पी सकते हैं। इससे आपको नींद नहीं आती है। चाय भी एक अच्छा विकल्प हो सकती है।

'परीक्षा में कम अंक' आने पर जिंदगी से हार मत मानो

अक्सर किसी भी छात्र की काबिलियत का पैमाना परीक्षा में उसके अंकों को माना जाता है। अच्छे कॉलेज या यूनिवर्सिटी में दाखिले के लिए अच्छे अंक होना बहुत जरूरी भी है लेकिन यदि तुम्हारे अंक कम आए हैं तो उसके लिए निराश हो कर डिप्रैशन का शिकार होना या अपनी जिंदगी लेने की सोचना सरासर गलत है क्योंकि किसी एक परीक्षा में फेल होने से जिंदगी खत्म नहीं होती।

फेल सब होते हैं। कोई स्कूल की परीक्षा में, कोई अपने ऑफिस में तो कोई बिजनैस में लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम जिंदगी का साथ छोड़ दें। डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि अगर आप फेल हो जाएं तो कभी हार न मानें क्योंकि FAIL का मतलब सीखने की आपकी पहली कोशिश।

केवल अंकों के बल पर जीवन नहीं चलता । कामयाबी के फल सिर्फ अंकों के पेड़ पर नहीं लगते ।

यह जिंदगी की आखिरी परीक्षा नहीं थी। जिंदगी में आगे कई परीक्षाओं का सामना करना पड़ेगा । शायद उन परीक्षाओं में तुम हीरे की तरह चमक जाओ ! कभी भी अपने आप को औसत मत समझो।

अभी तो तुम्हारे सामने आगे बढ़ने के लिए कई नई दिशाएं बाहें फैलाएं तुम्हारा इंतजार कर रहीं हैं। आइंस्टीन अपनी कक्षा में टॉपर नहीं थे लेकिन उस वक्त टॉपर कौन था यह आज किसी को भी याद नहीं है... याद हैं तो आइंस्टीन !

12वीं के बाद ऐसे कीजिए 'सही कोर्स' का चयन

12वीं के बाद विद्यार्थियों के सामने किसी अच्छे संस्थान में दाखिला पाने की उधेड़बुन रहती है। । विकल्प बढ़ने के साथ-साथ उनके सामने किसी एक को चुनने का दबाव भी बढ़ता जाता है। ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि मनचाहा कोर्स बेहतर भविष्य का आधार बन सके। 12वीं के बाद विकल्पों की भरमार है, ऐसे में काफी सोच-समझ कर ही दाखिले के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

सलाह के बाद लें एडमिशन : यूं तो 12वीं लैवल के बाद करियर से संबंधित अधिकांश राहें खुल जाती हैं पर कई बार विद्यार्थी इतने जागरूक नहीं होते हैं कि उन्हें विभिन्न पाठ्यक्रमों अथवा संस्थानों के बारे में सब कुछ पता हो। ऐसे में दाखिले से पहले उचित जांच-पड़ताल और विशेषज्ञों से सलाह बेहद जरूरी है।

अभिभावकों की भूमिका : अभिभावक भी इसी कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके बच्चे किसी अच्छे संस्थान अथवा मनचाहे कोर्स में दाखिला लेकर उनका तथा उनके परिवार को नाम रोशन करें। इसके लिए वे अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। कई बार तो यह विद्यार्थियों के हित में होता है लेकिन हमेशा नहीं ।

जिसमें रुचि हो, वही चुनें: कोई काम यदि रुचि के साथ न किया जाए तो उसका परिणाम उतना अच्छा नहीं आ पाता। कोर्स के चयन में भी यह बात लागू होती है। यदि कोर्स पसंद का नहीं है तो उसमें विद्यार्थी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कभी नहीं दे सकता है। ऐसे में यदि विद्यार्थी किसी परपरागत अथवा गैर परंपरागत कोर्स में एडमिशन चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपने करियर का लक्ष्य तय करना होगा। इस लक्ष्य के निर्धारण में उसे अपनी रुचि का ध्यान रखना होगा, क्योंकि इसी फैसले से भविष्य की रूपरेखा तय होती है इसलिए प्रोफैशन चुनते समय अपने आप को परखें, फिर ही किसी नतीजे पर पहुंचे।

काऊंसलर की मदद लें: कोई भी प्रोफैशन चुनने से पहले विद्यार्थियों को काऊंसलर से अवश्य बात कर लेनी चाहिए। काऊंसलर उनको करियर विकल्पों के फायदे व नुक्सान के बारे में बताते हैं। इससे विद्यार्थियों को कोर्स के बारे में गहरी जानकारी मिलती है। कई बार काऊंसलर विद्यार्थियों को उनकी पसंद का ही कोई ऐसा विकल्प तलाश देते हैं जिन पर विद्यार्थी की कभी दृष्टि नहीं गई, लेकिन यह संभव हो पाएगा, जब विद्यार्थी काऊंसलर से आमने-सामने बात करें।

परम्परागत कोर्स का क्रेज : परम्परागत पाठ्यक्रमों में समय के अनुसार बदलाव लाकर उसके प्रति भी विद्यार्थियों की दिलचस्पी बनाए रखने की भरपूर कोशिश की गई है। संरचना में भी बदलाव के चलते परम्परागत पाठ्यक्रमों में बदलाव आया तथा ये विषय की संपूर्ण जानकारी देने के अलावा विद्यार्थियों को तकनीकी जानकारी मुहैया कराने लगे । यही कारण है कि इनकी लोकप्रियता कम नहीं हुई है। इन्हें तीन श्रेणियों में बांटकर देखा जा सकता है।

कला वर्ग : कला क्षेत्र के अंतर्गत कई विषयों का समावेश है। यह विद्यार्थी पर निर्भर करता है कि वे अपने रुचि के अनुसार कौन-सा विषय चयन करते हैं। इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र के अलावा मनोविज्ञान तथ राजनीति शास्त्र में विद्यार्थियों की भीड़ साल दर साल बढ़ती जा रही है।

विज्ञान वर्ग : 12वीं में पी.सी.एम. का विद्यार्थी इंजीनियर बनने का सोचता है। पी.सी.एम. के साथ-साथ वह थोड़ा क्रिएटिव है तो उसकी पसंद आर्किटैक्चर, फैशन टैक्नोलॉजी जैसे विकल्प हैं। एडवेंचरस विद्यार्थियों के लिए मर्चेंट नेवी, हवा से बात करने के शौकीन हैं तो पायलट और यदि सेवा भाव एवं जज्बा है तो डिफैंस एवं नेवी में किस्मत आजमा सकते हैं।

कॉमर्स वर्ग : कॉमर्स ग्रुप के ज्यादातर विद्यार्थी बी.कॉम, इको, सी.ए., सी. एस. सहित सांख्यिकी की पढ़ाई कर सकते हैं। इसके अलावा भी कई क्षेत्रों में कॉमर्स के विद्यार्थियों की डिमांड की जाती है।

वोकेशनल कोर्स देंगे रोजगार : वोकेशनल कोर्स जैसे ऑफिस मैनेजमैंट, मैटीरियल मैनेजमैंट, एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन, एच. आर. मैनेजमैंट, फूड प्रोसेसिंग, टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमैंट आदि आज संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों की खासियत है कि ये अल्प अवधि के होते हैं तथा इनकी फीस भी बहुत कम होती है इसलिए विद्यार्थी आसानी से इसे कर सकते हैं।

ऑफबीट कोर्स का ट्रैंड : ऑफबीट कोर्स जैसे रेडियो जॉकी, मसाज एवं स्पॉ थैरेपी, गेमिंग, टूरिस्ट गाइड, शैफ आदि के तहत ज्यादातर उन पाठ्यक्रमों का जिक्र किया जाता है, जो थोड़ा अलग हटकर हों और शार्ट टर्म कोर्स के रूप में जॉब प्रदान करने की क्षमता रखते हों ।

पिछले कुछ सालों से इन पाठ्यक्रमों की व्यापक उपयोगिता साबित हुई है और ये जॉब प्रदाता के रूप में अपनी खास पहचान बनाते जा रहे हैं।

'इलैक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में रोजगार के अवसर

भारत सरकार ने आम बजट 2023 में इलैक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इलैक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली लिथियम बैटरियों पर लगने वाले सीमा शुल्क के कम होने से देश में इलैक्ट्रिक वाहन सस्ते होंगे। वहीं, आर्थिक सर्वेक्षण 2023 में देश में इलैक्ट्रिक वाहन का बाजार 2030 तक करीब 49 प्रतिशत की दर से बढ़ने और सालाना बिक्री करीब 1 करोड़ इकाइयों के होने की उम्मीद है।

इससे रोजगार के करीब 5 करोड़ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवसर पैदा होंगे। हाल ही में आयोजित ऑटो एक्सपो में सभी बड़ी कम्पनियों का फोकस इलैक्ट्रिक वाहनों पर अधिक रहा। इस वजह से इलैक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी अधिक निवेश किया जा रहा है।

इससे नौकरियों और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। आइए इस लेख में जानते हैं कैसे इलैक्ट्रिक चार्जिंग के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं और कहां भविष्य के लिए अवसर उपलब्ध हैं :

पहले समझते हैं ई-वाहन के बारे में

ई-वाहन अर्थात इलैक्ट्रिक वाहन (ई.वी.) का मतलब इलैक्ट्रिक मोटर से चलने वाली गाड़ी है, जिसमें लिथियमआयन या अन्य प्रकार की बैटरी का इस्तेमाल होता है। इलैक्ट्रिक वाहन पर्यावरण के अनुकूल होते हैं और पैट्रोल या डीजल के विकल्प के तौर पर इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। शुरूआती दौर में इलैक्ट्रिक वाहन एक चार्ज में 10 से 20 किलोमीटर

दूरी ही तय कर पाते थे, लेकिन अब इस क्षेत्र में लगातार शोध और उन्नत तकनीक के कारण अब ये 250 से 300 किलोमीटर या इससे अधिक की दूरी तय करने की क्षमता रखते हैं।

ई.वी. इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ करियर के खुले विकल्प देशभर में ई. वी. सैगमैंट के विस्तार के साथ इसके इंफ्रास्ट्रक्चर पर अधिक जोर है। इसमें सबसे अहम चार्जिंग स्टेशन का विस्तार है। मैट्रो शहरों के साथ टियर-2, 3 शहरों में भी इसका विस्तार हो रहा है। सरकार के साथ बड़ी कम्पनियां इसमें निवेश कर रही हैं। इसकी वजह से करियर के नए अवसर भी खुले हैं।

इसमें मुख्य रूप से ई.वी. चार्जिंग स्टेशन तकनीशियन के तौर पर प्रमुख अवसर है। इसमें इलैक्ट्रिक वाहन (ई.वी.) चार्जिंग स्टेशन की सुचारू स्थापना और कमीशनिंग सुनिश्चित करने का काम होता है। वे ई.वी. चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए स्थान (साइट) की उपयुक्तता तय करने के अलावा सर्वेक्षण करते हैं और विभिन्न मापदंडों का मूल्यांकन करते हैं। इसके अलावा, उपयुक्त साइट पर ई. वी. चार्जिंग स्टेशन को स्थापित कर उसे चालू करते हैं ।

दूसरा करियर विकल्प ई.वी. चार्जिंग स्टेशन के संचालन और रख-रखाव से संबंधित है। इसमें चार्जिंग स्टेशनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार के इलैक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए ग्राहकों को सहायता प्रदान करते हैं।

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए न्यूनतम शर्तें

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता संबंधित इंजीनियरिंग ट्रेड में आई.टी.आई. या 12वीं कक्षा तक पढ़ाई जरूरी है। इसके अलावा 18 वर्ष पार कर चुके युवा इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत कौशल प्रशिक्षण ले सकते हैं। उन्हें तकनीकी समझ होनी चाहिए।

इस क्षेत्र में करियर के अवसर क्यों हैं

* नैशनल मिशन फॉर इलैक्ट्रिक मोबिलिटी ने इलैक्ट्रिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए अगले 8 वर्षों में 140 बिलियन रुपए का निवेश करने का लक्ष्य है। इसके लिए 'नैशनल इलैक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (एन.ई.एम.एम.पी.) - 2020' के तहत काम किया जा रहा है।

* इलैक्ट्रिक वाहन नीति 2019 में 2024 तक ऑफरोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क माफ करने और उपकरणों को चार्ज करने पर भारी सबसिडी प्रदान करने की पेशकश की गई है।

* चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए, चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

*आवासीय स्थानों पर कुछ शर्तों के साथ निजी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की सुविधा दी जा रही है। कोई भी चार्जिंग स्टेशन 'ओपन एक्सेस प्रोटोकॉल' के माध्यम से किसी भी कम्पनी से बिजली प्राप्त कर सकता है।

* भारत सरकार द्वारा एक विशेष हरित ऊर्जा कॉरिडोर का निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। इससे देश में ई-वाहनों की मांग तेजी से बढ़ेगी।

कहां मिलेगी नौकरी

ई. वी. चार्जिंग से जुड़े प्रशिक्षण के बाद नौकरी और स्वरोजगार दोनों ही विकल्प खुले रहेंगे। कई बड़ी कम्पनियों द्वारा ई.वी. चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं, वहां नौकरी मिल सकती है। इस क्षेत्र में कई स्टार्टअप कम्पनियों ने काम करना शुरू किया है, जिस वजह से वहां भी विकल्प मौजूद हैं। यदि आप नौकरी नहीं करना चाहते तो आप पूंजी लगाकर खुद का चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर सकते हैं। इससे अच्छी आमदनी होगी।

बातचीत में न करें ये गलतियां'

आप किससे कैसे बात करते हैं, इसका बहुत असर आपकी प्रोफैशनल और पर्सनल लाइफ पर पड़ता है। आपको वे गलतियां बता रहे हैं जो लोग अक्सर बातचीत के दौरान करते हैं।

आदेश देना

जब हमें किसी से कोई बात मनवानी होती है या अपना कोई काम करवाना होता है तो हमें कोशिश करनी चाहिए कि हमारी बातचीत के लहजे से यह बिल्कुल न लगे कि हम किसी को कोई आदेश दे रहे हैं। अगर सामने वाले व्यक्ति को हमारे लहजे में ऐसा लगा कि आप उसे आदेश दे रहे हैं तो मुमकिन है कि वह हमारे काम को करने से मना कर दे।

किसी से जबरदस्ती हां बुलवाने की कोशिश

जब आप किसी से भी बातचीत करते हैं तो आपको ध्यान देना चाहिए कि आप किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती अपनी बातों में हां में हां बुलवाने के लिए फोर्स न करें। मुमकिन है कि इससे सामने वाला व्यक्ति आपसे चिढ़ जाए। सामने वाले का नाम नहीं लेना

ये गलती बहुत ही आम है। हम अक्सर बातचीत के वक्त सामने वाले व्यक्ति का नाम नहीं लेते हैं। हालांकि, अगर आप किसी से प्रभावशाली बातचीत करना चाहते हैं तो आपको सामने वाले व्यक्ति को नाम से बुलाना चाहिए।

लोगों को बीच में टोकना

आपको सामने वाले की पूरी बात सुननी चाहिए और उसके बाद ही कोई राय देनी चाहिए। अगर आप बातचीत के दौरान ही व्यक्ति को टोकते हैं तो हो सकता है कि आप उसे नाराज कर दें।

ऐसे बढ़ाएं दफ्तर में 'अपनी अहमियत'

दफ्तर में काम करने वाला कर्मचारी चाहता है कि उसके काम को नोटिस किया जाए। बॉस उनके काम से प्रभावित रहें और सहकर्मी उनकी मेहनत और काबिलियत की प्रशंसा करें । हालांकि, कई सहकर्मियों के बीच अपनी काबिलियत साबित करना आसान काम नहीं होता।

ये हैं कुछ टिप्स

सकारात्मक रवैया : अपने बॉस, वरिष्ठ कर्मचारियों और सहकर्मियों के सामने हमेशा सकारात्मक रहें। आपका सकारात्मक और उत्साही व्यवहार ही दफ्तर में सभी से आपको सराहना दिलाएगा।

काम के प्रति समर्पण : कार्य के लिए समर्पित रहने के लिए कड़ी मेहनत करें ताकि आपके परिश्रम और लगन से वरिष्ठ कर्मचारी प्रभावित हों। दफ्तर में सभी आपकी लगन को नोटिस करेंगे। सहकर्मियों से संबंध अपने साथ काम करने वाले कर्मचारियों से अच्छे संबंध बनाकर रखें। उनके साथ अच्छा व्यवहार करें और काम के अलावा भी उनसे नियमित रूप से संवाद करें ताकि भविष्य में उनके साथ आपका एक अच्छा नैटवर्क बन सके। :पहल करें कार्यस्थल पर अधिक कार्य करने की पहल करें ताकि आपके प्रबंधकों को पता चले कि आप एक उत्साहवर्धक और अद्भुत कर्मचारी हैं। तभी आपको नई जिम्मेदारी सौंपेंगे।

एम्स नर्सिंग ऑफिसर भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

एम्स ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती परीक्षा 8 के लिए विज्ञापन निकाल दिया है। ऑनलाइन आवेदन भी एम्स की आधिकारिक वेबसाइट www.aiimsexams.ac.in पर शुरू हो गए हैं। एम्स नॉर्सेट 8 में कौन आवेदन कर सकता है ? NORCET परीक्षा कितने चरणों में होगी? अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (NORCET) 8वीं परीक्षा के लिए के लिए आधिकारिक विज्ञापन जारी कर दिया है। एम्स की इस परीक्षा के लिए इच्छुक और योग्य उम्मीदवार ऑनलाइन 24 फरवरी 2025 से 17 मार्च 2025 शाम 5:00 बजे तक AIIMS की आधिकारिक वेबसाइट www.aiimsexams.ac.in पर आवेदन कर सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद आवेदन लिंक एक्टिव नहीं रहेगा। ऐसे में समय रहते आवेदन कर लें। जरूरी डेट्स

सरकारी नौकरी

एम्स की यह भर्ती ग्रुप-B के नर्सिंग ऑफिसर पदों के लिए है, जो AIIMS नई दिल्ली और अन्य AIIMS संस्थानों में उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार की जाएगी। अभ्यर्थी भर्ती से संबंधित जरूरी डेट्स नीचे टेबल से नोट कर सकते हैं।

योग्यता

एम्स सरकारी नौकरी की इस परीक्षा में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों का भारतीय नर्सिंग परिषद / राज्य नर्सिंग परिषद से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.एससी नर्सिंग या बी.एससी नर्सिंग की डिग्री होनी चाहिए। साथ ही राज्य / भारतीय नर्सिंग परिषद में पंजीकृत होना भी जरूरी है। पोस्ट बेसिक बी.एससी नर्सिंग/जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी (GNM) में डिप्लोमा कर चुके अभ्यर्थी भी आवेदन के योग्य हैं। योग्यता संबंधित विस्तृत जानकारी अभ्यर्थी भर्ती के आधिकारिक नोटिफिकेशन से भी चेक कर सकते हैं। डाउनलोड करें-

एज लिमिट

आयुसीमा- इस परीक्षा में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 30 वर्ष होनी चाहिए। ऊपरी उम्र में आरक्षित श्रेणियों को सरकारी नियमानुसार छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया- NORCET स्टेज-1 (प्रीलिम्स) और NORCET स्टेज-2 (मुख्य परीक्षा) के जरिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

आवेदन शुल्क- आवेदन के लिए सामान्य/ओबीसी अभ्यर्थियों को 3000 रुपये आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा। वहीं एससी/एसटी/ईडब्लूएस अभ्यर्थियों के लिए 2400 रुपये एप्लिकेशन फीस है। दिव्यांग अभ्यर्थियों को फीस में छूट दी गई है।

एम्स की इस भर्ती परीक्षा से संबंधित अन्य किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में बिना परीक्षा नौकरी

बैंक में अच्छी सरकारी नौकरी ढूंढ रहे उम्मीदवारों के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक बढ़िया मौका लाया है। आईपीपीबी ने सर्किल बेस्ड एग्जीक्यूटिव के पदों पर आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस भर्ती के लिए 1 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिसमें योग्य उम्मीदवार अंतिम तिथि 21 मार्च तक ऑनलाइन फॉर्म अप्लाई कर सकते हैं। आवेदन का लिंक इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की आधिकारिक वेबसाइट www.ippbonline.com पर एक्टिव है।

डिटेल्स

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की यह भर्ती भारतीय डाक विभाग, संचार मंत्रालय के तहत की जा रही है। किस राज्य में सर्किल बेस्ड एग्जीक्यूटिव की कितनी रिक्तियां हैं?

योग्यता

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की इस भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों का मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक होना जरूरी है। राज्य का अधिवास प्रमाण पत्र रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। अन्य डिटेल्स अभ्यर्थी विस्तार से भर्ती के आधिकारिक नोटिफिकेशन से देख सकते हैं।

एज लिमिट

आयुसीमा- इस बैंक भर्ती में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों की उम्र 21 - 35 वर्ष होनी चाहिए। आयुसीमा की गणना 1 फरवरी 2025 के आधार पर की जाएगी।

सैलरी- 30,000/- रुपये प्रति माह

चयन प्रक्रिया- इस भर्ती में उम्मीदवारों का चयन बिना किसी परीक्षा के सीधे स्नातक में प्राप्त अंकों के साथ तैयार की गई मेरिट लिस्ट के जरिए किया जाएगा। हालांकि अंतिम चयन साक्षात्कार के आधार पर होगा।

आवेदन शुल्क- SC/ST/PWD अभ्यर्थियों को 150 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं अन्य सभी श्रेणियों के लिए 750 रुपये एप्लिकेशन फीस है।

अनुबंध की अवधि- यह भर्ती अनुबंध के आधार पर की जा रही है। शुरुआत में 1 वर्ष का अनुबंध होगा, जिसे 2 वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है। अधिकतम 3 वर्ष तक का कार्यकाल रहेगा।

बता दें कि इस भर्ती में उम्मीदवार केवल एक राज्य में आवेदन कर सकते हैं। वहीं आवेदन शुल्क एक बार जमा करने के बाद वापस नहीं किया जाएगा। इस भर्ती से संबंधित अन्य किसी भी जानकारी के लिए उम्मीदवार इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की आधिकारिक वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

दुनिया में उथलपुथल मचाने वाले ट्रंप ने अडानी को दी बड़ी राहत! अमेरिका में बड़े निवेश की तैयारी

नई दिल्लीः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे और आखिरी कार्यकाल में ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं। इससे दुनिया में काफी उथलपुथल देखी जा रही है। लेकिन भारत के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी को उन्होंने काफी राहत दी है। अडानी ग्रुप अमेरिका में बड़ा निवेश करने की अपनी योजनाओं को फिर से शुरू कर रहा है। अडानी पर लगे आरोपों के बीच इसे काफी अहम माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अडानी ग्रुप अमेरिका में कई सेक्टरों में फंडिंग में फिर से दिलचस्पी दिखा रहा है। इनमें न्यूक्लियर एनर्जी, यूटिलिटीज और पूर्वी तट पर एक बंदरगाह शामिल है।

पिछले साल ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अडानी ने अमेरिका में 10 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया था। इससे करीब 15,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद थी।

लेकिन इसके कुछ समय बाद ही अडानी और ग्रुप के सात अन्य टॉप अधिकारियों के खिलाफ अमेरिका में मुकदमा दर्ज हो गया।

इन लोगों भारत में सोलर एनर्जी से जुड़े ठेके हासिल करने के लिए 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने और यह बात अमेरिकी निवेशकों से छिपाने के आरोप हैं। इसके बाद अडानी ग्रुप की अमेरिका में निवेश की योजना ठंडे बस्ते में चली गई थी।

अमेरिका में निवेश

अडानी से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि फरवरी की शुरुआत में ट्रंप फॉरेन करप्ट प्रैक्टिसेज एक्ट पर रोक लगा दी थी। इससे अडानी ग्रुप बड़ी राहत मिली है।

इससे यह उम्मीद जगी है कि उनके खिलाफ कानूनी चुनौतियां खत्म हो सकती हैं। हालांकि अमेरिकी नागरिक नहीं होने के कारण अडानी सीधे तौर पर इस कानून के तहत आरोपित नहीं थे। यह कानून उन अन्य लोगों के खिलाफ आरोपों का आधार है जो कथित तौर पर इसमें शामिल थे। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

एक अन्य सूत्र ने कहा कि ट्रंप के आने के साथ हमने कुछ योजनाओं को फिर से सक्रिय कर दिया है।

लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अडानी पर अब भी तलवार लटकी हुई है। साथ ही इस बात को लेकर भी चिंता है कि यह जांच लंबे समय तक चल सकती है।

अडानी के एक और करीबी ने बताया कि हम अपने इरादों के बारे में स्पष्ट हैं, लेकिन जब तक यह मामला सुलझ नहीं जाता, हम इंतजार करेंगे। सूत्रों के अनुसार अडानी ग्रुप पहले अमेरिकी कंपनियों के साथ संभावित सहयोग के बारे में बातचीत कर रहा था और टेक्सस में पेट्रोकेमिकल निवेश के अवसरों की तलाश कर रहा था। अभी ग्रुप का अमेरिका में कोई बड़ा निवेश या प्रोजेक्ट नहीं है।

क्या कहते हैं जानकार

अमेरिका में मुकदमेबाजी अडानी ग्रुप के लिए बड़ा जोखिम हो सकती है। वॉशिंगटन में विल्सन सेंटर में साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर माइकल कुगेलमैन ने कहा कि अगर अडानी के खिलाफ आरोप खारिज हो जाते हैं, तो ग्रुप अमेरिका में अपने निवेश को आगे बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि अडानी के पास काफी वेल्थ है और मोदी सरकार के साथ उनके मजबूत संबंध हैं। इसे देखते हुए ट्रंप उन्हें हाथोंहाथ ले सकते हैं। इस बारे में अडानी ग्रुप ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

मुंबई में रियल एस्टेट में 202 करोड की महंगी डील, उदय कोटक परिवार ने खरीदा

मुंबई,2 मार्च (एजेंसियां)। कोटक महिंद्रा बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ उदय कोटक का नाम आपने जरूर सुना होगा। उन्होंने और उनके परिवार ने मुंबई के वर्ली सी फेस एरिया में एक पूरी की पूरी बिल्डिंग खरीद ली है। इस बिल्डिंग में 12 अल्ट्रा लग्जरी फ्लैट्स हैं। यह सौदा 202 करोड़ रुपये का बताया जाता है जो कि मुंबई में प्रॉपर्टी की महंगी डील में से एक माना जाता है। मुंबई में वर्ली इलाका तो ऐसे ही पॉश माना जाता है। उसमें भी समुद्र के किनारे की बिल्डिंग यानी सी-फेस बिल्डिंग के क्या कहने। तभी तो कोटक परिवार ने इस 3 मंजिला इमारत के 12 फ्लैट्स के लिए 202 करोड़ रुपये चुकाए हैं। यह सौदा इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें प्रति वर्ग फुट एरिया की कीमत 2.71 लाख रुपये रही। यह इस इलाके की प्रॉपर्टी के लिए अब तक का एक रिकॉर्ड है। इससे पहले देश में सबसे ज़्यादा प्रति वर्ग फुट कीमत दक्षिण मुंबई के अल्टामाउंट रोड और भूलाभाई देसाई रोड पर क्रमशः 2.25 लाख और 2.09 लाख रुपये दर्ज की गई थी।ज़मीन के कागज़ातों से पता चलता है कि इस बिल्डिंग के ज़्यादातर सौदे बीते 30 जनवरी को रजिस्टर हुए हैं। इसका एक सौदा बीते 5 फरवरी को पूरा हुआ है। उदय कोटक और उनके परिवार की इस खरीदारी ने भारतीय रियल एस्टेट बाजार में एक नया मानक स्थापित किया है। यह सौदा वाकई में बहुत बड़ा है और चर्चा का विषय बना हुआ है। एक सूत्र ने इकोनॉमिक टाइम्स को बताया, पूरी इमारत कोटक परिवार ने खरीदी है। आधे से ज़्यादा सौदे रजिस्टर हो चुके हैं, बाकी जल्द ही पूरे होने की उम्मीद है। टोकन अमाउंट दे दिया गया है और कागज़ी कार्रवाई चल रही है।यह समुद्र के किनारे वाली प्रॉपर्टी, 19 शिव सागर, काफी बड़ी है। यह शैंपेन हाउस के बगल में स्थित है, जिसे कोटक परिवार ने 2018 में बंद हो चुकी वाइन कंपनी इंडेज विंटनर के प्रबंध निदेशक रंजीत चौगुले से 385 करोड़ रुपये में खरीदा था। उदय कोटक ने इस इमारत का जीर्णोद्धार कर इसे एक शानदार आवास में बदल दिया है। अब बगल वाला प्लॉट भी इसी परिवार का हो गया।

शेयर बाजार की तबाही से परेशानी, टाटा से आरआईएल तक 10 कंपनियों को हुआ मोटा नुकसान

नई दिल्ली, 2 मार्ट (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते में आई शेयर बाजार की तबाही का असर देश की दिग्गज कंपनियों के आंकड़ों में साफ देखने को मिल रहा है. देश की टॉप 10 कंपनियों में से 8 कंपनियों के मार्केट कैप से 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा साफ हो गए. सबसे ज्यादा नुकसान देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है. टीसीएस को बीते एक हफ्ते में एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है. इंफोसिस, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज को भी मोटा नुकसान हुआ है. वहीं दूसरी ओर देश की मात्र दो कंपनियां ऐसी रही जिनके मार्केट कैप में इजाफा देखने को मिला है. एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 30 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला. वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 9 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. पिछले सप्ताह, बीएसई बेंचमार्क गेज सेंसेक्स 2,112.96 अंक या 2.80 प्रतिशत गिर गया. एनएसई निफ्टी 671.2 अंक या 2.94 प्रतिशत गिर गया. अकेले फरवरी में निफ्टी 1,383.7 अंक या 5.88 फीसदी गिरा. सेंसेक्स 4,302.47 अंक या 5.55 फीसदी टूट गया. शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 3,09,244.57 करोड़ रुपए का का नुकसान हो गया. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस कंपनी का मार्केट कैप कितना हो गया है.

देश की टॉप कंपनियों का मार्केट कैप कितना

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्यांकन 1,09,211.97 करोड़ रुपए गिरकर 12,60,505.51 करोड़ रुपए हो गया.देश की बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार इंफोसिस का मूल्यांकन 52,697.93 करोड़ रुपए घटकर 7,01,002.22 करोड़ रुपए हो गया.देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में शुमार भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 39,230.1 करोड़ रुपए घटकर 8,94,993.67 करोड़ रुपए हो गया.देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का 38,025.97 करोड़ रुपए घटकर 16,23,343.45 करोड़ रुपए रह गया. देश का सबसे बड़ा सरकारी लेंडर भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 29,718.99 करोड़ रुपए घटकर 6,14,236.97 करोड़ रुपए हो गया.देश का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी लेंडर आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 20,775.78 करोड़ रुपए घटकर 8,49,803.90 करोड़ रुपए हो गया.देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 11,700.97 करोड़ रुपए घटकर 5,14,983.41 करोड़ रुपए रह गया.

सबसे ज्यादा गंवाने वाला नंबर 1

सबसे ज्यादा कमाने वाला नंबर 2 ... आखिर यह कैसी लिस्ट है?

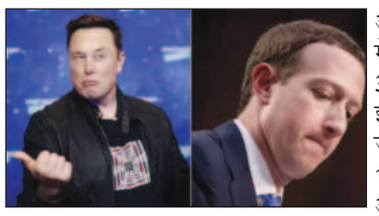

नई दिल्ली,2 मार्च (एजेंसियां)। साल के पहले दो महीने बीत चुके हैं। इस साल दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने सबसे ज्यादा पैसा गंवाया है जबकि फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग ने सबसे ज्यादा कमाई की है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स समेत कई कंपनियां चला रहे मस्क की नेटवर्थ में इस साल 81.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इसके बावजूद वह 351 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं। शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 7.93 अरब डॉलर की तेजी आई। इससे पहले दो दिन में उनकी नेटवर्थ करीब 30 अरब डॉलर गिरी थी। इसके बावजूद मस्क और जकरबर्ग की नेटवर्थ में 115 अरब डॉलर का अंतर है।दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की पेरेंट मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ जकरबर्ग की नेटवर्थ में इस साल सबसे ज्यादा उछाल आई है।

इस साल उनकी नेटवर्थ 28.2 अरब डॉलर उछली है। वह 236 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। उनकी कंपनी 1.692 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूबल कंपनियों की लिस्ट में सातवें नंबर पर पहुंच गई है जबकि मस्क की टेस्ला 942.37 अरब डॉलर के साथ नौवें नंबर पर है। इस लिस्ट में ऐपल, एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट, ऐमजॉन, अल्फाबेट और सऊदी अरामको टॉप छह में शामिल हैं।

दुनिया के अमीरों की लिस्ट

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में मस्क और जकरबर्ग के बाद ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस ($232 अरब) तीसरे, बर्नार्ड अरनॉल्ट ($192 अरब) चौथे, लैरी एलिसन ($187 अरब) पांचवें, बिल गेट्स ($165 अरब) छठे, वॉरेन बफे ($161 अरब) सातवें, लैरी पेज ($154 अरब) आठवें, सर्गेई ब्रिन ($145 अरब) और स्टीव बालमर ($139 अरब) दसवें नंबर पर हैं। बेजोस, एलिसन, पेज, ब्रिन और बालमर की नेटवर्थ में इस साल गिरावट आई है। इस लिस्ट में मुकेश अंबानी ($83.8 अरब) 17वें और गौतम अडानी ($63 अरब) नंबर पर हैं। इन दोनों की नेटवर्थ में भी इस साल गिरावट आई है।

टाटा, रिलायंस, अडानी- बड़ी-बड़ी कंपनियां हैं मैदान में, 10 साल में दोगुना हो गया रिटेल सेक्टर

नई दिल्ली,2 मार्च (एजेंसियां)। भारत के रिटेल सेक्टर के साल 2034 तक बढ़कर 190 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका सबसे अधिक लाभ उन खुदरा विक्रेताओं को होगा जिनके पास देश की विविध जनसांख्यिकी और विपरीत उपभोक्ता व्यवहारों को अपनाने की क्षमता है। इस रिपोर्ट को बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने मिलकर तैयार किया है। इसमें कहा गया है कि अलग-अलग उपभोक्ता समूहों के साथ खुदरा विक्रेताओं को विभिन्न अवसरों को पहचानने और भारत में सफल होने के लिए तेजी से चयन करने की जरूरत होगी।भारत में खुदरा बाजार साल 2024 में 82 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह साल 2014 में 35 लाख करोड़ रुपये का था। पिछले दशक के दौरान देश का खुदरा क्षेत्र सालाना 8.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की आर्थिक वृद्धि तथा विविधता वाले उपभोक्ता आधार की वजह से खुदरा क्षेत्र तेजी से बढ़ा है।

कोविड-19 महामारी के समय को छोड़कर भारत की उपभोग वृद्धि का रुख अच्छा रहा है।

देसी-विदेशी कंपनियों में होड़

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय खुदरा क्षेत्र 2024-34 के दौरान सबसे ऊंची वृद्धि दर्ज करने के लिए तैयार है। इसमें कहा गया है कि भारतीय खुदरा क्षेत्र विशाल है और इसके 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने की उम्मीद है। यही वजह है कि देश और दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत के रिटेल सेक्टर पर अपना दबदबा कायम करने की कोशिश में लगी हैं। टाटा, रिलायंस और अडानी इस सेक्टर में बड़ा दांव खेल रहे हैं। सौधे ग्राहकों को सामान बेचने को रिटेल कहते हैं।

अमेरिका में 23 साल में पहली बार हुआ ऐसा, काम नहीं आ रही डोनाल्ड ट्रंप की कोई तरकीब

नई दिल्ली,2 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे और अंतिम कार्यकाल में अपने देश को फिर से महान बनाना चाहते हैं। इसके लिए वह एक के बाद एक ताबड़तोड़ कई फैसले ले रहे हैं। उनके फैसलों ने दुनिया के कई देशों की नींद हराम कर रखी है। लेकिन ट्रंप देश के बढ़ते कर्ज को रोकने में अब तक नाकाम रहे हैं। जनवरी में अमेरिका का नेट इंटरेस्ट पेमेंट फेडरल गवर्नमेंट के कुल रेवेन्यू का 18.7% पहुंच गया जो 1990 के दशक के बाद सबसे ज्यादा है। साल 1992 में यह 18.9% के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था और जनवरी में उससे केवल 20 बेसिस पॉइंट कम रह गया। यानी यह 23 साल के उच्चतम स्तर पर रहा। ब्याज का लागत बढ़ने से पिछले 18 महीनों में अमेरिका का नेट इंटरेस्ट पेमेंट दोगुना हो चुका है। पिछले 12 महीनों में अमेरिका का ब्याज भुगतान 1.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। अब फेडरल गवर्नमेंट का सोशल सिक्योरिटी बजट ही इससे ज्यादा रह गया है। यानी अमेरिका का डिफेंस, हेल्थ और दूसरे जरूरी कामों से ज्यादा पैसा कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए देना पड़ रहा है। माना जा रहा है कि अगर यही स्थिति रही और अमेरिका को मंदी का सामना नहीं करना पड़ा तो साल 2054 तक अमेरिका का नेट इंटरेस्ट पेमेंट फेडरल रेवेन्यू का 34% तक पहुंच सकता है। अमेरिका का कर्ज 36 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है जो देश की जीडीपी का करीब 125 फीसदी है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका का कर्ज पिछले 24 साल में छह गुना बढ़ गया है। साल 2000 में अमेरिका पर 5.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो अब 34.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है।

साल 2010 में यह 12.3 ट्रिलियन डॉलर और 2020 में 23.2 ट्रिलियन डॉलर था। यूएस कांग्रेस के बजट दस्तावेजों के मुताबिक अगले दशक तक देश का कर्ज 54 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। अमेरिका को रोजाना 1.8 अरब डॉलर ब्याज के भुगतान में खर्च करने पड़ रहे हैं।

पेटीएम को ईडी से मिला कारण बताओ नोटिस

611 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन से जुड़ा है मामला, कंपनी ने कहा- सर्विसेस पर कोई असर नहीं

नई दिल्ली, 2 मार्ट (एजेंसियां)। पेटीएम को फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट नियमों का उल्लंघन करने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी, ईडी से कारण बताओ नोटिस मिला है। यह मामला 2015 से 2019 के बीच 611 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन से जुड़ा है।611 करोड़ रुपए में से 345 करोड़ रुपए सब्सिडियरी कंपनी लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े निवेश लेनदेन से संबंधित हैं, जबकि 21 करोड़ रुपए नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े हैं। बाकी राशि पेटीएम की पेरेंट कंपनी एक97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़ा है।पेटीएम ने 2017 में दोनों कंपनियों का अधिग्रहण किया था।

पेटीएम ने कहा- सर्विसेस पर कोई असर नहीं

पेटीएम ने कहा है कि ये नोटिस 28 फरवरी 2025 को मिला है। ये उल्लंघन उस समय हुए थे जब ये कंपनियां वन97 कम्युनिकेशंस की सहायक कंपनियां नहीं थीं। पेटीएम ने बताया कि मामले का समाधान किया जा रहा है। पेटीएम की सर्विसेज पर इसका कोई असर नहीं हुआ है।

पेटीएम का शेयर एक साल में 70% चढ़ा

पेटीएम को मिले नोटिस की खबर का असर सोमवार को पेटीएम के शेयर पर दिख सकता है। शुक्रवार को पेटीएम का शेयर 1.59% की गिरावट के साथ 714 रुपए पर बंद हुआ था। एक साल में शेयर 70% बढ़ा है। वहीं इस साल शेयर में करीब 27% की गिरावट आई है।

पेटीएम को क्यू3एफवाई25 में 208 करोड़ का लॉस

पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में नेट लॉस 208 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में पेटीएम का घाटा 220 करोड़ रुपए था।अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 36% गिरकर 1,828 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही यानी, क्यू3एफवाई24 में यह 2,850 करोड़ रुपए था।

1999 में लाया गया था फेमा एक्ट

फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट यानी,एफईएमए को साल 1999 में एक पुराने अधिनियम एफईआरए (विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम) को बदलने के लिए पेश किया गया था। भारत में एफईएमए की शुरुआत का मुख्य उद्देश्य बाहरी व्यापार और भुगतान को सुविधाजनक बनाना था।फेमा में भारत के सभी विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए प्रक्रियाओं की रूपरेखा दी गई है।

शेयर बाजार से कमाई करने के सरकार के मंसूबों को लगेगा झटका, 50 फीसदी घट सकता है एसटीटी कलेक्शन

नई दिल्ली, 2 मार्ट (एजेंसियां)। शेयर बाजार में गिरावट के असर ब्रोकरेज और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कंपनियों के बिजनेस पर पड़ने लगा है. जीरोधा के सीईओ और सह-संस्थापक नितिन कामत ने कहा कि 15 वर्षों में पहली बार उनके बिजनेस में गिरावट देखने को मिली है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कामत ने कहा कि ट्रेडर्स की संख्या और कुल ट्रेडिंग वॉल्यूम में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है. नितिन कामत ने मुताबिक, सभी ब्रोकर्स के प्लेटफॉर्म पर ट्रेडिंग गतिविधि में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है. उन्होंने कहा कि 15 साल पहले बिजनेस की शुरुआत करने के बाद से लेकर अब तक पहली बार कारोबार में गिरावट देखने को मिली है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद से दुनिया के बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है. ट्रंप ने कहा कि मैक्सिको और कनाडा से आने वाले सामानों पर टैरिफ 4 मार्च से प्रभावी हो जाएंगे। इसके अलावा चीनी आयात पर टैरिफ को दोगुना कर 20 प्रतिशत कर दिया गया है. नितिन कामत के मुताबिक, ट्रेडिंग गतिविधियों में गिरावट का असर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) से सरकार की आय पर हो सकता है. उन्होंने कहा कि अगर यह ट्रेंड जारी रहता है तो वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एसटीटी कलेक्शन 40,000 करोड़ रुपये के नीचे रह सकता है, जो कि सरकार के अनुमान 80,000 करोड़ रुपये से 50 प्रतिशत कम है. कामत ने कहा कि उन्हें कोई आइडिया नहीं है कि मार्केट यहां से कहां जाएगा, लेकिन मैं ब्रोकिंग इंडस्ट्री के बारे में बता सकता हूं. हम ट्रेडर्स और वॉल्यूम दोनों में एक बड़ी गिरावट देख रहे हैं. 28 फरवरी के कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,414.33 अंक या 1.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,198 और निफ्टी 420.35 अंक या 1.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,124 पर था. फरवरी में बाजार का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है. 500 में से 450 निफ्टी शेयर लाल निशान में बंद हुए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणं • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-36
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त - 18-19
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी . 18-02 तक उपरान्त पंचमी
मास - फाल्गुन शुक्ल , सोमवार 03 March
नक्षत्र - रेवती 06-18 तक उपरान्त अश्विनी
योग - शुक्ल 08-56 तक उप ब्रह्म
करण- वणिज 07-30 तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ मे	कुंभ...	05-35 बजे
चंद्र-	मीन मे	मीन....	07-14 बजे
मंगल	मिथुन मे	मेष....	08-50 बजे
बुध-	मीन मे	वृष....	10-34 बजे
गुरु-	वृष मे	मिथुन..	12-34 बजे
शुक्र-	मीन मे	कर्क....	14-47 बजे
शनि-	कुंभ मे	सिंह....	17-00 बजे
राहु-	मीन मे	कन्या...	19-06 बजे
केतु-	कन्या मे	तुला....	21-11 बजे
		वृश्चिक..	23-21 बजे
		धनु.....	01-35 बजे
		मकर....	03-40 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:03 से 09:31 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:36 - 08:03 शुभ	चंचल	18:19 - 19:53 शुभ
काल	08:03 - 09:31 अशुभ	रोग	19:53 - 21:25 अशुभ
शुभ	09:31 - 10:59 शुभ	काल	21:25 - 22:56 अशुभ
रोग	10:59 - 12:28 अशुभ	लाभ	22:56 - 00:28 शुभ
उत्पात	12:28 - 13:57 अशुभ	उत्पात	00:28 - 01:59 अशुभ
चंचल	13:57 - 15:25 शुभ	शुभ	01:59 - 03:31 शुभ
लाभ	15:25 - 16:54 शुभ	अमृत	03:31 - 05:02 शुभ
अमृत	16:54 - 18:19 शुभ	चंचल	05:02 - 06:36 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

कार्यालय के लंबित काम आज आपको तनाव दे सकते हैं। आज आपको देर तक कार्यालय में काम करना पड़ सकता है । ये मुश्किल समय भी थोड़े समय के लिए है । पिछले सप्ताह की आपकी बोरियत और आलस्य आप पर आज नकारात्मक प्रभाव डालेगा । आप आज दूसरों के साथ सौम्य और विनम्र रहे अन्यथा आप विवाद में फँस सकते हैं। ऐसी स्थितियों से दूर रहे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी । आप न केवल आसानी से अपने सभी कार्यों का बोझ खत्म करने में सक्षम होंगे बल्कि अपने उत्सा को बडायेंगे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप संसाधनो से पूर्ण हैं और आज आप अगर गंभीरता से काम करते हैं तो धन कमाने का ऐसा अवसर आपको मिल सकता है जिसमे आपको ख़ुशी महसूस होती है । इस बात की भी संभावना है की आप कला की अभिरुचि को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नौकरी छोड़ सकते हैं । आपको विवेक से कार्य करना है , परन्तु अपने दिल की सुनने की वजह से आपके धन और वित्त पर कोई असर नहीं पडेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आप कुछ समय से एक बदलाव पर विचार कर रहे है। आज आप एक ऐसे अवसर को देखेंगे जो आपको आकर्षित करेगा । सक्रिय रहे और निर्णय ले । आपको एक साक्षात्कार कॉल भी मिल सकती है। आपके आत्मविश्वास और विषय ज्ञान के साथ, एक साक्षात्कार को उतीर्ण करना आपके लिए कभी समस्या नहीं रही है। तो, पहला कदम उठाइए और निर्णय ले । एक सार्वजनिक पहल है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपकी वित्तीय नियोजन और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाया है । जो लोग पहले आप पर शक करते थे और आपके निर्णय से सहमत नहीं होते थे , वे आपके तर्क और दूरदर्शिता की आपकी शक्तियों से प्रभावित होंगे । वित्तीय सफलता की इस अवधि का आप आनंद लें । आज आप विलासिता से संभंधित वस्तुओ पर व्यय कर सकते है , जो आप लम्बे समय से करना चाह रहे थे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है , जिससे सत्ता में बैठे अधिकारी का ध्यान आपकी तरफ आकर्षित होगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले। अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं, तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे, लेकिन आप एक बेहतर जीवन के लिए कल की दिशा में काम कर रहे हैं।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशो का पालन करने की कोशिश करे । आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है । वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा , हालाँकि आप खर्चीले साबित हो सकते है परन्तु तब भी अप्रत्याशित स्रोतों से आय का सृजन होता रहेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं और अगर सब कुछ ठीक रहता है तो आपको एक उन्नत पद पर पदोन्नत किया जा सकता है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज बड़ी और छोटी सफलताएं आपके कार्य क्षेत्र में दस्तख़त दे रही है । आपके द्वारा एक समय में प्रदान की गई सेवाओं के लिए आपको कुछ भुगतान प्राप्त हो सकता हैं या आपको एक अप्रत्याशित बोनस मिल सकता है। एक लंबे समय से जो पदोन्नति अटकी हुई थी वह आपको मिल सकती है या आपका पद उँचा हो सकता है और अलग से एक केबिन आपको मिल सकता है । बेरोजगार युवक या वे लोग जो अपनी मौजूदा नौकरी छोड़ना चाहते थे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हर साल 1 लाख से ज्यादा मर्द सुसाइड क्यों करते हैं?

पत्नी के अफेयर पर रोते हुए टीसीएस मैनेजर की लाइव फांसी

आगरा, 2 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आगरा के मानव शर्मा का आखिरी वीडियो तो आपने देख लिया होगा। सुसाइड से ठीक पहले गले में फंदा, आंखों में आंसू और लड़खड़ाती जुबान से उन्होंने मर्दों की प्रताड़ना का मुद्दा उठाया। 3 महीने पुराने अतुल सुभाष सुसाइड की तरह ये केस भी वायरल हो रहा है। शादी के महज 390 दिनों में मानव शर्मा ने सुसाइड क्यों किया, क्या मर्दों की आत्महत्या के मामले तेजी से बढ़ रहे और क्या इसकी वजह पत्नियां हैं; इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

आगरा के डिफेंस कॉलोनी में एयरफोर्स से रिटायर्ड नरेंद्र शर्मा अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। उनकी बेटी आकांक्षा दिल्ली में अपने ससुराल में रहती है और 30 साल का बेटा मानव शर्मा मुंबई में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस में जॉब करता था। पिता नरेंद्र के मुताबिक, 30 जनवरी 2024 को धूमधाम से मानव की शादी निकिता से हुई। शादी के बाद बेटा और बहू मुंबई में ही रहने लगे। 23 फरवरी 2025 को दोनों मुंबई से वापस आगरा आए। मानव उसी दिन निकिता को मायके छोड़ आया। 24 फरवरी की सुबह मानव ने घर पर ही फांसी लगा ली।

आगरा के एएसपी विनायक गोपाल के मुताबिक, 'हमें मिलिट्री हॉस्पिटल से सूचना मिली कि मानव नाम के एक व्यक्ति मृत अवस्था में लाया गया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाया। तब तक कोई तहरीर नहीं दी गई। बाद में उनकी बहन ने जब मानव का मोबाइल चेक किया तो उसमें एक वीडियो मिला और सुसाइड की वजहों का खुलासा हुआ।' पिता नरेंद्र ने आरोप लगाया, 'बहू बेटे से कहती थी कि घरवालों ने मेरी मर्जी के खिलाफ तुमसे शादी कर दी। मैं किसी और से प्यार करती हूं। मेरे कई बॉयफ्रेंड हैं, जिनके साथ मैं ऐशो आराम से जिंदगी जीना चाहती हूं।' मानव ने सुसाइड से पहले 6 मिनट 57 सेकेंड का एक वीडियो बनाया। इस वीडियो में मानव ने 4 प्रमुख बातें कही...

पत्नी का एक्सट्रा मैरिटल अफेयरः मानव ने अपनी पत्नी निकिता पर आरोप लगाते हुए कहा, 'मेरी वाइफ का किसी के साथ अफेयर है। कोई बात नहीं।' पत्नी की प्रताड़नाः मानव ने पत्नी निकिता पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देने के आरोप लगाए। मानव ने कहा, 'पापा सॉरी, मम्मी सॉरी, अक्कू (बहन आकांक्षा) सॉरी। मेरे जाते ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। कोई आदमी बचेगा ही नहीं, जिसके ऊपर तुम इल्जाम लगा सको।'

पुरुषों के खिलाफ बढ़ता अत्याचारः मानव ने कहा- मैं तो चला जाऊंगा। मर्दों की सोचो, प्लीज सोचो, मर्दों के बारे में कोई तो बात करे। बेचारे बहुत अकेले हैं।' लॉ एंड ऑर्डर से इंसाफ नहींः मानव ने कहा, 'मैं पहले भी सुसाइड की कोशिश कर चुका हूं। आज फिर कर रहा हूं। चलो ठीक है, अब जा रहा हूं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता किसी लॉ एंड ऑर्डर से।' इसके बाद वे रोने लगते हैं। आखिरी मिनट में हंसते हैं। आंसू पोंछते हुए कहते हैं, 'डोंट टच माई पेरेंट्स।'

मानव के सुसाइड के बाद पत्नी निकिता ने भी एक वीडियो जारी किया। 2.52 मिनट के वीडियो में निकिता ने कहा, मानव ने पहले भी तीन बार फांसी लगाने की कोशिश की थी। एक बार मैंने खुद फंदा काटकर उन्हें बचाया था। बचाने के बाद मैं उन्हें आगरा लेकर आई। वह मुझे खुशी-खुशी घर पर छोड़कर गए थे। यह कहना गलत है कि मर्दों की कोई नहीं सुनता।

निकिता आगे कहती हैं कि वह मुझसे मारपीट करते थे। ड्रिंक भी करते थे। मैंने उनके माता-पिता को यह बात बताई, लेकिन उन्होंने कहा- तुम दोनों पति-पत्नी आपस में समझो, तीसरा कोई नहीं आएगा। जिस दिन उन्होंने ये कदम उठाया, उस दिन मैंने उनकी बहन को बताया, लेकिन उन्होंने इसे इग्नोर कर दिया। जिस दिन मानव की डेड बॉडी आई, मैं उनके घर गई थी, लेकिन दो दिन बाद उन्होंने मुझे धक्के मारकर भगा दिया। सुसाइड वाली रात निकिता और मानव की बहन के चैट भी वायरल हो रहे हैं। इसमें निकिता कहती है कि वो कुछ कर लेंगे। बहन जवाब देती है सो जाओ।

2023 में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता महेश कुमार तिवारी ने एक याचिका दायर की। इसमें उन्होंने राष्ट्रीय पुरुष आयोग की स्थापना की मांग की। यह आयोग घरेलू हिंसा के शिकार विवाहित पुरुषों के बढ़ते आत्महत्या के मामलों से निपटने के लिए काम करेगा। महेश कुमार ने भारत में आकस्मिक मौतों पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट का हवाला दिया। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में देशभर में 1.64 लाख से ज्यादा लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 81 हजार से ज्यादा लोग विवाहित पुरुष थे और लगभग 28 हजार विवाहित महिलाएं थीं। इस रिपोर्ट में बताया गया कि 2021 में लगभग 33.2% पुरुषों ने पारिवारिक समस्याओं और 4.8% ने वैवाहिक समस्याओं की वजह से आत्महत्या की।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2015 से 2022 यानी बीते 8 सालों में 8.09 लाख से ज्यादा पुरुषों ने सुसाइड किया। यानी हर साल करीब 1 लाख से ज्यादा पुरुष सुसाइड करते हैं। जबकि हर सुसाइड करने वाली महिलाओं की संख्या 43,314 यानी पुरुषों की तुलना में आधी से भी कम हैं।

2022 का एग्जांपल लेते हैं। इस साल कुल 1 लाख 70 हजार पुरुषों ने आत्महत्या की। इनमें शादीशुदा पुरुषों की संख्या 83,713 थी। 2022 में 1.70 लाख सुसाइड में सबसे ज्यादा 21.7% यानी 37 हजार 587 पुरुषों की आत्महत्याओं की वजह पारिवारिक समस्याएं थीं। NCRB पारिवारिक समस्याओं को डिफाइन नहीं करता. इसमें लड़ाई-झगड़े, मानसिक उत्पीड़न, शारीरिक उत्पीड़न और विवाद जैसी चीजें शामिल हो सकती हैं।

2022 में महज 3.28% यानी 5,576 पुरुषों ने शादी में अनबन की वजह से सुसाइड किया। इसमें दहेज विवाद, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स, तलाक और शारीरिक उत्पीड़न जैसी चीजें शामिल हैं। यानी पुरुषों की आत्महत्या के पीछे शादियों पर जितना हल्ला मचता है, आंकड़ों में वो उतनी बड़ी वजह नहीं है।

एनसआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, कुल 1.70 लाख आत्महत्या करने वाले पुरुषों में 58.2% ने फांसी लगाकर, 25.4% ने जहर खाकर, 5% ने पानी में डूबकर और 2.9% ने चलती गाड़ियों और ट्रेनों के नीचे आकर आत्महत्या की।

भारतीय कानून में दहेज लेना और देना दोनों ही अपराध है। इसके लिए इंडियन पीनल कोड (IPC) की धारा 498A के तहत केस दर्ज किया जाता था। IPC बदलकर BNS हुई तो ये प्रावधान अब धारा 85 और 86 में हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वैवाहिक जीवन में सिर्फ दहेज की वजह से प्रॉब्लम नहीं होती। कई अन्य वजहों से भी विवाद हो सकते हैं। जैसे- किसी की सास-ससुर से नहीं बनती या पति ज्यादा वक्त नहीं दे पाता। इसके लिए कानून में अलग से कोई रेमेडी नहीं है, इसलिए सबक सिखाने के लिए दहेज प्रताड़ना के तहत मुकदमा लिखवा दिया जाता है। इसके प्रावधान बेहद सख्त हैं। इन मामलों में महिला को आरोपों का सबूत नहीं देना पड़ता। केस दर्ज होने के बाद प्रूफ ऑफ बर्डेन पुरुषों पर होता है यानी उसे खुद अपनी बेगुनाही साबित करनी पड़ती है। 10 दिसंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने एक केस की सुनवाई के दौरान कहा कि महिलाएं धारा 498A का दुरुपयोग कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कभी-कभी पत्नी की गलत मांगों को पूरा करने के लिए पति और उसके परिवार वालों के खिलाफ IPC की धारा 498A का सहारा लिया जाता है, इसको देखते हुए कोर्ट ने पहले भी चेतावनी दी है कि बिना किसी ठोस सबूत के घरेलू उत्पीड़न के आरोप किसी क्रिमिनल केस का आधार नहीं बन सकते।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने तो यहां तक कहा कि धारा 498A का दुरुपयोग कर महिलाओं ने 'लीगल टेरर' यानी कानूनी आतंक मचा रखा है। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को एडल्ट्री भी कहते है। यानी एक शादीशुदा इंसान अपने पति या पत्नी के अलावा किसी गैर पुरुष या स्त्री के साथ संबंध बनाता या बनाती है। भारतीय दंड संहिता की धारा 497 में इसे जुर्म बताया था। लेकिन 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को खत्म कर दिया क्योंकि इसमें सिर्फ महिलाओं के लिए एडल्ट्री को अपराध माना गया था।

एक्सट्रा मैरिटल अफेयर पर अब भी कानूनी एक्शन लिया जा सकता है। पति या पत्नी अपने पार्टनर के खिलाफ स्पेशल मैरिज एक्ट, हिंदू मैरिज एक्ट और डिजोल्यूशन ऑफ मुस्लिम मैरिज एक्ट के तहत तालाक ले सकते हैं। तलाक की कार्यवाही के दौरान एक्सट्रा मैरिटल अफेयर सबूत के रूप में भी पेश किया जा सकता है। एडवोकेट अश्विनी दुबे का कहना है, 'मानव के पास निकिता को तलाक देने का भी विकल्प था। उन्हें आत्महत्या का रास्ता नहीं चुनना चाहिए था, लेकिन उस समय उनकी मानसिक स्थिति कैसी थी, यह कह पाना मुश्किल है।' अश्विनी दुबे का कहना है, 'मानव ने सुसाइड वीडियो में पत्नी निकिता पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के आरोप लगाए। पुलिस इन आरोपों की छानबीन करेगी। अगर निकिता दोषी पाई जाती हैं तो उन्हें सिर्फ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा चलेगा। निकिता को BNS की धारा 108 के तहत 10 साल की जेल और जुर्माने की सजा हो सकती है।'

अश्विनी दुबे ने कहा, देश में वुमेन सेंट्रिक लॉ की वजह से एडल्ट्री और महिलाओं के उत्पीड़न को लेकर कोई कानून नहीं है। इस वजह से निकिता इन आरोपों से बच जाएंगी। अश्विनी दुबे का मानना है कि देश में अब जेंडर न्यूट्रल लॉ की जरूरत आ गई है। बीते कुछ वक्त में देश में पुरुषों पर उत्पीड़न के मामले तेजी से बढ़े हैं। अब पुरुष अपनी पत्नियों से प्रताड़ित होकर सुसाइड कर लेते हैं। हाल ही में बेंगलुरु के अतुल सुभाष का केस भी ऐसा ही था। अश्विनी दुबे का कहना है, 'धारा 498A का जिस तरह दुरुपयोग बढ़ रहा है, इससे आने समय में बुरे नतीजे देखने को मिल सकते हैं। जेंडर न्यूट्रल लॉ आने से झूठे केसों और उत्पीड़न के मामलों में कमी आएगी। फिर दहेज प्रताड़ना, मानसिक उत्पीड़न, यौन शोषण और मारपीट जैसे झूठे केस दर्ज नहीं हो सकेंगे।'

बिना नेता प्रतिपक्ष के आज सदन में पेश होगा बजट

चेहरे को लेकर भाजपा असमंजस में; जानें कब लगेगी मुहर

रांची, 2 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव संपन्न हुए तीन महीने से अधिक हो गए हैं, लेकिन अब भी राज्य की मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष के नाम पर सस्पेंस जारी रखा है। बता दें कि झारखंड विधानसभा में बजट सत्र प्रारंभ हो चुका है। कल (3 मार्च 2025) को राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा बजट पेश किया जाएगा, लेकिन विडंबना की बात ये है कि इस बार बिना नेता प्रतिपक्ष के बजट पेश किया जाएगा। कई बैठकें होने के बावजूद भी नेता प्रतिपक्ष को चुना ही नहीं गया है। हालांकि सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि अप्रैल तक नया प्रदेश अध्यक्ष मिलेगा, इसके बाद नेता प्रतिपक्ष चुना जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष जता चुके हैं नाराजगी

बजट सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष का न होना राज्य की राजनीति में बयानबाजी का कारण भी बन गया है। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि विधानसभा को सुचारु रूप से चलाने में नेता प्रतिपक्ष का भी अहम योगदान रहता है। संवैधानिक नियम के अनुसार विधानसभा की कार्यवाही में नेता प्रतिपक्ष का होना अनिवार्य है।

केंद्रीय कमेटी द्वारा निर्णय लेने में हो रही देरी

भाजपा की केंद्रीय कमेटी भी प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष को चुनने में देरी कर रही है। विधानसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद झारखंड में कई केंद्रीय नेता आ चुके हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष का चयन अब तक नहीं हो पाया है।

कई नेताओं के नाम की चर्चा

प्रदेश भाजपा द्वारा नेता प्रतिपक्ष चुना नहीं गया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कुछ वरिष्ठ नेताओं के नाम की चर्चा चल रही है। सर्वप्रथम भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व में मंत्री और विधानसभा स्पीकर साथ ही वर्तमान रांची विधायक सीपी सिंह का नाम जोरों से चर्चा में है। कहा जा रहा है कि उनके अनुभव और पार्टी के प्रति कर्मठता को देखते हुए उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। नेता प्रतिपक्ष के लिए दूसरा नाम नीरा यादव है, जिनको लेकर कहा जा रहा है कि पार्टी अगर किसी महिला को नेता प्रतिपक्ष बनायेगी तो वह नीरा यादव होंगी।

नीरा यादव कोडरमा विधानसभा से विधायक हैं। वहीं, ओबीसी समाज से आने वाले नवीन जायसवाल भाजपा के वरिष्ठ विधायकों में से एक माने जाते हैं। हटिया विधानसभा से जीत हासिल करने वाले नवीन जायसवाल ओबीसी समाज का वोट भाजपा को दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए माना जा रहा भाजपा इनके नाम पर भी मोहर लगा सकती है।

'विधानसभा लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर'

प्रबोधन-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोले सीएम हेमंत सोरेन

रांची, 2 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में षष्ठम-झारखंड विधानसभा के सभी सदस्यों के लिए प्रबोधन-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्य रूप से शिरकत की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो, उपसभापति राज्यसभा हरिवंश, संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नव निर्वाचित विधायकों को संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी देना और उन्हें उनके कर्तव्यों और दायित्वों से अवगत कराना था। साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों को सदन में उनके प्रभावी योगदान के लिए प्रशिक्षित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है, जहां बिना किसी भेदभाव के सभी जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि इस सदन में जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी रूप से उठाने की जिम्मेदारी सभी विधायकों की होती है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लोकतांत्रिक मूल्यों की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यह सदन किसी एक धर्म, जाति या समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सभी नागरिकों के अधिकारों और उनकी समस्याओं को उठाने का सर्वोच्च मंच है। उन्होंने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। इस सदन में आने वाले सभी सदस्य अपने अनुभव से सीखते हैं और जनता की आकांक्षाओं को सदन में रखते हैं। हमारी सरकार दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। हम सबको मिलकर इस राज्य को समृद्ध और विकसित बनाने के लिए कार्य करना होगा।

झारखंड विधानसभा द्वारा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य नए विधायकों को संसदीय कार्यशैली से अवगत कराना और उन्हें विधायी प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षित करना है। विधानसभा की कार्यवाही में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अहम भूमिका होती है, ऐसे में विधायकों को यह समझना आवश्यक होता है कि वे किस प्रकार सदन की कार्यवाही में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने विधायकों को बताया कि सवाल कैसे पूछें, बिलों पर चर्चा कैसे करें और सदन में अनुशासन बनाए रखते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी तरीके से कैसे उठाया जाए।

इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो, संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर, झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव मानिक लाल हेंब्रम और पी. आर. एस. चक्षु राय सहित कई वरिष्ठ नेता और विशेषज्ञ मौजूद रहे। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम विधायकों को अधिक प्रभावी, जिम्मेदार और जागरूक जनप्रतिनिधि बनाने में मददगार साबित होते हैं।

वहीं, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड की लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे।

बिल्डिंग की 11वीं मंजिल से कूदकर लड़की ने दी जान

रायपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर में एक किशोरी ने एश्वर्या एंपायर की 11वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। किशोरी की पहचान आहना जैन के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया है कि आहना की एक्टिवा की डिक्की से गिफ्ट आयटम बरामद हुए हैं।

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर। खम्हारडीह थाना क्षेत्र के एश्वर्या एंपायर में एक किशोरी ने 11वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली है। किशोरी की पहचान आहना जैन के रूप में हुई है, जो डीडी नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। आहना घर से बाहर गई थी और देर रात तक वापस नहीं लौटी। आहना के पिता मनोज जैन ने अपनी बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट डीडीनगर थाने में दर्ज कराई थी। इस दौरान पुलिस को ऐश्वर्या एंपायर में एक लड़की द्वारा आत्महत्या करने की सूचना मिली। मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने पर यह पता चला कि आहना उसी बिल्डिंग के पास थी। इसके बाद आहना के परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें बेटी के आत्महत्या करने की जानकारी मिली।

सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि आहना 3 से 3:30 बजे के बीच एश्वर्या एंपायर की कॉलोनी में पहुंची थी और करीब आधे घंटे तक इधर-उधर घूमती रही। उसके बाद वह 11वीं मंजिल तक गई, जहां वह किसी से फोन पर बात करते हुए दिखी। फिर शाम 7:47 बजे उसने छत से कूदकर अपनी जान दे दी।

गाड़ी की डिक्की से गिफ्ट आयटम मिले

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और बताया है कि आहना की एक्टिवा की डिक्की से गिफ्ट आयटम बरामद हुए हैं, जिससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि वह किसी दोस्त के जन्मदिन में शामिल होने आई थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना एक विवाद के कारण हो सकती है, लेकिन अभी तक किसी युवक के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

डीजीपी के आदेश से झारखंड पुलिस में हड़कंप

लापरवाह और अपराधियों से जुडे पुलिसकर्मियों की होगी पहचान

रांची, 2 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता द्वारा हाल ही में जारी एक सख्त आदेश ने झारखंड पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। यह आदेश उन पुलिसकर्मियों को चिन्हित करने के लिए जारी किया गया है, जो अपने कर्तव्य का सही तरीके से पालन नहीं कर रहे हैं या जिनके संबंध माफियाओं और अपराधियों से जुड़े हैं। डीजीपी अनुराग गुप्ता के इस आदेश का उद्देश्य झारखंड पुलिस की छवि को सुधारना और पुलिस बल की कार्यक्षमता को बढ़ाना है। झारखंड पुलिस पर अक्सर आरोप लगते रहे हैं कि कई पुलिसकर्मी ड्यूटी से गायब रहते हैं, जबकि कुछ भू-माफियाओं और अपराधियों से मिलीभगत रखते हैं। इन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए अब ऐसे पुलिसकर्मियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी अनुराग गुप्ता के अनुसार, यह कदम झारखंड पुलिस की छवि को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए पुलिस बल में अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा आवश्यक है। इस आदेश के बाद पुलिस मुख्यालय ने राज्य भर के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में ऐसे पुलिसकर्मियों की पहचान कर रिपोर्ट तैयार करें। इस फैसले के बाद पुलिस विभाग में खलबली मच गई है। कई पुलिसकर्मी जो लापरवाह रहे हैं या जिन पर संदेह है, अब खुद को बचाने के प्रयास में लगे हुए हैं। वहीं, ईमानदार और कर्तव्यपरायण पुलिसकर्मियों ने इस फैसले का स्वागत किया है, क्योंकि इससे पुलिस विभाग में पारदर्शिता और अनुशासन बढ़ेगा।

कोरबा में एक ही परिवार के चार लोगों को फूड प्वाइजनिंग

खाना खाने के बाद बिगड़ी सभी की तबीयत

कोरबा, 2 मार्च (एजेंसियां)। कोरबा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र बरपाली तुरिधाम नगरदा गांव में एक ही परिवार के चार लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए। इस घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया और सभी को कोरबा के जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जहां सभी का उपचार जारी है।

बताया जा रहा है कि 50 वर्षीय प्यारेलाल का परिवार निवास करता है, जहां घर पर उसकी पत्नी और दो बेटी समेत एक दामाद साथ में रहता है। खाने के बाद सभी की एक के बाद एक तबीयत बिगड़ने लगी।

उल्टी और चक्कर आने लगे, कमजोरी महसूस होने लगी। उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था। जब सभी की तबीयत बिगड़े पर उन्हें अंदेशा हुआ कि खाने या पीने में कुछ हुआ होगा। इस दौरान पीने वाले पानी के टब में देखा तो छिपकली मरी हुई पड़ी थी। उसके बाद घर पर हड़कंप मच गया और आसपास लोगों को इसकी जानकारी दी गई सभी को एंबुलेंस के माध्यम से कोरबा के जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया गया।

बताया जा रहा है कि 50 वर्षीय प्यारेलाल उसकी पत्नी 48 वर्ष की कलाबाई 32 वर्षीय बेटी दिल बाई और 35 वर्षीय दामाद रथराम ने एक साथ भोजन किया था।

वहीं प्यारेलाल की एक बेटी ने खाना नहीं खाया था और न ही पानी पिया था, जिससे वह सुरक्षित थी। डॉक्टर ने बताया है कि सभी खतरे से बाहर है समय रहते सभी का उपचार शुरू कर दिया गया था।

लापता ग्रामीण का मिला कंकाल

अलग-अलग जगह मिले टुकड़े, जांच में जुटी पुलिस

कोरबा, 2 मार्च (एजेंसियां)। कोरबा के उरगा थाना अंतर्गत साजापानी गांव के जंगल में एक खेत से नरकंकाल बरामद होने से सनसनी फैल गई। शव के टुकड़े अलग-अलग स्थानों पर बिखरे मिले, जबकि पास रखे पैरा में खून के निशान भी पाए गए। पुलिस ने मृतक की पहचान बुधवार सिंह (40) पिता साहेततर मांझी के रूप में की है, जो चुनाव से चार दिन पहले लापता हो गया था।

बुधवार सिंह मजदूरी करता था और नशे का आदी था। चुनाव के एक दिन पहले से लापता था उसकी पहली पत्नी की मौत हो चुकी थी और उससे एक बेटा है, जो मजदूरी के लिए बाहर गया हुआ है। दूसरी पत्नी दो महीने पहले उसे छोड़कर चली गई थी, जिससे वह अकेले रह रहा था। गांव के ठंडाराम नामक चरवाहे ने खेत में नर कंकाल देखा। उसने मृतक के भतीजे शोभाराम को इसकी जानकारी दी। शोभाराम ने जब मौके पर जाकर देखा, तो उसने तुरंत गांव के कोटवार जगमोहन को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई।

उरगा थाना प्रभारी युवराज तिवारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाया गया। एसपी और सीएसपी कोरबा भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव की पहचान कपड़ों के आधार पर करवाई गई है। घटनास्थल पर मिले सबूतों से मामला संदिग्ध लग रहा है। शव के टुकड़े अलग-अलग जगह पाए जाने और पास में खून के निशान मिलने से पुलिस हत्या की आशंका से इनकार नहीं कर रही है। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए इमरान खान ने मांगी वैश्विक मदद

बलूचिस्तान में जेयूआई के दो नेताओं की हत्या

इस्लामाबाद, 2 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल को लेकर जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान ने वैश्विक नेताओं से मदद मांगी है। एक लेख में पूर्व पीएम ने पाकिस्तान में लोकतंत्र, मानवाधिकारों और क्षेत्रीय स्थिरता की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय खासकर अमेरिका से मदद का आह्वान किया है।

एक पत्रिका में प्रकाशित लेख में पूर्व पीएम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जीत की बधाई दी है। साथ ही लिखा है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ आर्थिक साझेदारी, स्थिरता को बढ़ावा देने, संघर्ष और उग्रवाद को जन्म देने वाली स्थितियों को रोकने के लिए काम करेगा। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि लेख इमरान ने लिखा भी है या नहीं और यह पत्रिका तक कैसे पहुंचा?

लेख में इमरान खान ने पाकिस्तान में लोकतंत्र खत्म होने पर चिंता जताई है। उन्होंने मौजूदा दौर को देश के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण दौर बताया। उन्होंने

कहा कि मुझे जेल भेजना और मुझ पर लगे आरोप, लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति उनकी वकालत को दबाने का राजनीतिक प्रयास था। इमरान ने लिखा कि मेरा संघर्ष व्यक्तिगत नहीं था, बल्कि लोकतंत्र से संबंधित था।

पूर्व पीएम खान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस संकट से निपटने की तत्काल आवश्यकता को समझना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण आतंकवाद-रोधी प्रयासों से संसाधनों को हटाने के लिए सरकार की आलोचना की। खान ने आरोप लगाया कि न्यायपालिका राजनीतिक उत्पीड़न का साधन बन गई है।

एक टीवी शो में विदेश मामलों पर सीनेट की स्थायी समिति के अध्यक्ष इरफान सिद्दीकी ने कहा कि पीटीआई के भविष्य को लेकर कुछ भी नहीं कहा जा सकता। पीटीआई गठबंधन का सुझाव दे रही है, साथ ही सविनय अवज्ञा का आह्वान कर रही है। पत्र भेज रही है और पत्रिका में विस्फोटक लेख प्रकाशित कर रही है।

बलूचिस्तान में दो नेताओं की हत्या

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में शनिवार को जमीयत उलेमा ए इस्लाम पार्टी के दो नेताओं की हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि इस्लामी कट्टरपंथी राजनीतिक दल के स्थानीय नेता वडेरा गुलाम सरवर और मौलवी अमानुल्लाह जब खुजदार जिले के जेहरी इलाके में जा रहे थे तब बाइक सवार बदमाशों ने उन पर गोलियां चला दीं। गोली लगने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हत्यारे मौके पर भाग गए। पुलिस ने कहा कि किसी समूह ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है।

लाखों लोगों के निर्वासन में तेजी लाना चाहते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन, 2 मार्च (एजेंसियां)। ट्रंप प्रशासन ने अवैध प्रवासियों के निर्वासन को तेज करने के लिए संघीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उन आप्रवासी लोगों की पहचान करें जिन्हें अदालत की सुनवाई के बिना अमेरिका से तेजी से हटाया जा सकता है। यह जानकारी वॉशिंगटन पोस्ट की ओर से देखे गए एक आंतरिक ज्ञापन से मिली है। यह ज्ञापन अमेरिका की इमिग्रेशन और कस्टम्स एन्फोर्समेंट में 18 फरवरी को वितरित किया गया था, जिसमें एजेंसी की नवीनतम रणनीति का विवरण है।

इस ज्ञापन के अनुसार, राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के दौरान अमेरिका में आए एक मिलियन से ज्यादा प्रवासियों को 'त्वरित निर्वासन' की प्रक्रियाओं के लिए चिह्नित किया जा सकता है। प्रवासियों को तेजी से निर्वासित किया जा सकता है अगर वे सीमा पर अवैध रूप से प्रवेश करते हैं या बिना शरण के आवेदन किए अमेरिका में प्रवेश करते हैं। कानूनी रूप से अमेरिका में प्रवेश करने वाले प्रवासियों को भी निशाना बनाया जा सकता है अगर उनके पास आव्रजन दस्तावेज नहीं हैं या उन्होंने अपनी पहचान गलत बताई है।

पूर्व ICE अधिवक्ता पॉल हंकर ने कहा, ₹यह ICE को उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति दे रहा है जो यहां लंबे समय से हैं।₹ ज्ञापन ने सुझाव दिया है कि ICE उन प्रवासियों को फिर से गिरफ्तार करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है जिन्हें पहले रिहा किया गया था।

इस ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि ऐसे प्रवासियों को, जिन्हें न्यायालय ने उनके गृह देश में प्रताड़ना या यातना का खतरा मानते हुए सुरक्षा प्रदान की थी, किसी अन्य देश में निष्कासन पर विचार किया जाना चाहिए।

इमिग्रेशन अधिवक्ताओं ने इस ज्ञापन की निंदा की है और इसे असंवैधानिक बताया है। प्रवासियों के अधिकारों के लिए काम करने वाले वकील ली गेलर्ट ने कहा, ₹यह प्रशासन प्रक्रियाओं को समाप्त कर रहा है जो हमारे देश के ताने-बाने में बसी हुई हैं।₹ ट्रंप के प्रशासन का यह कदम अमेरिका में प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई को और तेज करने का संकेत है और इसके खिलाफ कानूनी चुनौतियों की उम्मीद की जा रही है।

भारतीय संस्कृति का किया सम्मान तो भड़के अमेरिकी

बताया एंटी अमेरिकन, कहा- कभी गवर्नर नहीं बन सकते

वॉशिंगटन, 2 मार्च (एजेंसियां)। हाल ही में वॉइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हुई चर्चित मुलाकात में यूक्रेन के राष्ट्रपति को इसलिए भी आलोचना सुननी पड़ी थी क्योंकि वह सूट पहनकर ट्रंप से नहीं मिले थे। ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ प्रेस से सामना करते समय तो एक अमेरिकी पत्रकार ने जेलेंस्की से सूट न पहनने को लेकर सवाल ही पूछ लिया था। अब ट्रंप के सहयोगी और अमेरिकी राष्ट्रपति पद की रेस में शामिल रहे भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को लेकर विवाद शुरू किया गया है। रामास्वामी पर एंटी अमेरिकन कल्चर को बढ़ावा देने का आरोप लगा है।

विवेक रामास्वामी का एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें अपने घर पर नंगे पैर इंटरव्यू देते दिखाया गया है। इसके लिए भारतीय अमेरिकी उद्यमी रामास्वामी को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। विवेक रामास्वामी के अपने घर में नंगे पैर बैठने को 'असभ्य और 'एंटी अमेरिकन' कहा जा रहा है।

हालांकि, जिस इंटरव्यू के लिए उन्हें निशाने पर लिया गया है, वह

पिछले साल का है। सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही फोटो के साथ एक यूजर ने लिखा, 'विवेक कभी भी ओहायो के गवर्नर नहीं बनेंगे। यह अमेरिका के लिए अस्वीकार्य है।' एक अन्य यूजर ने कहा कि विवेक को कम से कम मोजे तो पहनने की चाहिए थे। उसने लिखा, शायद जब आप दुनिया के सबसे शक्तिशाली साम्राज्य में किसी पद के लिए इंटरव्यू दे रहे हों, तो कम सेकम मोजे तो पहने ही होंगे। है ना?

एक अन्य यूजर लिखा कि नंगे पांव रहकर हमें शिक्षा पर व्याख्यान देना कितना 'असभ्य' था। हालांकि, हर कोई उनकी आलोचना ही नहीं कर रहा है। कुछ यूजर्स विवेक के बचाव में भी आए। इयान माइल्स चियोंग ने विवेक की नंगे पैर होने पर आलोचना को 'सबसे मूर्खतापूर्ण तर्क' करार दिया। उन्होंने ये भी कहा कि नंगे पैर अपने घर में जाना एंटी-अमेरिकन नहीं है। 'मुझे लगता है कि बहुत से लोग सिटकॉम देखते हुए बड़े हुए हैं, जहां वे बिस्तर पर अपने जूते पहनते हैं।

कुछ दूसरे यूजर्स ने बताया कि घरों के अंदर जूते उतारना एक सांस्कृतिक बात है, जिसमें दक्षिण और पूर्वी एशिया भी शामिल है। एक यूजर ने लिखा, लगभग सभी भारतीय अपने घरों में नंगे पैर चलते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यर सिर्फ एक सांस्कृतिक बात है। एक दूसरे यूजर्स ने कहा, 'भारतीय परंपरा में किसी के घर में प्रवेश करने से पहले जूते उतारने की प्रथा है। इसे सम्मान और स्वच्छता का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि यह बाहर से गंदगी और कीटाणुओं को घर में आने से रोकता है। इस प्रथा का व्यापक रूप से पालन किया जाता है।'

अमेरिका की मशहूर पोर्न स्टार पहुंच गई अफगानिस्तान

तालिबान की नाक के नीचे घूमी, पीछे छोड़ा रहस्यमयी सवाल

काबुल, 2 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी पोर्न स्टार व्हिटनी राइट ने अफगानिस्तान की यात्रा की है। राइट ने अपनी यात्रा की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एरियाना एयरलाइन का विमान, हेरात शहर की एक छत, सुपरमार्केट के सामान और गाड़ियां दिखाई दे रही हैं। राइट ने ऐसे समय अफगानिस्तान की यात्रा की है, जब वहां तालिबान सत्ता पर काबिज है। अमेरिका के काबुल से जाने और तालिबान के अफगानिस्तान में सत्ता में आने के बाद से महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगे हैं। अफगानिस्तान में महिलाओं के सीमित अधिकारों को देखते हुए राइट का अफगानिस्तान जाना चर्चा का सबब बन रहा है।

अफगानिस्तान इंटरनेशनल वेबसाइट के मुताबिक, अमेरिकी एडल्ट स्टार व्हिटनी राइट ने शनिवार को अफगानिस्तान के राष्ट्रीय उद्यान बंद-ए-आमिर में घूमने का वीडियो शेयर किया है। तालिबान के अफगान महिलाओं के पार्क में प्रवेश पर बैन के 18 महीने बाद उनकी यह यात्रा हुई है। राइट ने

अफगान शहरों की कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं, हालांकि वह इन तस्वीर में खुद दिखाई नहीं दे रही हैं। अफगानिस्तान इंटरनेशनल ने राइट से उनकी यात्रा के समय और उद्देश्य के बारे में पूछने के लिए संपर्क किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। तालिबान से भी इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं आई है।

ईरान, लेबनान भी गई थीं राइट

अमेरिकी एडल्ट स्टार राइट अपनी विदेश यात्राओं के लिए चर्चा बटोरती रही हैं। वह खासतौर से ऐसे देशों में जाती रही हैं, जहां महिलाओं को सरकार पूरे अधिकार नहीं देती हैं। वह पिछले साल ईरान भी गई थीं। राइट ने हाल के वर्षों में इराक, सीरिया और लेबनान की भी यात्रा की है। इसके लिए सोशल मीडिया पर उनको तारीफ भी मिलती रही है। हालांकि उनके अफगानिस्तान दौरे पर कई सवाल हैं क्योंकि काबुल और अमेरिका के संबंध भी बहुत अच्छे नहीं हैं।

इजरायल के जानी दुश्मन को रूस ने बेचा घातक लड़ाकू विमान

तेहरान, 2 मार्च (एजेंसियां)। क्या इस्लामिक देश ईरान अपने सबसे बड़े दुश्मन इजरायल को करारा झटका देने की तैयारी में है? डिफेंस की दुनिया में तैर रही रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान रूस से घातक मल्टीरोल एसयू-35 खरीदकर अपने एयरफोर्स के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने की तैयारी कर रहा है। हालांकि अभी तक इस रिपोर्ट की पुष्टि ना ही ईरान और ना ही रूस की तरफ से की गई है। लेकिन ईरानी टेलीग्राम चैनल 'डिफेंडर ईरान' की एक सीक्रेट पोस्ट में संकेत दिया गया है कि ₹लगता है कि हमें 19 मार्च को एक आश्चर्य का इंतजार करना चाहिए!

इस पोस्ट के साथ एक धुंधली तस्वीर भी है जो एसयू-35 की तरह दिखता है। इन अटकलों को 2024 की अंत में आई एक रिपोर्ट से हवा मिलती है, जिसमें एक जर्मन न्यूजपेपर की रिपोर्ट में कहा गया था कि ₹पिछले साल रूसी कार्गो उड़ान के जरिए तेहरान में एसयू-35 फाइटर जेट पहुंचाया गया है।₹ ईरानी एयरफोर्स काफी पुरानी हो चुकी है और अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से ईरान के लिए अपने विमानों का मेंटिनेंस करना काफी मुश्किल हो गया है। ऐसे में आशंका लंबे वक्त से लगाई जा रही थी कि ईरान, रूसी लड़ाकू विमानों को अपने बेड़े में शामिल कर सकता है। हालांकि इस बारे में फिलहाल पुख्ता तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है।

गलबाहियां करते रहे ट्रंप और पुतिन ने दिया 440 वोल्ट का झटका!

क्या ईरान ने खरीद लिया रूसी लड़ाकू विमान?

इन अटकलों को 19 मार्च की तारीख होने से भी बल मिलता है। 19 मार्च ईरान के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक खास महत्व रखता है। ये फारसी नववर्ष नवरोज की पूर्व संध्या पर पड़ रहा है, जो वसंत विषुव से शुरू होता है। ये तारीख चुनना ईरान के राष्ट्रीय गौरव की अवधि के साथ मेल खाता है। पारसी परंपरा के मुताबिक नौरोज ईरान का सबसे प्रिय अवकाश माना जाता है और यह वह समय है, जब परिवार पुनर्जन्म और उज्जवल दिनों के वादे का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं। इस्लामिक गणराज्य के लिए, इस त्यौहार से ठीक पहले एक सैन्य प्रदर्शन किया जाता है, जिसमें अगर Su-35 का प्रदर्शन किया गया तो यही माना जाएगा कि ईरान ना सिर्फ अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है, बल्कि रूस के साथ उसका घातक लड़ाकू विमानों के लिए समझौता हो गया है।

इस्लामिक देश ईरान ने इतिहास में भी इस तारीख को अपनी शक्ति प्रदर्शन के लिए दिखाने की कोशिश की है। 2019 में उसने इस तारीख को बावर-373 एयर डिफेंस सिस्टम का अनावरण किया था। हालांकि एसयू-35 को लेकर अभी तक आधिकारिक तौर पर चुप्पी बनी हुई है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर SU-35 वाकई ईरानी एयरफोर्स में शामिल हो जाता है कि ये लड़ाकू विमान ईरान की शक्ति को कई गुना बढ़ा देगा। ये ईरान को आक्रामक मिशनों को अंजाम देने के लायक बना देगा। रणनीतिक मिशनों को अंजाम देने की ईरान की क्षमता काफी बढ़ जाएगी। इसके अलावा हाल के दिनों में रूसी सैन्य ब्लॉगर्स ने संकेत दिए हैं कि ईरान इन फाइटकर जेट्स को हमेदान एयरबेस या फारस की खाड़ी तट पर बंदर अब्बास के पास तैनात कर सकता है।

इजरायल के खिलाफ ईरान को बड़ी ताकत

अगर ईरान ने वाकई रूसी एसयू-35 लड़ाकू विमान को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है तो इसका असर सीधा इजरायल के साथ उसके संघर्ष में देखने को मिलेगा। अमेरिका ने अपने स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 को फारस की खाड़ी में इजरायल की मदद के लिए तैयार कर रखा है, लिहाजा ईरान उसे काउंटर करने के लिए एसयू-35 को तैनात कर सकता है। इसके अलावा ये फाइटर जेट ईरान की पहुंच होर्मुज जलडमरूमध्य तक बढ़ा देगी, जो ग्लोबल तेल प्रवाह के लिए एक चोकपॉइंट है।

रूस से युद्ध रोकने का प्लान बनाएंगे यूक्रेन-ब्रिटेन-फ्रांस

ब्रिटिश पीएम बोले- ये प्लान अमेरिका के सामने रखेंगे, ट्रम्प की सुरक्षा गारंटी जरूरी

लंदन, 2 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन मिलकर रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के प्लान पर काम करने के लिए राजी हुए हैं। ये प्लान अमेरिका के सामने रखा जाएगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के ब्रिटेन दौरे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इसकी जानकारी दी है।स्टार्मर ने लंदन में यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट बुलाई है। जेलेंस्की इस बैठक में शामिल होंगे।

बैठक से पहले स्टार्मर ने कहा कि व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति से जेलेंस्की की बहस के बाद चारों देशों के नेताओं की बातचीत में इस प्लान का जिक्र हुआ। स्टार्मर ने कहा कि उन्हें यकीन है ट्रम्प यूक्रेन में स्थायी शांति चाहते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि ये प्लान तभी काम करेगा जब अमेरिका अपनी सुरक्षा गारंटी पर टिका रहेगा।

जेलेंस्की शनिवार को इंग्लैंड पहुंचे तो ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जेलेंस्की का गले लगाकर स्वागत किया। सड़कों पर लोगों ने जोरदार नारों के साथ जेलेंस्की का स्वागत किया गया।

स्टार्मर ने जेलेंस्की से कहा कि आपको पूरे ब्रिटेन का सपोर्ट हासिल है।

हम आपके और यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें कितना भी वक्त क्यों न लग जाए। जेलेंस्की ने इस सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

लंदन में आज यूरोपीय देशों की एक समिट होनी है। इस समिट में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली समेत 13 देश शामिल होंगे। साथ ही नाटो के महासचिव और यूरोपीय संघ और यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट भी शामिल होंगे।

यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया

ब्रिटेन ने यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया। इसके लिए शनिवार को ब्रिटिश पीएम स्टार्मर और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समझौते पर साइन किए। द कीव पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक इस लोन को G7 देशों की एक्सट्रा-ऑर्डिनरी रेवन्यू एक्सीलरेशन पहल के तहत दिया गया है।

इस लोन का इस्तेमाल यूक्रेन के जरूरी हथियार खरीदने में किया जाएगा। पिछले साल अक्टूबर में G7 देशों ने यूक्रेन को 50 बिलियन डॉलर यानी 4.3 लाख करोड़ रुपए की मदद देने का वादा किया था।

यूक्रेन के सपोर्ट के मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन (EU) के अंदर भी दरार नजर आ रही है। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का कहना है कि वो यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य तौर पर मदद नहीं देंगे। यूक्रेन कभी भी सैन्य ताकत के दम पर रूस को बातचीत के टेबल पर नहीं ला पाएगा।

इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने भी जेलेंस्की के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का सपोर्ट किया है। व्हाइट हाउस में दोनों के बीच हुई बहस के बाद उन्होंने ट्रम्प को मजबूत और जेलेंस्की को कमजोर कहा था। उन्होंने ट्रम्प का धन्यवाद भी किया था।

ट्रम्प से बहस के बाद जेलेंस्की की कुर्सी खतरे में

एक्सपर्ट्स बोले- सरकार गिराने में मदद कर सकती है यूएस एजेंसी, रूस को मिलेगा फ्री हैंड

वाशिंगटन, 2 मार्च (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की रूस के साथ जंग में मदद मांगने के लिए अमेरिका आए थे। यहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात में बात कुछ ऐसी पलटी कि जेलेंस्की को न सिर्फ खाली हाथ लौटना पड़ा, बल्कि अमेरिका से रिश्ते भी बिगड़ गए। व्हाइट हाउस में ट्रम्प और उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ जेलेंस्की की बहस ग्लोबल पॉलिटिक्स में बड़ा बदलाव ला सकती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यूक्रेन में जेलेंस्की की कुर्सी पर खतरा पैदा हो गया है।जेलेंस्की में लोगों का विश्वास कम हो रहा है, जिससे उनकी सरकार गिराना आसान होगा।

अमेरिका और यूक्रेन के बीच आए इस तनाव का दोनों देशों पर क्या असर पड़ेगा, जेलेंस्की, यूक्रेन और यूरोपीय नेताओं पर दबाव डालने के लिए ट्रम्प आगे क्या रणनीति अपना सकते हैं।

दोनों नेताओं ने ओवल हाउस में बैठक की। इस दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी मौजूद थे। ट्रम्प-जेलेंस्की के बीच बातचीत होते-होते बहस शुरू हो गई। ट्रम्प ने कई बार जेलेंस्की को फटकार भी लगाई। उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि वो तीसरा विश्वयुद्ध कराने का जुआ खेल रहे हैं।

दोनों नेताओं ने ओवल हाउस में बैठक की। इस दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी मौजूद थे। ट्रम्प-जेलेंस्की के बीच बातचीत होते-होते बहस शुरू हो गई। ट्रम्प ने कई बार जेलेंस्की को फटकार भी लगाई। उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि वो तीसरा विश्वयुद्ध कराने का जुआ खेल रहे हैं। ट्रम्प ने अपने सारे कार्ड खोल दिए हैं। व्हाइट हाउस में ट्रम्प के साथ बहस के बाद जेलेंस्की का मनोबल बुरी तरह कमजोर हो चुका है।

यह भी मुमकिन है कि रूस यूक्रेन में तख्तापलट करवा सकते हैं। रूस पर भी आरोप लगे हैं कि उसने यूक्रेन में कठपुतली सरकार बनवाई थी। अगर रूस एक बार फिर ऐसी कोशिश करता है तो संभावना है कि अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी CIA भी इसमें मदद कर सकती है।

अनुमान की वजहः अमेरिका पहले भी अपने फायदे के लिए दुनिया में कई बार तख्तापलट करवा चुका है। 1980 के दशक में अफगानिस्तान से सोवियत यूनियन को बाहर करने के लिए अमेरिका ने तालिबान को बनाया। तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। बाद में अमेरिका ने तालिबान के खिलाफ ही 20 साल लड़ाई लड़ी।

पिछले साल बांग्लादेश में शेख हसीना की तख्तापलट में अमेरिका का हाथ होने का आरोप लगा था। राष्ट्रपति पुतिन ने आरोप लगाया था कि 2014 में अमेरिका की वजह से यूक्रेन के रूस समर्थक राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच का तख्तापलट हुआ था। एमिटी यूनिवर्सिटी के इंटरनेशनल मामलों के एक्सपर्ट श्रीश पाठक का कहना है कि ट्रम्प दबाव बनाने के लिए रूस के साथ शांति वार्ता से यूक्रेन को पूरी तरह बाहर कर सकते हैं। आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए यूक्रेनी सामान पर टैरिफ लगा सकते हैं।

इसके साथ ही वो नाटो को दी जाने वाली अमेरिकी मदद में कटौती का ऐलान कर सकते हैं, जिससे यूरोपीय देश ट्रम्प के हिसाब से काम करने को मजबूर हो सकते हैं।

बोलीविया में दो यात्री बसों में भीषण टक्कर, 37 लोगों की मौके पर ही मौत

सूक्रे, 2 मार्च (एजेंसियां)। बोलीविया को शनिवार सुबह हुए भीषण बस हादसे ने दहला दिया है। स्थानीय समयानुसार सुबह 7 बजे हुई दो यात्री बसों की टक्कर में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई। वहीं 39 लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर है, ऐसे में मरने वालों की संख्या बढ़ने का भी अंदेशा है। यह बस दुर्घटना उयूनी के पास हुई है। उयूनी को सालार दे उयूनी का एंट्री गेट कहा जाता है। सालार दे उयूनी दुनिया का सबसे बड़ा नमक का मैदान है। यह एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है।

हादसे का शिकार हुई दो बसों में एक ओरुरो जा रही थी और एक सामने से आ रही थी। ओरुरो में लैटिन अमेरिका का एक सबसे महत्वपूर्ण कार्निवल समारोह चल रहा है। ऐसे में बड़ी तादाद में लोग वहां जा रहे हैं। रेडियो उयूनी ने बताया है कि हादसे के बाद पुलिस अधिकारी और राहतकर्मी मलबे से लोगों को निकालते देखा गया। हादसे के बाद ऊंचे एंडियन मैदानों में लाश बिखरी हुई दिखीं।

ड्राइवर ने पी थी शराब

हादसे के बाद बचाव दल राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस ने बताया है कि दोनों ड्राइवर हादसे में बच गए। यात्रियों ने एक ड्राइवर को शराब पीते देखा था। इसकी पुलिस फिलहाल जांच कर रही है। पुलिस ने कहा है कि हादसे के कारणों की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बोलीविया की पहाड़ी इलाकों में लगातार हादसे होते रहे हैं। इस इलाके की खराब सड़कें भी हादसों की बड़ी वजह रही हैं। इस क्षेत्र में हर साल औसतन 1,400 लोग सड़क हादसों में मारे जाते हैं। यह सड़कें बोलीविया की सबसे खतरनाक सड़कों में से हैं। यह हादसा बोलीविया के लिए एक बड़ा झटका है। कार्निवल के मौसम में यात्रियों से भरी बसों का आना-जाना लगा रहता है। इस हादसे ने सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका में उड़ते हुए कार्गो विमान में लगी आग

वॉशिंगटन, 2 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में शनिवार को फेडएक्स के एक कार्गो विमान के इंजन में पक्षी के टकराने से आग लग गई। इसके बाद प्लेन की न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें उड़ान के दौरान प्लेन के राइट साइड इंजन में आग दिखाई दे रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्हें एक जोरदार विस्फोट सुनाई दिया था। एक अन्य वीडियो में प्लेन को सुरक्षित रूप से उतरते हुए देखा जा सकता है, जबकि उसके इंजन में आग लगी हुई थी। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अभी यह भी साफ नहीं है कि हादसे के वक्त प्लेन में कितने लोग सवार थे। एक अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक कुछ देर के लिए रोक दिया गया था।

रमजान शुरू होते ही गाजा में इजरायल का कहर

अंदर नहीं जाएगा एक भी सामान, क्या हमास के साथ फिर शुरू होगी जंग?

यरुशलम, 2 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल ने कहा है कि वह गाजा में भेजी जाने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय सहायता पर रोक लगा रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि इजरायल अब गाजा में किसी भी तरह का सामान नहीं जाने देगा। यह फैसला ऐसे समय शुरू हुआ है, मुसलमानों का पवित्र धार्मिक महीना रमजान शुरू हुआ है। इसके लिए हमास के संघर्ष विराम को बढ़ाने से इनकार का हवाला दिया गया है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल अपने बंधकों की रिहाई के बिना संघर्ष विराम की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने साथ ही धमकी दी कि अगर हमास ने संघर्ष के विराम के विस्तार के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो उसे 'आगे के परिणाम'

भुगतने होंगे।

हमास ने इजराइल पर नाजुक संघर्ष विराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता बंद करने का उसका फैसला 'जबरन वसूली का घटिया हथकंडा, युद्ध अपराध और (संघर्ष विराम) समझौते पर हमला है।' इजराइल-हमास के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी। दोनों पक्षों के बीच अभी दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है, जिसमें इजराइल के अपनी सेना वापस बुलाने और स्थायी युद्ध विराम के बदले में हमास दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करेगा।

इससे पहले इजरायल ने कहा कि वह संघर्ष विराम के पहले चरण को रमजान और पासओवर (यहूदी त्योहार) या 20 अप्रैल तक बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन करता है। उसने कहा कि यह प्रस्ताव ट्रंप प्रशासन के मध्यपूर्व दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से आया है। रविवार सुबह इसने कहा कि वह 'पासओवर' या 20 अप्रैल तक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में है।

मध्यस्थों की तरफ से नहीं आया कोई बयान

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि प्रस्ताव के तहत आधे बंधकों को, चाहे वे जीवित हों या मृत, पहले दिन छोड़ा जाएगा और अगर स्थायी युद्ध विराम पर सहमति बन जाती है तो बाकी को रिहा कर दिया जाएगा। अमेरिका, मिस्र या कतर की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई, जो एक साल से अधिक समय से इजराइल और हमास के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं।

ओलावृष्टि : सरकार एक्शन मोड में

नुकसान की रिपोर्ट तलब, सीएम भजनलाल ने खुद संभाली कमान

जयपु, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम ने अचानक करवट ली और कई जिलों में हुई भीषण ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। खेतों में लहलहाती फसलें देखते ही देखते सफेद चादर में तब्दील हो गईं, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया। ओलावृष्टि से भारी नुकसान की खबरें सामने आते ही राज्य सरकार हरकत में आ गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तुरंत सभी जिला कलेक्टर्स को हालात की समीक्षा कर प्रभावितों को राहत देने के निर्देश दिए। भरतपुर दौरे के दौरान सीएम ने आपात बैठक बुलाई और सोशल मीडिया पर भी हालात को लेकर अहम जानकारी साझा की।

राजस्थान में ओलावृष्टि से सरकार चिंता में, सीएम ने दिए निर्देश

राजस्थान के कई जिलों में ओलावृष्टि से नुकसान हुआ है। इससे किसानों को नुकसान के समाचार सामने आए हैं। इसको देखते हुए अब राज्य सरकार एक्शन मोड़ में आ गई है। मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि वे प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करें। सीएम भजनलाल भरतपुर जिले के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने सभी कलक्टर्स को आदेश जारी किए।

सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि "राजस्थान के कुछ जिलों में हुई ओलावृष्टि से हुए नुकसान के संबंध में आज भरतपुर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर्स के साथ वीसी के माध्यम से बैठक ली। अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने एवं राहत कार्यों को प्राथमिकता से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।"

किरोड़ी लाल मीणा को लेकर भजनलाल सरकार ने बंगले का आवंटन किया रद्द, राजनीतिक हलचल तेज

जयपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार पर सवाल उठाने वाले मंत्री किरोड़ीलाल मीणा सुर्खियों में है। अब किरोड़ी लाल मीणा के सरकारी बंगले का आवंटन रद्द कर दिया गया है। खुद किरोड़ी लाल मीणा ने सामान्य प्रशासन विभाग को आवेदन देकर बंगले का आवंटन निरस्त करने का अनुरोध किया था। यह बंगला पहले पूर्व राष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत के नाम पर आवंटित था।

भजनलाल सरकार ने 14 जनवरी को 17 मंत्रियों को सरकारी बंगले आवंटित किए थे। इसके बाद 9 फरवरी को 6 अन्य मंत्रियों को भी सरकारी आवास प्रदान किए गए। किरोड़ी लाल

मीणा भी उन्हीं में शामिल थे। जिन्होंने स्वयं इस बंगले के लिए आवेदन किया था। बंगला पहले पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत के परिवार के पास था, लेकिन सरकार ने इसे मंत्री के लिए आवंटित कर दिया। हालांकि अब मीणा ने स्वयं इसका आवंटन रद्द करवाने की पहल की थी।

बता दें कि विधानसभा चुनाव के बाद से किरोड़ी लाल मीणा लगातार अपनी ही सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने भजनलाल सरकार के सवा साल के कार्यकाल में कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे वह लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। मीणा ने अपनी ही सरकार पर फोन टैपिंग और जासूसी कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दो बार बयान दिया कि उनके फोन टैप किए जा रहे हैं और सीआईडी उनके पीछे लगी हुई है। इस मुद्दे पर बीजेपी ने उन्हें नोटिस भी जारी किया था।

किरोड़ी लाल मीणा ने कहा था कि मेरे पीछे सीआईडी लगी हुई है। मुझे नोटिस भी मिला है। पहले जो अधिकारी थे, जब मैं आंदोलन करता था, तो मेरी जासूसी करते थे और मेरा फोन टैप करते थे। उनके इन बयानों के बाद राजस्थान की राजनीति में हलचल तेज हो गई। पार्टी के भीतर भी उनके बयानों को लेकर असंतोष देखने को मिल रहा है। बंगला आवंटन रद्द होने के मामले को भी इसी घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है।

योग गुरु बाबा रामदेव की बढ़ी मुश्किल

कोर्ट में लगी एक और याचिका

कोटा, 2 मार्च (एजेंसियां)। योग गुरु बाबा रामदेव के खिलाफ कोटा की अदालत में परिवादी ने एक और याचिका लगाई है। इसमें पतंजलि आयुर्वेद हरिद्वार के योग गुरु बाबा रामदेव और एक टीवी चैनल के संचालक को व्यक्तिगत रूप से तलब कर वकालत नामें पर हस्ताक्षर करवाए जाने की मांग की है। इस पर कोर्ट ने उन्हें जवाब देने के लिए 20 मार्च की पेशी दी है। याचिका में बताया गया है कि पेट्रोल-डीजल की कीमत को लेकर योग गुरु बाबा रामदेव ने आमजन को धोखे में रखा था।

गुमानपुरा निवासी परिवादी नीरज तिवारी ने वकील लोकेश कुमार सैनी के जरिए 25 अक्तूबर 2021 को कोर्ट में एक परिवाद पेश किया था। इसमें पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड हरिद्वार के योग गुरु बाबा रामदेव एवं एक टीवी चैनल के संचालक को पार्टी बनाया था। इस पर कोर्ट ने सुनवाई के बाद इस्तखासा खारिज कर दिया था। इसके बाद परिवादी ने आदेश के विरुद्ध कोर्ट में निगरानी याचिका पेश की थी, जो अभी कोर्ट में विचाराधीन है।

एडवोकेट लोकेश सैनी ने बताया कि परिवादी ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया है कि बाबा रामदेव एवं टीवी चैनल के संचालक की ओर से एक वकालतनामा कोर्ट में पेश हुआ है। इस पर उनके हस्ताक्षर भी हो रहे हैं। लेकिन यह हस्ताक्षर परिवादी को सही नहीं लग रहे हैं, जिस पर संशय भी बना हुआ है। ऐसे में इसकी प्रामाणिकता के लिए दोनों को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में तलब करवाकर हस्ताक्षर निगरानी याचिका की आर्डर शीट पर करवाना न्यायिक में चाहता है। इसके बाद ही संशय दूर हो पाएगा।

योग गुरु बाबा रामदेव ने पेट्रोल-डीजल की बरती कीमतों पर तत्कालीन यूपीए सरकार पर हमला बोला था।

साथ ही लोगों से नरेंद्र मोदी को चुनाव में विजय बनाने की अपील भी की थी और यह भी कहा था कि यदि वर्तमान में मोदी सरकार बनती है तो भारत देश में 35 रुपये लीटर पेट्रोल मिलेगा।

भीषण सड़क हादसा, कार ने 2 बाइकों को मारी टक्कर, 4 की मौत

बीकानेर, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में 2 बाइक पर सवार चार की मौत हो गई है। घटना नाल पुलिस थाना क्षेत्र की है। दरअसल यहां तेज रफ्तार कार ने दो बाइकों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी थी।

इस हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं एक अन्य युवक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया है। नाल थानाधिकारी विकास विश्नोई ने बताया कि हादसा देर रात करीब 2 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि चारों युवक टेंट का काम करते हैं और देर रात काम से घर लौट रहे थे।

चालक मौके से फरार

उन्होंने बताया की घटना की सूचना पर एंबुलेंस को बुलाया। इसके बाद तीन मृतक युवकों और गंभीर रूप से घायल अन्य युवक को पीबीएम अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में गंभीर रूप से घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं टक्कर के बाद दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

हादसे के बाद कार चालक गाड़ी को मौके पर छोड़कर फरार हो गया है। फिलहाल पुलिस कार चालक को तलाश कर रही है। पुलिस ने दोनों बाइक और कार को जब्त कर लिया है। पोस्टमार्टम करने के बाद चारों शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

हिरण का शिकार करने आए थे

ग्रामीणों और पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, अब होगी कड़ी कार्रवाई

बीकानेर, 2 मार्च (एजेंसियां)। जिले के बज्जू क्षेत्र में मौज मस्ती के लिए जानवरों का शिकार करना पंजाब के कुछ युवकों को भारी पड़ गया। हिरण शिकार की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस और वन्यजीव प्रेमियों ने इन युवकों की जमकर धुनाई कर डाली। दरअसल बज्जू थाना क्षेत्र के बिजेरी में हिरण का शिकार कर फरार हो रहे पंजाब के शिकारियों को पुलिस और जीव प्रेमियों ने मिलकर घेर लिया। इस घटनाक्रम में माणकासर सरपंच सुखराम की सूचना और सक्रियता से शिकारी पकड़े गए। इस दौरान आरोपियों ने भागने की कोशिश में फायरिंग भी की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

शिकारियों से आमने-सामने भिड़ंत

जानकारी के अनुसार बिजेरी

गांव के पास हिरण का शिकार किया गया। सूचना मिलते ही वन्यजीव प्रेमी और ग्रामीणों ने पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों का पीछा किया। शिकारियों को पकड़ने के लिए जिले की सीमाओं पर नाकाबंदी कर दी गई। पीछा करने के दौरान एक गाड़ी को बीठनोक के पास रोका गया, जिसमें दो आरोपी पकड़े गए। दूसरी गाड़ी को हदां के पास टोकला गांव में दबोचा गया, जिसमें तीन युवक थे।

फायरिंग से दहशत, दो बंदूकें बरामद

ग्रामीणों का आरोप है कि शिकारियों ने पुलिस और जीवप्रेमियों से बचने के लिए फायरिंग भी की। बज्जू थाना प्रभारी आलोकसिंह चारण ने बताया कि तलाशी में दो 12 बोर की बंदूकें बरामद की गई हैं। पुलिस ने सभी छह आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

घटना के बाद जीवप्रेमियों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने बज्जू थाना के बाहर धरना देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत इन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम आगे की जांच में जुट गई है।

तहसीलदार को महिला अफसर को गलत मैसेज भेजने पड़े महंगे

रिटायरमेंट से पहले बांध दिया बोरिया बिस्तर

हनुमानगढ़, 2 मार्च (एजेंसियां)। सरकारी महिला अफसर को आपत्तिजनक मैसेज भेजना चूरू जिले के भानीपुरा में कार्य व्यवस्था के तहत लगे तहसीलदार को महंगा पड़ गया। सेवानिवृत्ति से चार दिन पहले ही उनका बोरिया बिस्तर बांध दिया गया मतलब कि निलम्बन आदेश जारी हो गया। जिला कलक्टर हनुमानगढ़ ने तहसीलदार को 25 फरवरी को निलम्बित कर दिया। निलम्बन काल में मुख्यालय एसडीएम कार्यालय हनुमानगढ़ रखा गया। खास बात यह है कि 28 फरवरी को पंडा की सेवानिवृत्ति थी।

जिला कलक्टर हनुमानगढ़ कानाराम की ओर से जारी आदेश के अनुसार तेजपाल पंडा को कार्य व्यवस्था के तहत भानीपुरा जिला चूरू में तहसीलदार पद पर लगाया हुआ था। उसके खिलाफ यौन उत्पीडऩ की शिकायत की गई थी। इस संबंध में चूरू जिले में गठित स्थानीय शिकायत समिति ने जांच की। इसके बाद जांच रिपोर्ट हनुमानगढ़ जिला कलक्टर को भेजी गई। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि प्रकरण कार्य स्थल पर यौन उत्पीडऩ की श्रेणी में आता है। जांच समिति ने तेजपाल पंडा को जांच में दोषी पाया। इसलिए राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1958 के नियम 13 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तेजपाल पंडा तहसीलदार भानीपुरा तथा मूल पद अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी हनुमानगढ़ को तुरंत प्रभाव से 25 फरवरी को निलम्बित कर दिया गया।

जिला विशेष टीम के सहयोग से जंक्शन पुलिस ने हेरोइन (चिट्टा) तस्करी के आरोप में दो जनों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 68 ग्राम हेरोइन जब्त की गई जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 27 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक अरशद अली के निर्देशन में नशीले पदार्थों की तस्करी की रोकथाम को लेकर चलाए जा रहे 'जीरो टोलरेंस अभियान' के तहत डीएसटी के सहयोग से जंक्शन थाने की एसआई चुंका ने मय टीम गश्त के दौरान दो जनों को पकड़ा। उनकी पहचान धर्मप्रीत उर्फ प्रीत (22) पुत्र लखविन्दर सिंह निवासी बीरेवाला जटा तहसील सरदूलगढ़ पीएस जोड़किया जिला मानसा, पंजाब तथा निर्मल सिंह उर्फ नीमा (35) पुत्र शविंदर सिंह निवासी वार्ड चार, चक ज्वालासिंह वाला पीएस टाउन के रूप में हुई। आरोपियों से 68 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। उनसे नशीले पदार्थ की खरीद व सप्लाई को लेकर पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में कांस्टेबल कप्तान, ओमप्रकाश, सुभाष व देवेन्द्र भी शामिल रहे।4

नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रायसिंहनगर व राजियासर में 2 पार्षदों समेत तस्कर गिरफ्तार

श्री गंगानगर, 2 मार्च (एजेंसियां)। जिले में नशे के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कामयाबी हासिल की है। रायसिंहनगर में पुलिस ने नशा सप्लाई करने वाले मां-बेटे को गिरफ्तार कर मादक पदार्थों के साथ 11 लाख रुपए की नकदी और तीन कारतूस बरामद किए। वहीं राजियासर पुलिस ने दो पार्षदों सहित तीन लोगों को 40 किलो डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार कर तस्करी में इस्तेमाल होने वाली दो कारों को जब्त किया है। रायसिंहनगर पुलिस ने नशे की बढ़ती आपूर्ति पर रोक लगाने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य सप्लायर आशीष राठी और उसकी मां सिमरन राठी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सत्यनारायण गोदारा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारकर आरोपियों को पकड़ा। उनके पास से 128 ग्राम स्मैक, 75 ग्राम अफीम के साथ लगभग 11 रुपये नकद और तीन कारतूस बरामद किए गए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि इस कार्रवाई के लिए पुलिस पिछले कई दिनों से प्रयास कर रही थी। टीम में विनोद मीणा (एएसआई), प्रमोद कुमार (एएसआई), कांस्टेबल विजय कुमार, अशोक कुमार, महादेव, सुमन और गुरप्रीत सिंह शामिल रहे। पुलिस ने कहा कि रायसिंहनगर में नशे के खिलाफ यह बड़ी सफलता है और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि नशे के खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

एक अन्य मामले में राजियासर पुलिस ने अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे पर नाकाबंदी कर 40 किलो अवैध डोडा पोस्त के साथ दो पार्षदों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एक कार में तस्करी की जा रही थी और दूसरी कार तस्करों को एस्कॉर्ट कर रही थी। सीआई सतीश कुमार यादव ने बताया कि कांस्टेबल आत्माराम को सूचना मिली थी कि दो कारों से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है।

हाईकोर्ट का सख्त आदेश, 15 माह का बकाया वेतन दें

नहीं तो पंचायतीराज आयुक्त व स्थानीय निकाय निदेशक का भी रोकें वेतन

जयपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगरपालिका कर्मचारी के 15 माह के बकाया वेतन का 15 दिन में भुगतान करने का आदेश दिया। साथ ही प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव से कहा कि 15 दिन में भुगतान नहीं होने पर पंचायती राज आयुक्त, स्थानीय निकाय निदेशक और महवा नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी का वेतन रोक दिया जाए। इसकी पालना नहीं होने पर मुख्य सचिव से प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव का वेतन रोकने को कहा है।

न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड ने संतराम शर्मा की याचिका पर यह आदेश दिया। अधिवक्ता केपी सिंह ने कोर्ट को बताया कि 18 फरवरी को राज्य सरकार को आखिरी मौका देते हुए याचिकाकर्ता का बकाया वेतन रोकने का कारण पूछा गया। सरकारी वकील के आग्रह पर

जवाब के लिए समय दिया गया। इसके बाद सरकार की ओर से कोई वकील हाजिर नहीं हुआ। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि कर्मचारी के बकाया वेतन का 15 दिन में भुगतान कर दिया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों का वेतन रोक दिया जाए।

जिला उपभोक्ता आयोग-द्वितीय ने लैट का कब्जा सौंपने में देरी को सेवादोष और अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए बिल्डर पर 5.20 लाख रुपए का हर्जाना लगाया। साथ ही जमा कराई गई राशि सहित कुल 36.58 लाख रुपए नौ फीसदी ब्याज सहित लौटाने को कहा। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीणा और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने पवन चौपड़ा व अन्य के परिवाद पर यह आदेश दिया। परिवादी ने सिद्धा इंफ्रा प्रोजेक्टस प्रा. लि. के अजमेर रोड स्थित प्रोजेक्ट सिद्धा आंगन फेज-2 की मयूर आवासीय योजना में लैट खरीदने के लिए 17 सितबर 2018 को करार किया था। इसके अनुसार बिल्डर को जुलाई 2019 को लैट का कब्जा सौंपना था, लेकिन बिल्डर ने तय समय तक कब्जा नहीं दिया। परिवादी ने उपभोक्ता आयोग में बताया कि उसने बिल्डर को 26.21 लाख रुपए अग्रिम और होम लोन के ब्याज के तौर पर बैंक को 5.27 लाख का भुगतान किया। परिवाद में लैट खरीदने व अन्य मदों पर किए गए खर्चे और मानसिक संताप के लिए अतिरिक्त राशि दिलाने की गुहार की।

उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर 37 किलो डोडा पोस्त जब्त

सिरोही, 2 मार्च (एजेंसियां)। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पिंडवाड़ा पुलिस और डीएसटी टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर मालेरा तिराहा के पास नाकाबंदी के दौरान एक कार से 37 किलोग्राम डोडा पोस्त जब्त किया गया। इस दौरान पुलिस ने बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना निवासी आरोपी पांचाराम पुत्र देवाराम सुथार को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए डोडा पोस्त की कीमत 5.55 लाख रुपए आंकी गई है।

सिरोही पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देश पर जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पिंडवाड़ा थानाधिकारी भवानीसिंह राजावत और डीएसटी प्रभारी प्रभुराम के नेतृत्व में मालेरा तिराहा पर सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने उदयपुर की ओर से आ रही एक ईको कार को रुकवाया। तलाशी लेने पर कार में छिपाकर रखा गया 37 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ।

पूछताछ में आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसके बाद पुलिस ने डोडा पोस्त और कार को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि डोडा पोस्त कहां से लाया गया था और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। गौरतलब है कि सिरोही जिले से गुजरने वाला उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन मादक पदार्थों की तस्करी के लिए कुख्यात मार्ग बनता जा रहा है। पुलिस और डीएसटी टीम द्वारा समय-समय पर तस्करी के मामलों में डोडा पोस्त और वाहन जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन डोडा पोस्त की सप्लाई चेन से जुड़े बड़े नाम अक्सर सामने नहीं आते।

दूसरे राज्यों की चला रहे हैं कार

तो जुर्माना भरने के लिए रहें तैयार

जयपुर, 2 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में परिवहन विभाग ने मार्च में अपने राजस्व लक्ष्य को पूरा करने के लिए दूसरे राज्यों से आए वाहनों पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। विशेष रूप से जयपुर में हरियाणा, दिल्ली और एनसीआर से आए वाहनों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसका कारण यह है कि लोग अपना शौक पूरा करने के लिए एनसीआर से पुरानी लग्जरी कारें खरीदकर जयपुर में चला रहे हैं, लेकिन राजस्थान का टैक्स नहीं दे रहे। इन वाहनों के संचालन को अब टैक्स चोरी के अपराध के रूप में देखा जा रहा है। आरटीओ के अनुसार, जयपुर में करीब 10 हजार ऐसी कारें हैं।

वाहन की कीमत से अधिक टैक्स

आरटीओ ने कुछ ऐसे वाहन भी पकड़े हैं, जिनका वन टाइम टैक्स वाहन की कीमत से भी अधिक आ रहा है। इस स्थिति में वाहन मालिकों के लिए एक नई समस्या खड़ी हो गई है। इसी कारण अब लग्जरी वाहनों पर विशेष रूप से कार्रवाई की जा रही है। राजस्थान में अगर दूसरे राज्य से आया कोई वाहन एक महीने से अधिक समय तक चलाया जाता है, तो उस पर वन टाइम टैक्स देना अनिवार्य है। ऐसे वाहनों पर आरटीओ जुर्माना भी लगा सकता है। यदि वाहन जयपुर में संचालित हो रहा है, तो वाहन मालिक को यह प्रमाण देना होगा कि वह काम के सिलसिले में नियमित रूप से दूसरे राज्य जाता है। यदि एक महीने से अधिक समय तक वाहन चलाया गया और प्रमाण नहीं दिया गया, तो जुर्माना देना पड़ेगा। अगर कोई व्यक्ति दूसरे राज्य से आकर जयपुर में इलाज के लिए रुका है और उसका वाहन एक महीने तक चलाया जाता है, तो वह जुर्माना क्यों दे? अगर कोई व्यक्ति रिश्तेदार के यहां किसी शादी या समारोह में आया है और एक महीने के लिए रुक गया है, तो उसे वन टाइम टैक्स क्यों देना चाहिए? अगर कोई केन्द्रीय कर्मचारी है और तबादला होकर जयपुर आया है, तो उसे राजस्थान का वन टाइम टैक्स क्यों देना पड़े? यदि किसी व्यक्ति का काम राजस्थान के अलावा दूसरे राज्य में है और वह आना-जाना करता है, लेकिन किसी कारणवश एक महीने तक जयपुर में रुका है, तो उसे वन टाइम टैक्स क्यों देना होगा?

एनसीआर में वाहनों के संचालन की अवधि लगभग 10 वर्ष निर्धारित है। 10 वर्ष बाद ये वाहन बिक जाते हैं और लोग इन्हें दूसरे राज्यों में कम कीमत पर खरीदकर चला रहे हैं। राजस्थान में दूसरे राज्यों से लाए गए वाहनों को संचालित करने के लिए वन टाइम टैक्स देना होता है। उदाहरण के तौर पर, अगर एक करोड़ रुपए की कार राजस्थान में चल रही है, तो उसका वन टाइम टैक्स 10 से 12 लाख रुपए होता है।

किशन रेड्डी जानबूझकर तेलंगाना की प्रगति में बाधा डाल रहे हैं : सीएम रेवंत

वनापर्ती, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा है कि केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी जानबूझकर तेलंगाना की प्रगति में बाधा डाल रहे हैं। रविवार को वनापर्ती में एक सार्वजनिक सभा में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने वारंगल के लिए एक हवाई अड्डे को सुरक्षित करने में आने वाली चुनौतियों को याद किया, उन्होंने कहा कि किशन रेड्डी ने हवाई अड्डे की केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए गलत तरीके से जिम्मेदारी का दावा किया है।

किशन रेड्डी तेलंगाना को लाभ पहुंचाने वाली पहलों का श्रेय ले रहे हैं। वह सकारात्मक विकास के लिए प्रशंसा लेते हैं, जबकि उन परियोजनाओं के लिए कांग्रेस सरकार को दोषी ठहराते हैं जो साकार नहीं होती हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी पर मेट्रो के विस्तार, मूसी कायाकल्प परियोजना के लिए वित्त पोषण, क्षेत्रीय रिंग रोड के लिए मंजूरी, पलामुरू रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए जल आवंटन और कलेश्वरम के लिए जल प्रावधान सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं में बाधा डालने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु में मेट्रो सेवाएं सफलतापूर्वक लाई हैं, जबकि उनकी कैबिनेट सहयोगी शोभा ने बेंगलुरू के लिए भी यही किया है। सवाल उठता है, किशन रेड्डी ने मेट्रो विस्तार परियोजना को अपने राज्य तेलंगाना में क्यों नहीं लाया, रेवंत रेड्डी ने सवाल किया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (जिन्होंने सालाना दो करोड़ नौकरियां पैदा करने का वादा किया था) को 12 साल की अवधि में 24 करोड़ नौकरियां पैदा करने में मदद करनी चाहिए थी। उन्होंने किशन रेड्डी से

यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि मोदी ने वास्तव में तेलंगाना में कितनी नौकरियां दी हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किशन रेड्डी और बंडी संजय को दो मंत्री पदों पर नियुक्त किया है, लेकिन पिछले 12 वर्षों में वे तेलंगाना के विकास में कोई महत्वपूर्ण योगदान देने में विफल रहे हैं।

रोहित सेना के आगे न्यूजीलैंड ने भी घुटने टेक दिए

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा भारत

दुबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। श्रेयस अय्यर (79) की अर्धशतकीय पारी के बाद वरुण चक्रवर्ती (42/5) की मिस्ट्री गेंदों के कमाल से भारत ने न्यूजीलैंड को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के आखिरी लीग मैच में हरा दिया है। मैच में पहले गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने भारत को 9 विकेट पर 249 रन पर रोक दिया था। न्यूजीलैंड की पूरी टीम 45.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 205 रन बना सकी। ऐसा लग रहा था कि छोटा स्कोर है तो न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आसानी से लक्ष्य हासिल कर लेंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की और लगातार न्यूजीलैंड पर दबाव बनाए रखा। केन विलियमसन को छोड़ दिया जाए तो कोई भी कीवी बल्लेबाज मैदान पर भारतीय गेंदबाजों को झेल नहीं सका। अब भारतीय टीम 4 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के साथ पहला सेमीफाइनल इसी दुबई स्टेडियम में खेलेगी, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड की भिड़ंत साउथ अफ्रीका के साथ 5 मार्च को है।

हार्दिक पंड्या ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में किया कमाल

आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी कीवी टीम की शुरूआत खराब रही। रचिन रविंद्र 6 रन बनाकर हार्दिक पंड्या की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद तो धड़ाधड़ विकेट गिरते रहे, जबकि केन विलियमसन चट्टान की तरह मैदान पर अड़े रहे। टी-20 विश्व कप 2021 में इसी दुबई के मैदान पर खराब प्रदर्शन की वजह से भारतीय टीम से बाहर होने वाले वरुण चक्रवर्ती ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने पहला विकेट विल यंग (22) को क्लीन बोल्ड करते हुए लिया। इसके बाद तो विकेटों की झड़ी लगा दी।

फिर यूं गिरते चले गए विकेट, केन विलियमसन के आउट होते ही उम्मीदों ने दम तोड़ दिया :

डेरिल मिचेल (17) को कुलदीप यादव ने एलबीडब्ल्यू किया तो टॉम लाथम को रविंद्र जडेजा ने 14 रनों के स्कोर पर चलता किया। फील्डिंग से कोहराम मचाने वाले ग्लेन फिलिप्स को वरुण चक्रवर्ती की नाचती गेंद के आगे असहाय दिखे और 12 रन पर आउट हो गए। माइकल ब्रेसवेल 2 रन पर आउट हुए तो रही सही कसर केन विलियमसन के 81 रनों पर आउट होते ही पूरी हो गई। उन्होंने 120 गेंदों में 7 चौके जड़े, जबकि अक्षर पटेल की गेंद पर वह आउट हुए।

भारतीय पारी का रोमांच : मैट हेनरी ने झटके 5 विकेट, श्रेयस अय्यर का बैटिंग में कमाल :

इससे पहले हेनरी ने 8 ओवर में 42 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्हें टीम के दूसरे गेंदबाजों अच्छा साथ मिला। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमीसन, विलियम ओ'राउरकी, कप्तान मिचेल सेंटनर और रचिन रविंद्र ने एक-एक विकेट लिए। भारत ने शुरूआती सात ओवर में 30 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन अय्यर ने 98 गेंद की पारी में चार चौके और दो छक्के की मदद से 79 रन की संयमित पारी खेलने के अलावा अक्षर पटेल (42) के साथ चौथे विकेट के लिए 136 गेंद में 98 रन की साझेदारी कर टीम को खराब शुरूआत से उबारा। उन्होंने लोकेश राहुल (23) के साथ भी 42 गेंद में 44 रन की साझेदारी की।

अक्षर पटेल और हार्दिक पंड्या की उपयोगी पारी :

अक्षर ने 61 गेंद की पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। आखिरी ओवर में हार्दिक पंड्या ने 45 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 45 रन बनाकर टीम को 250 रन के करीब पहुंचाया। मैच में रोहित शर्मा ने मैट हेनरी के खिलाफ आक्रामक अंदाज में चौका और छक्का लगाए, लेकिन इस तेज गेंदबाज ने शुभमन गिल (2) को चलता कर भारत का पहला झटका दिया। काइल जैमीसन के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में रोहित (15) विल यंग को कैच देकर पवेलियन लौट गए। पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक जड़ने वाले विराट कोहली भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। हेनरी की गेंद पर पॉइंट की दिशा में ग्लेन फिलिप्स ने शानदार कैच लपक कर 14 गेंद में उनकी 11 रन की पारी को खत्म किया।

अणुव्रत स्थापना दिवस मनाया

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यात्म गुरु एवं तपस्वी अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद व प्रेरणा से श्रीमती निर्मला बैद् ने जी.जी.एच.एस. मारेडपल्ली में अणुव्रत स्थापना दिवस के 77वें वर्ष के उलक्ष्य में कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अणुव्रत गीत व तुलसी अष्टकम से किया गया। अणुव्रत के बारे में जानकारी दी गयी। राजस्थान के सरदार शहर में गगाधिपति गुरुदेव तुलसी की दिव्य दृष्टि से आज के दिन अणुव्रत आन्दोलन की स्थापना हुई थी।

उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि इस स्कूल में जब से यह स्कूल शुरू हुई है तब से अणुव्रत के कार्यक्रम अणुव्रत नैतिकता की परीक्षाएं और अन्य कार्यक्रम होते रहे हैं। विद्यार्थियों को अणुव्रत के नियम पर अमल कराया गया। इसके साथ ध्यान के कुछ प्रयोग व गर्दन की क्रियाएं भी करवायी गयी। इस अवसर पर श्री जैन तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुशील संचेती, हनुमान जिनेन्द्र बैद ने भी अपने विचार रखें।

जम्मू-कश्मीर में तैनात सीआरपीएफ जवान की पाकिस्तानी पत्नी भारत आई

15 दिन का परमिट मिला, जुलाई 2024 में ऑनलाइन हुआ था दोनों का निकाह

श्रीनगर, 2 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में तैनात सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के जवान ने पाकिस्तान की युवती से ऑनलाइन निकाह किया। क्योंकि वीजा कारणों के चलते जवान और उसका परिवार पाकिस्तान नहीं जा सका था।

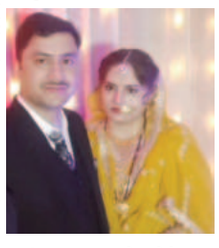

ये निकाह जुलाई 2024 में हुआ था। अब 9 महीने बाद जवान की पत्नी भारत अपने सुसराल आई। लेकिन उसे केवल 15 दिन का ही परमिट मिला है। युवती 1 मार्च को युवती वाघा बॉर्डर होते हुए जम्मू-कश्मीर के हंदवाल गांव पहुंची।

जुलाई 2024 हुआ था मुनीर-मेनल का निकाह :

दरअसल, मुनीर अहमद जम्मू-कश्मीर के भलवाल में राब्ता तहसील के पास हंदवाल गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में उनकी तैनाती रियासी जिले के शिव खोरी रानसू में सीआरपीएफ की 72वीं बटालियन में है। कुछ समय पहले मुनीर का रिश्ता पाकिस्तान के सियालकोट में कोटली फकीर चंद में रहने वाली मेनल खान से हुआ था। मेनल के पिता का नाम मोहम्मद असगर खान है।

मुनीर पाकिस्तान जाकर मेनल से निकाल की तैयारी में थे, लेकिन वीजा कारणों से ऐसा नहीं हो पा रहा था। इसके बाद परिवार दोनों का ऑनलाइन (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) के जरिए निकाह कराया। निकाह के बाद मेनल को ससुराल आने के लिए 15 दिन का परमिट मिला। वे 1 मार्च को वाघा बॉर्डर पहुंची। वहां पर ससुराल वालों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मेनल को उनकी ससुराल यानी हंदवाल गांव लाया गया

अत्तापुर में अग्रसेन बैंक की 5वीं शाखा का उद्घाटन

अग्रसेन बैंक की हैदराबाद में अपने अस्तित्व को अधिकाधिक मजबूत करने में रुचि : प्रमोद कुमार केडिया

बैंक द्वारा ग्राहकों को, प्रदान की जा रही है बेहतरीन सेवाएं सराहनीय : टी. प्रकाश गौड

हैदराबाद, 2 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने बताया कि, अग्रसेन बैंक की ग्रेटर हैदराबाद में अपने अस्तित्व को अधिकाधिक मजबूत करने में रुचि है। बैंकिंग क्षेत्र में उत्तरोत्तर विकास के चलते, भाग्यनगर हैदराबाद के अत्तापुर में अग्रसेन बैंक की 5वीं शाखा का उद्घाटन किया गया।

इस संदर्भ में, अग्रसेन को-आपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के आधिकारिक सूत्रों नुसार, भाग्यनगर हैदराबाद के अत्तापुर में, मुख्य अतिथि के रुप में तेलंगाना विधान सभा सदस्य टी. प्रकाश गौड ने अत्तापुर में अग्रसेन बैंक की 5वीं शाखा का उद्घाटन किया। इस शुभावसर पर अपने संबोधन में टी. प्रकाश गौड ने अग्रसेन बैंक द्वारा अनेकानेक नई शाखाओं के विस्तार पर खुशी जतायी तथा कहा कि, इस बैंक द्वारा अपने प्रिय ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं प्रदान की जा रही है जोकि सचमुच में सराहनीय है। इस दौरान जिन अन्य सम्माननीय प्रमुख प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने इस उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया उनमें, निदेशक-एनएएफसीयुबी, अध्यक्ष-टीएससीयुबीएफएल, चेयरमैन-राजधानी को-आपरेटिव अर्बन बैंक लि. वेमीरेड्डी नरसिम्हा रेड्डी, अगरवाल समाज तेलंगाना अध्यक्ष मनिष अगरवाल, अमृत ग्रूप आफ कंपनीज चेयरमैन अमृत कुमार जैन, बीएन राठी सेक्युरिटीज लि. प्रबंध निदेशक एवं चेयरमैन व निदेशक महेश विद्या भवन हरिनारायण राठी आदि शामिल हैं।

जिसमें अग्रसेन बैंक अधिकारियों ने यह भी बताया कि, अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया के निपुण कुशल नेतृत्व में तथा तत्संबंधित समर्पित निदेशक मंडल द्वारा अग्रसेन बैंक द्वारा समस्त ढंग के वित्तीय समाधान करने में सक्षम है। साथ ही इस बैंक ने नई डिपाजिट स्कीम्स के साथ 555 दिनों की जमा अवधि पर 9 प्रतिशत ब्याज दर (वरिष्ठ नागरिकों के लिए 9.5 प्रतिशत ब्याज दर) व्यवस्था एवम् फ्युचर स्टार्स आरडी स्कीम्स को भी प्रारंभ किया है जो, लंबी अवधि के बचत लक्ष्यों का समर्थन करता है।

इस बारे में इस बैंक के महा प्रबंधक-सीइओ सी.वी. राव एवम् वरिष्ठ प्रबंधन दल द्वारा ग्राहक सेवा तथा वित्तीय समाधान करने में निरंतर समर्पित हैं।

इसके चलते इस बैंक द्वारा ग्रेटर हैदराबाद में अबतक चार नई शाखाएं खोली हैं जिनमें, अत्तापुर, बंजारा हिल्स, हिमायतनगर, कुक्कटपल्ली का समावेश है। इससे स्पष्ट है कि, अग्रसेन बैंक द्वारा असंख्य ग्राहकों को बेजोड बैंकिंग सेवा देने में समर्पित है।

इसके चलते अग्रसेन बैंक के तत्संबंधित प्रमुखों ने बताया कि, इस बैंक के खासकर हैदराबाद में बैंकिंग क्षेत्र में विस्तार एवं निरंतर यश की सफलता के लिए, हमारे बहुमूल्य शेयरधारकों, ग्राहकों एवम् शुभचिंतकों की खास भूमिका रही है। इस उद्घाटन अवसर पर तत्संबंधित अधिकारियों ने भी भाग लिया।

राष्ट्रीय किसान मेला एवं उद्योग सम्मेलन आज

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर 3 मार्च को श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केन्द्र के अनुसूचित जाति तथा जनजाति उप-परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय श्री अन्न किसान मेला एवं उद्योग सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

यह मेला प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय राजेंद्रनगर के सभागार में आयोजित किया जाएगा एवं इसमें प्रदर्शनी स्टॉल, उत्पादक-खरीदार बैठकें, व्यापारी- बैठकें पैनल चर्चा आदि शामिल है। यह आयोजन में देशभर के 2,000 से ज्यादा किसानों, श्री अन्न किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, महिला किसानों, प्रद्योगविदों, शोध संस्थानों, नीति निर्माताओं, कृषि-व्यवसाय विशेषज्ञों, स्टार्टअप्स, उद्योगपतियों तथा अन्य सभी श्री अन्न हितधारकों को एक साथ लाएगा।

इस अवसर पर भागीरथ चौधरी, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार मुख्य अतिथि होंगे। तुम्माला नागेश्वर राव, कृषि, विपणन, सहकारिता तथा हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री, तेलंगाना सरकार विशिष्ट अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम में एनआईआरडीपीआर, एनआईपीएचएम एनआई-एमएसएमई, हैदराबाद के महानिदेशक तथा हैदराबाद स्थित सभी भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक भाग लेंगे।

कुमावत समाज तेलंगाना में नई शाखा का गठन

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजी नगर मलकाराम में कुमावत सेवा संघ मलकाराम बालाजी नगर शाखा का गठन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष सोनाराम व सभी शाखाओं के अध्यक्षों के सानिध्य में नई कार्यकारणी में नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोविन्दराम बाकरेचा, उपाध्यक्ष श्रवणलाल दुबलदीया, प्रकाश चन्द दुबलदीया, सचिव माणकचन्द मेड़तीया, सह सचिव श्यामलाल मोटावत, प्रकाश चन्द्र चान्दोरा, कोषाध्यक्ष शम्भुराम मोटावत, सह कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल चान्दोरा, मंत्री अमराराम बाकरेचा, राकेश धमाणिया, सह मंत्री तेजाराम दुबलदीया, संपतराज बावलीया, प्रचारमंत्री छैलाराम दुबलदीया, कानाराम मोटावत, सलाहकार मंत्री मल्लाराम नागोरा, धर्माराम गोटवाल, मदनलाल लारणा, पारसमल अडाणीया, खेल मंत्री मदनलाल अडाणीया, केसाराम अडाणीया, पेमाराम हिन्दड़, कन्हैयालाल घोडावड़, कार्यकारणी मेम्बर-चम्पालाल रेणवाल, भुराराम अडाणीया, श्रवण बोरावड़, लादूराम तिलायचा, राकेश धमाणिया, श्रवण चान्दोरा, केसाराम मावर, राकेश मानणिया, बुधाराम मालीवाड, प्रेम हिन्दड, रमेश चान्दोरा, बस्तीराम मोटावत, गोविन्दराम तिलायचा, ओमप्रकाश मेहरोता, राजुराम दुबलदीया, मोहनलाल चान्दोरा, दिनेश गोटवाल, सत्यनारायण मालीया, दिनेश मडोरा, ओमप्रकाश मालीवाड, सुरेश दुबलदीया, मंगलाराम गुगाण, उदाराम मोटावत, रमेश मानणीया, पारसमल दुबलदीया का चयन किया गया। आम सभा के सभापति सोहनलाल माननीया व मंच संचालन आप हम अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत द्वारा किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'मुझे सीएम पद...

उद्धव ठाकरे से लड़ाई शुरू करते-करते एकनाथ शिंदे के बीच का 'मराठा' जाग उठा। उन्होंने यह बम फोड़ा कि आत्मसम्मान के लिए उनका 'उत्थान' किया गया है। उस मराठा को आज दिल्ली के शाहों के चरणों में झुकते हुए देखा जा सकता है। शिंदे की तो अब नई दुनिया में भी जान चली गई। सामना में दावा किया गया कि एकनाथ शिंदे ने 22 फरवरी की सुबह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह मुलाकात पुणे के कोरेगांव पार्क स्थित वेस्टिन होटल में हुई। शिंदे अमित शाह से मिलने के लिए सुबह चार बजे तक जाग रहे थे।

ये काफी मजेदार है, 'मैं तुम्हारा खून पियूंगी', मां को पीटते हुए बोली बेटी,

सामना के अनुसार शिंदे ने कहा, सरकार में मेरा कोई सम्मान नहीं है, कल तक मैं मुख्यमंत्री था। आज मेरे सारे फैसले पलटे जा रहे हैं। शिंदे ने सुबह 4 बजे अमित शाह से मुलाकात की। शिंदे को इतनी सुबह अमित शाह से मिलकर यह नहीं कहना चाहिए था। बेलगाम में मराठी लोगों पर हमले बंद करो, केंद्र को हस्तक्षेप करना चाहिए।

सामना में लिखा गया, शाह से मुलाकात के बाद जब शिंदे बाहर निकले तो उनका चेहरा उतर गया। गृह मंत्री अमित शाह और शिंदे के बीच चर्चा हुई और शिंदे ने फड़णवीस को लेकर शिकायत की।

पद छोड़ते ही मुश्किल...

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि 'ग्लोबल डायनामिक अपॉर्च्युनिटी फंड' में कथित तौर पर अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी ने अरबों डॉलर निवेश किए हैं। इस पैसे का इस्तेमाल अदाणी ग्रुप के शेयरों के दामों में तेजी लाने के लिए किया गया था। बुच 16 मार्च 2022 तक एगोरा पार्टनर्स सिंगापुर की 100 प्रतिशत शेयरधारक बनी रहीं और सेबी के मेंबर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वह इसकी मालिक रहीं। सेबी चेयरपर्सन के रूप में नियुक्ति के 2 हफ्ते बाद उन्होंने अपने शेयर अपने पति के नाम ट्रांसफर किए।

सेबी चीफ पर कांग्रेस पार्टी ने भी आरोप लगाए थे। कॉग्रेस ने सेबी से जुड़े होने के दौरान आईसीआईसीआई बैंक समेत 3 जगहों से सैलरी लेने का आरोप लगाया था। कॉग्रेस स्पोक्सपर्सन पवन खेड़ा ने कहा था, माधबी पुरी बुच 5 अप्रैल, 2017 से 4 अक्टूबर, 2021 तक सेबी में पूर्णकालिक सदस्य थीं। फिर 2 मार्च, 2022 को माधबी पुरी बुच सेबी की चेयरपर्सन बनीं। हालांकि, सेबी चीफ और आईसीआईसीआई बैंक ने आरोपों को नकार दिया। बैंक ने कहा, बैंक से रिटायर होने के बाद माधवी को कोई सैलरी या एम्प्लॉई स्टॉक ऑप्शन नहीं दिया गया। उन्होंने सिर्फ रिटायरमेंट बेनिफिट्स लिए।

माधबी पुरी बुच 28 फरवरी को सेबी चीफ के पद से रिटायर हुई हैं। उनकी जगह केंद्र सरकार ने वित्त सचिव तुहिन कांत पांडे को अगला सेबी प्रमुख नियुक्त किया है। तुहिन अगले 3 साल के लिए इस पद पर रहेंगे। तुहिन कांत पांडे ओडिशा कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे मोदी 3.0 सरकार में भारत के सबसे व्यस्त सचिवों में से एक हैं। वे फिलहाल केंद्र सरकार में चार महत्वपूर्ण विभागों को संभाल रहे हैं। उन्हें 7 सितंबर 2024 को वित्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया था।

2,000 ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में लोग, खास तौर पर परिवार के लोग खूब यात्रा करते हैं क्योंकि स्कूल बंद रहते हैं और कामकाजी लोग दफ्तरों से कुछ समय के लिए छुट्टी ले लेते हैं। इसलिए यात्रियों की भीड़ को देखते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) इस साल गर्मियों में यात्रियों के लिए करीब 2,000 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बना रहा है। ये ट्रेनें गर्मियों के दौरान सभी प्रमुख और व्यस्ततम मार्गों पर पूरी क्षमता से चलेंगी। मांग के आधार पर, मार्च से जून के बीच और उसके बाद के मौसम में सेवाओं को बढ़ाया जा सकता है। गर्मियों में सबसे व्यस्त मार्गों में से एक मार्ग तेलंगाना को उत्तर प्रदेश और बिहार से जोड़ता है। इसी तरह, गर्मी के मौसम में तेलंगाना और ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के बीच काफी यातायात होता है। इसे संबोधित करने के लिए, एससीआर हैदराबाद से संतरागाछी, नागरसोल और दानापुर के लिए आरक्षित और अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बना रहा है, जो मार्ग के सभी प्रमुख स्टेशनों पर रुकेंगी। एससीआर ने अप्रैल, मई और जून 2024 में 2,000 से ज़्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाईं। बाद में यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए इसने अनारक्षित ट्रेनें भी शुरू कीं। इससे 4.65 लाख अतिरिक्त यात्रियों को लाने-ले जाने में मदद मिली और 40 करोड़ रुपये का राजस्व भी मिला।

इस बीच, दशहरा और संक्रांति जैसे त्यौहारों के लिए आयोजित विशेष ट्रेनों में वसूले जा रहे अतिरिक्त शुल्क के विपरीत, यात्री रेलवे अधिकारियों से अनुरोध करते हैं कि वे गर्मियों में विशेष ट्रेनों के लिए टिकट किराया न बढ़ाएं।

48 घंटे में छोड़ा जाए सिंचाई के लिए पानी

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार को अपने सिरसिला निर्वाचन क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पानी छोड़ने के लिए 48 घंटे की समयसीमा तय की है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार पानी छोड़ने में विफल रहती है तो वे सिंचाई मंत्री के कक्ष के सामने धरना देंगे। रविवार को अपने सिरसिला निर्वाचन क्षेत्र में सूखे खेतों का निरीक्षण करते हुए, रामाराव ने देवुनिगुट्टा थांडा में परेशान किसानों से मुलाकात की, जहां उन्होंने सूखे फसल के खेतों को देखा और उनकी शिकायतें सुनीं। उन्होंने सरकार पर पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध के लिए जानबूझकर सिंचाई के पानी को रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मेडिगड्डा बैराज में दरार का इस्तेमाल तेलंगाना के किसानों को पानी से वंचित करने के बहाने के रूप में किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जब चंद्रशेखर राव मुख्यमंत्री थे, तो भीषण गर्मी में भी हमने हर जलस्रोत में पानी सुनिश्चित किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हार्दिक तमोर का शतक, 11 छक्के उड़ाते हुए मारा मैदान

सिर्फ 58 गेंदों में नाबाद 132 रन ठोककर जिताया मैच

वी मुंबई, 2 मार्च (एजेंसियां)। हार्दिक का जवाब नहीं. उनकी बल्ले से निकली तूफानी पारी का जवाब नहीं. ये हार्दिक पंड्या नहीं बल्कि हार्दिक तमोर का कमाल है. 19वें डीवाई पाटिल T20 लीग में 1 मार्च को खेले मुकाबले में मचाया उनका धमाल है. 220 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हार्दिक ने सिर्फ 58 गेंदों पर ऐसा घमासान मचाया कि जीत पक्की हो गई. हार्दिक ने आखिर तक नाबाद रहते हुए 132 रन जड़े, जिसमें 11 छक्कों के अलावा उतने ही चौके भी शामिल रहे. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 227. 92 का रहा.

हार्दिक के इरादे के आगे घुटने टेकी टीम

डीवाई पाटिल T20 लीग में मुकाबला निर्लोन और जैन इरिगेशन की टीम के बीच था. हार्दिक तमोर इस मैच में जैन इरिगेशन का हिस्सा थे. 1 मार्च को खेले मैच में निर्लोन ने पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 219 रन बनाए. अब जैन इरिगेशन के सामने 220 का लक्ष्य था. इस लक्ष्या का पीछा करते हुए उसके टॉप ऑर्डर के 3 विकेट 100 रन के अंदर गिर गए. लेकिन, गिरते हुए विकेटों के बीच हार्दिक तमोर के इरादे कुछ और ही थे.

11 छक्के 11 चौके और 132* रन, हार्दिक का जवाब नहीं

अपने बुंलद इरादों के साथ हार्दिक ने निर्लोन के गेंदबाजों पर हल्ला बोल दिया. और, फिर जो रिजल्ट निकला, उसने टीम की जीत का प्रोग्राम बना दिया. हार्दिक ने 92 मिनट तक बल्लेबाजी की, जिसमें 58 गेंदों का सामना करते हुए ना सिर्फ अपना धमाकेदार शतक पूरा किया बल्कि टीम को जीत भी दिला दी. हार्दिक ने 11 छक्के और 11चौके जमाते हुए नाबाद 132 रन बनाए. हार्दिक तमोर के नाबाद तूफानी शतक की बदौलत जैन इरिगेशन ने मुकाबला 18वां ओवर खत्म होते ही जीत लिया. मतलब 12 गेंदें हाथ में रहते हुए उसने ये मुकाबला जीता.

हार्दिक बने मैच के हीरो

हार्दिक तमोर को अपने दम पर मैच जिताने और उस तूफानी पारी के लिए, जिसकी बदौलत उन्होंने ऐसा किया, प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

हार्दिक तमोर विकेटकीपर बल्लेबाज हैं. घरेलू क्रिकेट में उन्होंने मुंबई के लिए डेब्यू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 2020 में जबकि लिस्ट ए और T20 में 2021 में किया था.

प्राग मास्टर्स में प्रज्ञानंद ने पहली जीत दर्ज की

अरविंद ने एकल बढ़त हासिल की

नई दिल्ली, 2 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने चेक गणराज्य के एनगुयेन थाई डाई वान के खिलाफ आसान जीत दर्ज की जबकि हमवतन अरविंद चितंबरम ने प्राग मास्टर्स के तीसरे दौर में चीन के शीर्ष वरीय वेई यी को हराकर एकल बढ़त हासिल की। टूर्नामेंट के प्रबल दावेदारों में से एक प्रज्ञानंद ने 14वीं चाल में यह प्रभावशाली जीत दर्ज की।

पहले दो दौर में दो ड्रॉ खेलने के बाद उनके लिए यह जीत अहम रही। उन्होंने अपने प्रदर्शन के बारे में कहा, 'दूसरा दौर कुछ खास नहीं था। पहले दौर में मेरी स्थिति अच्छी थी।' प्रज्ञानंद की यह पहली जीत रही जबकि हमवतन अरविंद चिथमबरम लाइव रेटिंग में दुनिया के शीर्ष 20 खिलाड़ियों में प्रवेश करने के बाद पहली बार एलीट टूर्नामेंट में खेल रहे हैं।

अरविंद के इस जीत से तीन में से 2.5 अंक हो गए। वहीं अमेरिका के सैम शंकलैंड को जर्मनी के विंसेंट कीमर से हार मिली। प्रज्ञानंद और कीमर दो दो अंक लेकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वियतनाम के क्वांग लीम ले, चेक गणराज्य के डेविड नवारा, हॉलैंड के अनीश गिरी और शंकलैंड संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं, ये डाई वान और तुर्किये के गुरेल एडिज से आधा अंक आगे हैं।

शीर्ष वरीय वेई यी 10 खिलाड़ियों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर हैं। राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में अभी छह दौर बाकी हैं। साथ ही खेले जा रहे चैलेंजर्स वर्ग में दिव्या देशमुख को तीन दिन में दूसरी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें उज्बेकिस्तान की नोडिरबेक याकूबबोव से हार मिली।3

गोवा क्रिकेट एसोसिएशन के रोहन देसाई बने बीसीसीआई के संयुक्त सचिव

एसजीएम बैठक में लगी मुहर

पणजी, 2 मार्च (एजेंसियां)। गोवा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव रोहन देसाई को सर्वसम्मति से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का नया संयुक्त सचिव चुना गया है। उनका चुनाव को मुंबई में बीसीसीआई के मुख्यालय में बीसीसीआई की विशेष आम बैठक के दौरान हुआ। यह चुनाव देवजीत सैकिया द्वारा खाली किए गए पद को भरने के लिए हुआ था, जिन्हें हाल ही में जय शाह के आईसीसी चेयरमैन के रूप में नई भूमिका संभालने के बाद बीसीसीआई सचिव की भूमिका में पदोन्नत किया गया था।

एकमात्र उम्मीदवार थे रोहन देसाई

रोहन देसाई संयुक्त सचिव पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे, जिससे उनका चुनाव महज औपचारिकता बनकर रह गया। इस कार्यक्रम में बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला समेत कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद थे। इस नियुक्ति के साथ ही भारतीय क्रिकेट प्रशासन में गोवा की मौजूदगी मजबूत हुई है।

रोहन देसाई कौन हैं?

2022 से जीसीए सचिव के रूप में कार्य करने वाले देसाई ने क्रिकेट प्रशासन में कई सक्रिय भूमिका निभाई है।

वह पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में चार मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय पुरुष टीम के मैनेजर भी थे, जिसे भारत ने 3-1 से जीता था। जीसीए ने देसाई को बधाई देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति भारतीय क्रिकेट में गोवा के बढ़ते कद को दर्शाती है।

बधाई देते हुए जीसीए ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट और इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, "गोवा क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) के सचिव रोहन गौंस देसाई को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है, जो एक प्रतिष्ठित भूमिका है जो भारतीय क्रिकेट प्रशासन में गोवा की उपस्थिति को बढ़ाती है। उनकी नियुक्ति एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के प्रभाव को मजबूत करती है और खेल में इसके बढ़ते कद को दर्शाती है। इस सुयोग्य उपलब्धि के लिए उन्हें हार्दिक बधाई और आगे के सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

पॉइंट्स टेबल में दिल्ली कैपिटल्स का राज, दो टीमों का बुरा हाल

नई दिल्ली,2 मार्च (एजेंसियां)। वीमेंस प्रीमियर लीग के 13वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान मेग लैनिंग की धमाकेदार पारी के दम पर मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से मात दी। टीम ने इसके साथ ही इस टूर्नामेंट के प्लेऑफ के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। मैच में जीत दर्ज करते ही दिल्ली की टीम ने मुंबई इंडियंस के लगातार तीन मैचों के जीत के सिलसिले को भी तोड़ दिया और पॉइंट्स टेबल में टॉप स्थान हासिल किया।

इस जीत से दिल्ली के पॉइंट्स टेबल में 10 पॉइंट्स हो गए हैं। दिल्ली के बाद पॉइंट्स टेबल में मुंबई इंडियंस और यूपी वारियर्स की टीमें हैं, जिनके क्रमशः 6 और 4 पॉइंट्स हैं। मुंबई के पास अभी भी दो मैच बाकी हैं। ऐसे में उसके भी दिल्ली की तरह ही अधिकतम दस पॉइंट्स हो सकते हैं।

आरसीबी के लिए बढ़ गई मुसीबत

लगातार चार मैच हारने के बाद आरसीबी की मुसीबत बढ़ गई है, जहां टीम को अब प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के लिए अब तक जितना प्रदर्शन किया है, उससे कहीं बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी अब तक 6 मैचों में 4 पॉइंट्स लेकर चौथे स्थान पर है।

गुजरात की टीम सबसे फिसड्डी

अब तक खेले गए मैचों पर नजर दौड़ाई जाए तो गुजरात जायंट्स इस टूर्नामेंट की फिसड्डी टीम साबित हुई है, जहां टीम को पांच में से तीन मैचों में हार झेलनी पड़ी है, जबकि टीम सिर्फ दो मैच ही जीत पाई है। आरसीबी की तरह ही गुजरात के भी चार पॉइंट्स हैं, लेकिन नेट रन रेट की वजह से वो पॉइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर विराजमान है।

टीमें	मैच	जीते	हारे	नेट रन रेट	पॉइंट्स
दिल्ली कैपिटल्स	7	5	2	0.482	10
मुंबई इंडियंस	5	3	2	0.166	6
यूपी वॉरियर्स	5	2	3	-0.124	4
रॉयल चैलेंजर्स	6	2	4	-0.244	4
गुजरात जायंट्स	5	2	3	-0.45	4

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने अबरार - शुभमन गिल के साथ जो किया

अब विराट कोहली को लेकर कहा वो उनके बचपन के हीरो हैं

खेल डेस्क,2 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले की लाइनअप तय हो चुकी है. लेकिन, उससे पहले एक पाकिस्तानी खिलाड़ी ने विराट कोहली को लेकर बड़ी बात कही है. हम बात कर रहे हैं पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद की, जिन्होंने कोहली को बचपन का हीरो बताया है. ये वही अबरार अहमद है जिन्होंने 23 फरवरी को खेले भारत-पाकिस्तान मैच वाले दिन शुभमन गिल का विकेट लेने के बाद सेलिब्रेशन में उन्हें भद्दे इशारे किए थे. अबरार को अपने उस सेलिब्रेशन के लिए तीखी आलोचना झेलनी पड़ी थी.

अबरार अहमद ने विराट को लेकर क्या कहा?

अबरार अहमद ने अब विराट कोहली को लेकर पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने विराट को लेकर कहा है कि वो उनके बचपन के हीरो हैं और उन्हें गेंदबाजी करना उनके लिए कमाल का अनुभव रहा है. अबरार ने ये भी कहा कि चाहे मैदान के अंदर हो या मैदान के बाहर विराट कोहली हर जगह लोगों के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं. उन्होंने उनसे मिली सराहना के लिए भी खुद को आभारी बताया. अबरार ने ये सारी बातें विराट के साथ अपनी तस्वीरों का एक कोलाज शेयर करते हुए कही.

शुभमन गिल को विकेट लेने पर किए थे भद्दे इशारे, हुई थी आलोचना

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में मुकाबला खेला गया था. उस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया था . लेकिन, हार और जीत के नतीजे पर पहुंचने से पहले मैत में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिससे दुनिया भर के क्रिकेट पंडितों की भौंहें अबरार अहमद पर तन गई थी. शुभमन गिल का विकेट लेने के बाद अबरार अहमद ने उन्हें सेलिब्रेशन में पवेलियन लौटने के भद्दे इशारे किए थे.

अबरार के उस रिएक्शन की जमकर आलोचना हुई थी. यहां तक की पाकिस्तानी क्रिकेट के

मोहम्मद रिजवान का पाकिस्तानी टीम में रहना मुश्किल?

सलमान अली बन सकता है पाक का अगला कप्तान

इस्लामाबाद,2 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की हालत सबसे खराब रही. पाकिस्तान के घर में ही इस टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है लेकिन इससे पाकिस्तान पांच दिनों के भीतर ही बाहर हो गया था. इस करारी चोट के बाद पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान पर लगातार पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स निशाना साध रहे हैं. अब अहमद शहजाद ने भी रिजवान की कप्तानी की जमकर आलोचना की है और बताया कि बतौर कप्तान उन्होंने बहुत सारी गलतियां की है. वो कप्तानी में और बेहतर कर सकते थे.

पाक-इंग्लैंड का एक जैसा हुआ हाल

पाकिस्तान और इंग्लैंड दोनों ही टीमों का हाल इस टूर्नामेंट में एक जैसा रहा. पाक ने अपने शुरुआती दोनों मैच गंवा दिए. और उसका ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच बारिश की भेंट चढ़ गया. वहीं इंग्लैंड ग्रुप स्टेज में अपने तीनों मैच हार गई. इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच से पहले ही कप्तानी छोड़ने का ऐलान करते हुए कहा था कि ये उनका बतौर कप्तान आखिरी मैच होगा. इसके बाद मुद्दा उठा कि मोहम्मद रिजवान और जॉस बटलर में से ज्यादा खराब कप्तानी किसने की? इस सवाल के जवाब में अहमद शहजाद ने रिजवान की तगड़ी क्लास लगा दी.

रिजवान की कप्तानी पर भड़के शहजाद

मोहम्मद आमिर, अहमद शहजाद और राशिद लतीफ 'हारना मना है' शो पर पहुंचे थे. इस दौरान अहमद ने रिजवान और बटलर की कप्तानी के सवाल पर कहा कि अगर बटलर का देखा जाए तो वो एक आईसीसी इवेंट साल 2022 में जीता. इसके बाद दो आईसीसी इवेंट हार गया. वो अपनी टीम खड़ी नहीं कर सके. इसके लिए उन्होंने स्टेपडाउन कर दिया. लेकिन रिजवान के पास पिछले 6 महीने थे और उन्होंने ये छह महीने बहुत गंदे तरीके से इस्तेमाल किए. 6 महीने बहुत अच्छे से इस्तेमाल किए जा सकते थे.

अहमद शहजाद ने आगे कहा कि जिन खिलाड़ियों के साथ वो पिछले पांच से 6 महीने से थे चाहे साउथ अफ्रीका के खिलाफ थे या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में थे उनको हटाकर एन टाइम पर दूसरे खिलाड़ियों को ले लिया. इसके अलावा पाक के पास सिर्फ एक ओपनर फखर जमां थे जो कि चोट से वापसी कर रहे थे. आप टूर्नामेंट खेलने जा रहे हैं और बाकी टीमों के पास देखें तो कम से कम तीन ओपनर होते हैं लेकिन पाकिस्तान के पास सिर्फ एक ओपनर था. इसके बाद एन टाइम पर पैराशूट के जरिए फहीम अशरफ को ले आए. आप एशिया के अंदर क्रिकेट खेल रहे थे देखा जाए तो दूसरी टीमों के पास कम से कम दो मुख्य और एक पार्ट टाइम स्पिनर था लेकिन पाकिस्तान सिर्फ एक स्पिनर अबरार अहमद के साथ गई. वनडे में 10 ओवर खुशदिल शाह और सलमान अली आगा से कराए गए. इसके अलावा शहजाद ने रिजवान पर ये आरोप भी लगाए कि जिन खिलाड़ियों को लेकर गए उनका ठीक से इस्तेमाल नहीं किया गया. उन्होंने कहा कि ये सारी चीजें थी जो हमारा कप्तान बेहतर कर सकता था लेकिन नहीं किया.

कौन बन सकता है पाकिस्तान का अगला कप्तान?

पाकिस्तान की हार के साथ ही कोचिंग स्टाफ और टीम में बदलाव को लेकर भी काफी चर्चा हो रही है. रिजवान के ऊपर भी गाज गिरना तय माना जा रहा है. ऐसे में सवाल है कि अगर रिजवान को कप्तानी से हाथ धोना पड़ सकता है तो पाक का अगला कप्तान कौन होगा? इसे लेकर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी लेकिन माना जा रहा है कि सलमान अली आगा पाक की कमान संभाल सकते हैं. क्योंकि वो फिलहाल पाकिस्तान के उपकप्तान हैं.

विदर्भ तीसरी बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बना

फाइनल मैच ड्रॉ रहा, केरल के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर जीत तय हुई

खेल डेस्क, विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 का खिताब जीत लिया है। विदर्भ और केरल के बीच फाइनल मुकाबला ड्रॉ रहा। पहली पारी की लीड के आधार पर विदर्भ को चैंपियन घोषित किया गया।

विदर्भ ने पहली पारी में 379 रन बनाए थे। केरल ने इसके जवाब में 342 रन बनाए। विदर्भ को पहली पारी के आधार पर 37 रन की बढ़त मिली। विदर्भ ने मैच के पांचवे दिन तक दूसरी पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 375 रन बनाए और केरल को खेलने के लिए बुलाए बिना ही मैच ड्रॉ करने का ऐलान किया गया।

विदर्भ की टीम ने तीसरी बार रणजी ट्रॉफी का टाइटल जीता है। इससे पहले टीम ने 2017-18 और 2018-19 में यह खिताब जीता था। उन्होंने 2017 में दिल्ली और 2018 में सौराष्ट्र को हराया था। वहीं टीम 2023-24 में उपविजेता रही थी। जिसमें मुंबई ने उन्हें फाइनल में मात दी थी। केरल क्रिकेट टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी।

दानिश को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

विदर्भ ने आज सुबह 249/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 126 रन जोड़े और 5 विकेट गंवा दिए। दानिश मालेवार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने विदर्भ के लिए पहली पारी में 153 और दूसरी में 73 रन बनाए। टीम के लिए दूसरी पारी में करुण नायर ने 135 रन बनाए। दर्शन नालकांडे ने नाबाद 51 रन की पारी खेली।

सकलैन मुश्ताक ने दिया टीम इंडिया को चैलेंज

तो पाकिस्तान के खिलाफ 10 टेस्ट, वनडे और टी20 मुकाबले खेलकर दिखाएं

इस्लामाबाद,2 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने भारत के चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद बड़ा बयान दिया है। उन्होंने टीम इंडिया को खुली चुनौती दी है कि अगर वे वाकई मजबूत टीम हैं, तो पाकिस्तान के खिलाफ 10 टेस्ट, वनडे और टी20 मुकाबले खेलकर दिखाएं।

मुश्ताक ने 24 न्यूज एचडी चैनल पर बात करते हुए कहा, "अगर हम राजनीतिक चीजों को अलग रखें, तो उनके खिलाड़ी बेहतरीन हैं और वे अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। अगर आप एक अच्छी टीम हैं, तो मुझे लगता है कि हमें पाकिस्तान के खिलाफ 10 टेस्ट, 10 वनडे और 10 टी20 मैच खेलने चाहिए, फिर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। अगर हम अपनी तैयारी सही तरीके से करते हैं और चीजों को सही दिशा में सुलझाते हैं, तो हम ऐसी स्थिति में होंगे जहां हम दुनिया और भारत को भी ठोस जवाब दे सकते हैं।"

घरेलू चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का प्रदर्शन बहुत बेहद निराशाजनक रहा था। वे न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच 60 रन से हार गए थे और फिर भारत से छह विकेट से हार गए। बांग्लादेश के खिलाफ उनका आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच बारिश की भेंट चढ़ गया, जिससे उन्हें तीन मैचों में सिर्फ एक अंक मिला और वे ग्रुप ए में सबसे निचले स्थान पर रहे।

मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने वनपर्ती सरकारी कॉलेज में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस अवसर पर मंत्री- दामोदर राजा नरसिम्हा, जुपल्ली कृष्ण राव, मुख्य सचिव शांति कुमारी, योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी चिन्ना रेड्डी, वनापर्ती विधायक मेघा रेड्डी, नागरकर्नूल सांसद मल्लू रवि, जिले के विधायक, उच्च अधिकारी और पार्टी नेता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा वनापर्ती जीएच भवन, यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल भवन, जेडपीएचएस (लड़कों) स्कूल और जूनियर कॉलेज भवन, वनापर्ती आईटी टॉवर, श्री रंगापुरम मंदिर कार्य, पेब्बेरू 30-बेड सरकारी अस्पताल भवन, राजनगरम, पेड्डामंडी बीटी सड़क कार्य और सीसीआर सड़क निर्माण की आधारशिला रखीं।

मेरे निर्वाचन क्षेत्र के किसानों को सरकार ने निशाना बनाया : केटीआर

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने एक बार फिर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने रेवंत रेड्डी की सरकार पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए दावा किया कि वे उनके विधानसभा क्षेत्र के किसानों पर उनके प्रति नफरत के कारण अपना गुस्सा दिखा रहे हैं। केटीआर सिरिसिला के जिल्लेला गांव के किसान अब्बादी राजिरेड्डी के घर गए और उनसे मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय होने पर उसकी रक्षा के लिए आगे आएंगे। उन्होंने सवाल किया कि सिरिसिला जिला कलेक्टर द्वारा उनके और बीआरएस पार्टी के प्रति गुस्से में एक गरीब, बीमार किसान को गिरफ्तार करके जेल भेजना कितना उचित है। केटीआर ने गुस्से में कहा, अगर पूर्व केसीआर सत्ता में रहते हुए भी गुटबाजी की यही राजनीति करना चाहते तो आज कांग्रेस के सभी नेता कहां होते। उन्होंने सीएम रेवंत रेड्डी को सलाह दी कि वे अब से ऐसी गतिविधियां बंद करें और शासन पर ध्यान दें।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हैदराबाद के शमशाबाद हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का गर्मजोशी से स्वागत किया साथ में मंत्री पोन्नम प्रभाकर व अधिकारीगण।

जीएसआई ने संजीवैया पार्क में वॉकथॉन का आयोजन किया

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने रविवार को टैंक बंड स्थित संजीवैया चिल्ड्रन पार्क में राष्ट्र की सेवा के 175 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वॉकथॉन का आयोजन किया। जीएसआई 1851 में स्थापित एक प्रमुख भूवैज्ञानिक संगठन है। यह दुनिया का सबसे बड़ा और दूसरा सबसे पुराना भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण है और देश भर में भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण करने, सरकार, उद्योग और जनता को आवश्यक पृथ्वी विज्ञान संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्र के प्रति अपनी 175 वर्ष की सेवा के उपलक्ष्य में, हैदराबाद में जीएसआई दक्षिणी क्षेत्र (एसआर) और प्रशिक्षण संस्थान (टीआई) ने संजीवैया चिल्ड्रन पार्क, नेकलेस रोड में वॉकथॉन (पैदल चलना) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वॉकथॉन का प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्र के विकास के लिए जीएसआई की 175 वर्ष की सेवा के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में न केवल जीएसआई के योगदान पर प्रकाश डाला गया, बल्कि समुदाय के भीतर शारीरिक गतिविधि और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर भी जोर दिया गया। जीएसआई दक्षिणी क्षेत्र के अतिरिक्त महानिदेशक और प्रमुख एस.डी. पटभाजे ने जीएसआई के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में सुबह 8 बजे कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने 1851 में अपनी स्थापना के बाद से जीएसआई द्वारा खोजे गए विभिन्न खनिजों, चट्टानों, अयस्कों, जीवाश्म ईंधन और जीवाश्मों के नमूनों को प्रदर्शित करने वाले एक प्रदर्शनी स्टाल का भी उद्घाटन किया। वॉकथॉन कार्यक्रम की शुरूआत जीएसआई के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 175 तिरंगे गुब्बारे छोड़ने से हुई, जो देश के लिए जीएसआई की 175 साल की शानदार सेवा का प्रतीक है। उद्घाटन के बाद, सभी प्रतिभागियों ने संजीवैया चिल्ड्रन पार्क से स्फूर्ति स्थल तक और वापस संजीवैया चिल्ड्रन पार्क तक पैदल यात्रा की, जिसमें नेकलेस रोड, टैंक बंड के साथ 3 किलोमीटर का रास्ता तय किया। जीएसआई के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मल्लेश गंजी ने बताया कि इस कार्यक्रम में जीएसआई के गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ छात्रों, शिक्षाविदों, विभिन्न संगठनों के भूवैज्ञानिकों और आम जनता सहित कुल 1,000 सदस्यों ने भाग लिया।

सांसद रघुनंदन राव ने सीएम रेवंत पर निशाना साधा

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक के सांसद रघुनंदन राव ने आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की कि उन्हें एसएलबीसी सुरंग ढहने वाली जगह पर जाने के लिए आठ दिनों तक समय नहीं मिला। उन्होंने यह भी आलोचना की कि तेलंगाना में प्रशासन ध्वस्त हो गया है। उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर विपक्षी दलों की आलोचना करने के लिए हमला किया कि वे शासन नहीं कर पा रहे हैं। नामपल्ली में भाजपा के राज्य कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नियुक्ति के बिना दिल्ली चले गए। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से पूछा कि अगर रेवंत ने वास्तव में राहुल गांधी से मुलाकात की थी तो सीएम के साथ उनकी मुलाकात की एक भी तस्वीर क्यों नहीं जारी की गई। यह दावा करते हुए कि एक बीसी नेता को महज औपचारिकता के तौर पर पीसीसी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, उन्होंने पीसीसी प्रमुख महेश कुमार को पार्टी हाईकमान को एक पत्र लिखने का सुझाव दिया कि पार्टी के एक बीसी नेता को भी मुख्यमंत्री का पद दिया जाए। उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस पार्टी को वारंगल जिले में बनने वाले मामुनूर एयरपोर्ट के बारे में बात करने का कोई हक नहीं है। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस से कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए सभी विधायक वापस अपने पाले में जाने को तैयार हैं। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को सज्जन व्यक्ति बताते हुए राव ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी को उनके खिलाफ बोलने का कोई हक नहीं है।

होली के लिए राजकोट और महबूबनगर के बीच 36 विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। होली त्योहार और गर्मी के मौसम के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) राजकोट-महबूबनगर-राजकोट के बीच 36 विशेष ट्रेन सेवाएं चलाएगा। ट्रेन संख्या 09575 (राजकोट-महबूबनगर) 3, 10, 17, 24 और 31 मार्च को चलेगी, 7, 14, 21, 28 अप्रैल और 5, 12, 19, 26 मई, 2, 9, 16, 23 और 30 जून को केवल सोमवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 09576 (महबूबनगर-राजकोट) 4, 11, 18, 25 मार्च को चलेगी 6, 13, 20, 27 मई और 3, 10, 17 और 24 जून को रवाना होगी। विशेष ट्रेनें वांकानेर, सुरेंद्रनगर, अहमदाबाद, नडियाद, आनंद, वडोदरा, सूरत, उधना, नंदुरबार, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, वाशिम, हिंगोली, बासमत, पूर्णा, नांदेड़, मुदखेड, धर्माबाद, बसर, निज़ामाबाद, कामारेड्डी, काचीगुडा, उमदानगर, शादनगर और जडचेरला स्टेशनों पर रुकेगी। इन विशेष ट्रेनों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच शामिल हैं।

विधानसभा सत्र के संचालन के लिए तकनीकी रास्ता साफ

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा और विधान परिषद के सत्र के लिए रास्ता साफ हो गया है। राज्यपाल के सत्रावसान के साथ तकनीकी चिंताओं को दूर करने के बाद तेलंगाना सरकार जल्द ही अपनी बजट बैठकें आयोजित करने की तैयारी कर रही है। चूंकि सरकार ने घोषणा की है कि राज्यपाल आगामी बजट सत्र के दौरान भाषण देंगे, इसलिए यदि नए सत्र राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू होने हैं, तो पहले से स्थगित किए गए किसी भी सत्र को स्थगित करना आवश्यक होगा। पिछले दिसंबर में, दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया था और बाद में स्थगित कर दिया गया था, जिससे नए सत्रों का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने रविवार को एक राजपत्र अधिसूचना जारी की, जिसमें आधिकारिक तौर पर विधानसभा और विधान परिषद् दोनों के सत्रों को स्थगित कर दिया गया। यह घोषणा की गई है कि तेलंगाना बजट सत्र अगले सप्ताह के लिए निर्धारित हैं।

हैदराबाद विश्वविद्यालय ने की नए वित्त अधिकारी की नियुक्ति

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय ने बुदिदा श्रीनिवास को अपना नया वित्त अधिकारी नियुक्त किया है। श्रीनिवास के पास वित्त, लेखा, लेखा परीक्षा, अनुपालन और सरकारी विनियमन में 27 वर्षों का प्रभावशाली अनुभव है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि वित्त अधिकारी के पद पर नियुक्ति से पहले उन्होंने विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों पर कार्य किया था। श्रीनिवास के पास उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) से वाणिज्य में स्नातकोत्तर डिग्री, बीआरएओयू से एमबीए तथा काकतीय विश्वविद्यालय से वाणिज्य की डिग्री है। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान में स्नातक की डिग्री भी प्राप्त की है। वर्तमान में वे वित्तीय प्रशासन में पीएचडी कर रहे हैं।

शोधकर्ताओं ने विकसित की कचरे को जैव ईंधन में बदलने की तकनीक

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लैंडफिलिंग लीचेट, घरेलू सेप्टेज प्रबंधन और खाद्य अपशिष्ट के लिए एक स्मार्ट समाधान में, बिट्स पिलानी के हैदराबाद परिसर के शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जो जैविक अपशिष्ट को मीथेन युक्त बायोगैस में परिवर्तित करती है, जिसका उपयोग जैव ईंधन के रूप में किया जा सकता है। पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर पी. शंकर गणेश और उनकी टीम द्वारा विकसित, आईस्टार (इंटेलीजेंटली स्टिरर्ड थर्मोफिलिक एनारोबिक रिएक्टर), एक एकल-चरण उन्नत एनारोबिक पाचन प्रक्रिया है, जो कार्बनिक अपशिष्ट को मीथेन-समृद्ध बायोगैस में परिवर्तित करने के लिए डिज़ाइन की गई है। नया तरीका, जो नगर निगम के ठोस अपशिष्ट, लैंडफिल लीचेट, मल-मिट्टी/घरेलू सेप्टेज, खाद्य अपशिष्ट और सीवेज कीचड़ सहित अन्य अपशिष्टों के उपचार के लिए तैयार किया गया है, की रूपांतरण दर प्रभावशाली है, जो 85 प्रतिशत जैविक अपशिष्ट को 60-70 प्रतिशत मीथेन युक्त बायोगैस में परिवर्तित कर देता है। इसके अतिरिक्त, इस प्रक्रिया से पोषक तत्वों से भरपूर जैवउर्वरक, एसिड और अल्कोहल जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद उत्पन्न होते हैं। यह तकनीक कचरे का तेजी से उपचार भी करती है और रिएक्टर को स्थापित करने और चलाने के लिए बहुत कम जगह की आवश्यकता होती है।

थाने की इमारत से ट्रक चालक ने लगाई छलांग, हाथ-पैर टूटे

खम्मम में हिरासत में यातना

खम्मम, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के वीएम बंजार पुलिस थाने में कथित हिरासत में यातना के बाद एक ट्रक चालक ने आत्महत्या का प्रयास करते हुए अपने हाथ-पैर तोड़ लिए। सूर्यपेट जिले के कोडाद मंडल के रहने वाले ड्राइवर के जीवन कुमार अनतगिरी के परिवार के सदस्यों के अनुसार, शनिवार देर रात को उसे शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए पकड़ा गया, जब वह सीमेंट का लोड लेकर सथुपल्ली से खम्मम जा रहा था। उसे वीएम बंजार पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां कांस्टेबलों ने उसकी बेरहमी से पिटाई की।

बताया जाता है कि पुलिस की यातना से बचने के लिए वह थाने की पहली मंजिल पर भाग गया और पुलिस ने उसे फिर से पीटा और कथित तौर पर जातिवादी टिप्पणी की। पिटाई सहन न कर पाने के कारण वह इमारत से कूद गया। फिर पुलिस उसे खम्मम के सरकारी अस्पताल ले गई और उसके परिजनों को सूचना देकर वहीं छोड़ दिया। पुलिस स्टेशन की इमारत से कूदने के कारण उसकी रीढ़ की हड्डी और कूल्हे की हड्डी टूट गई थी और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही थी। मीडिया से बात करते हुए परिवार के सदस्यों ने शिकायत की कि पुलिस जीवन कुमार को थाने ले गई और उसकी पिटाई की, जबकि श्वास परीक्षण के दौरान वह नशे में नहीं था।

4 वाहनों की टक्कर में 2 लोगों की मौत

नलगोंडा, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर पेड्डा कपार्थी के निकट रविवार तड़के चार वाहनों - एक निजी बस, कंटेनर ट्रक और दो कारों के बीच हुई भीषण सड़क दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब निजी बस के चालक ने अचानक ब्रेक लगाए और बस सड़क पर रुक गई। इसके परिणामस्वरूप बस के पीछे चल रही एक कार बस से टकरा गई। कार के पीछे से आ रहा एक कंटेनर ट्रक भी इस दुर्घटना में शामिल हो गया। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से कुचल गया, जिससे उसमें सवार दो लोगों की तत्काल मौत हो गई। एक अन्य कार भी नियंत्रण खोकर डिवाइडर से टकरा गई।

दुर्घटना में कई अन्य लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। बस विजयवाड़ा से हैदराबाद जा रही थी तभी यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हादसे के कारण हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लग गया, लेकिन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारू कर दिया गया।

युवक ने की प्रेमिका की मां को मारने की कोशिश

करीमनगर, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामदुगु मंडल के वन्नारम में एक युवक ने एक महिला का कथित तौर पर पीछा करते हुए उस पर शादी के लिए दबाव डाला और उसकी मां की हत्या करने की कोशिश की। ग्रामीणों के अनुसार, उसी गांव का राज कुमार नामक व्यक्ति एक महिला को परेशान कर रहा था और उस पर शादी करने का दबाव बना रहा था।

इस बात की जानकारी होने पर उसकी मां ने उसकी शादी किसी और से तय कर दी। इससे नाराज होकर राजकुमार ने उसकी मां पर हमला कर दिया और उसे जान से मारने की कोशिश की। पड़ोसियों ने मौके पर पहुंचकर महिला को बचाया। पुलिस ने आरोपी राज कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

एसीबी ने फरवरी में अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किए 17 मामले

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो तेलंगाना ने फरवरी माह में रिश्वत मांगने और वसूलने के आरोप में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ 17 मामले दर्ज किए। दर्ज किए गए 17 मामलों में से 15 मामले ट्रैप के हैं जबकि दो मामले आय से अधिक संपत्ति के हैं। इन मामलों में दो आउटसोर्सिंग कर्मचारियों सहित कुल 23 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। एसीबी ने ट्रैप मामलों में 7.60 लाख रुपये नकद जब्त किए। इसके अलावा, 2014 में ट्रैप मामले में पकड़े गए एक पंचायत सचिव को एसीबी अदालत ने दोषी करार देते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

गांजा तस्करों का उत्पात, चेक पोस्ट पर कांस्टेबल को पीटा

कोत्तागुडेम, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संदिग्ध गांजा तस्करों ने रविवार को भद्राचलम में गोदावरी नदी पर पुलिस-वन चौकी पर एक कांस्टेबल को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गए। बाइक सवार तस्करों ने एक कांस्टेबल रामचारी को बाइक से टक्कर मार दी, जब उन्होंने उन्हें रोकने की कोशिश की और भाग गए। कांस्टेबल का एक पैर टूट गया और स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद भेज दिया गया। पुलिस ने तस्करों की तलाश शुरू कर दी है। गौरतलब है कि 16 फरवरी को भी चेक पोस्ट पर इसी तरह की घटना हुई थी, जिसमें बाइक सवार तीन तस्करों ने बैरिकेडिंग में टक्कर मारकर एक कांस्टेबल को घायल कर दिया था और भाग गए थे।

4 मिनट में एटीएम से लूटे 30 लाख रुपये

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चोरों के चार सदस्यीय गिरोह ने शनिवार रात महेश्वरम स्थित एक एटीएम केंद्र में सेंध लगाई और 30 लाख रुपये की नकदी चुरा ली। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना महेश्वरम के रविराला गांव में स्थित एसबीआई एटीएम में हुई। सीसीटीवी फुटेज में चार लोग एटीएम सेंटर के पास आते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनमें से दो लोग सेंटर में घुसे और कैश डिस्पेंसिंग मशीन खोलकर अलग-अलग नोटों में नकदी निकाल ली। पूरी चोरी महज चार मिनट में हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामला दर्ज कर लिया गया है।

एएसपी ने गांवों का दौरा करने के लिए जंगल में की 20 किमी पदयात्रा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीरामोजू चित्तरंजन ने रविवार को तिरयानी मंडल में पहाड़ियों पर स्थित सुदूर आदिवासी गांवों गोवेना, कुरसीगुड़ा और नाइकापुगुड़ा का दौरा किया और जंगल के रास्ते 20 किलोमीटर तक ट्रैकिंग कर उनकी चुनौतियों का पता लगाया। चित्तरंजन ने तीनों गांवों के निवासियों से कहा कि पुलिस विभाग हमेशा जरूरतमंदों की सेवा में सबसे आगे रहेगा। उन्होंने बीमारी से पीड़ित शंभुराव नामक एक लड़के को विभाग की ओर से बेहतर चिकित्सा सेवाएं देने का वादा किया।

उन्होंने निवासियों की स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में मदद का भी आश्वासन दिया।

इसके बाद आईपीएस अधिकारी ने युवाओं को वॉलीबॉल और टी-शर्ट बांटी। उन्होंने निवासियों से प्रतिबंधित माओवादियों की विचारधाराओं की ओर आकर्षित न होने और प्रतिबंधित गांजे की लत से दूर रहने को कहा। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि वे अपने बच्चों को पढ़ाई में प्रोत्साहित करें। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अजनबियों की गतिविधियों के बारे में पुलिस को बताएं। इस दौरे में रेबेना इंस्पेक्टर बुड्डे स्वामी और तिरयानी सब-इंस्पेक्टर श्रीकांत मौजूद थे।

कडप्पा जिले में आदिमानव के मिले अवशेष

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को हाल ही में आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में आदिम मानव के निशान मिले हैं। मुनिरत्नम रेड्डी और येसुबाबू के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम ने कडप्पा के बदवेलु, सिद्धवतम और मैदुकुरु क्षेत्रों में फैले लंकामाला वन्यजीव अभयारण्य में तीन शैलाश्रय, शैल चित्र और कुछ शिलालेख खोजे हैं। चट्टानों के आश्रयों में जानवरों, मनुष्यों और खाद्य पदार्थों को दर्शाने वाले कुछ रेखाचित्र पाए गए। पाषाण युग के आदिम मनुष्य द्वारा बनाए गए जानवरों और मनुष्यों से मिलते-जुलते रेखाचित्रों की पहचान मल्लुगनी गवी में की गई है। बंदिगनी सेला के पास एक गुफा में आदिम मानव आवास और चित्र हैं। सफ़ेद रंग से बनाए गए चित्र जंगली जानवरों और भोजन से संबंधित हैं।

गुफा की दीवारों पर लाल रंग से घोड़ा, राजा, सेना, तलवार जैसे हथियार, गाय और गायों का वध करते लोगों के चित्र बनाए गए थे। साथ ही, शिवलिंग, ड्रम और चाबुक के साथ जुलूस को दर्शाने वाले चित्रों की भी पहचान की गई। पुरातत्वविदों का कहना है कि सालों पहले इस स्थान पर रहने वाले लोग आध्यात्मिक हो सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि लाल रंग पशु की चर्बी, कुचली हुई हड्डियों, काओलिन मिट्टी, लाल गेरू और अन्य सामग्रियों का उपयोग करके बनाया गया था, जिससे प्राचीन पेंटिंग लंबे समय तक टिकी रहीं। पुरातत्वविदों का अनुमान है कि ये पेंटिंग और रॉक आर्ट मेगालिथिक या लौह युग (1200 ईसा पूर्व से 200 ईसा पूर्व) के हो सकते हैं और ऐतिहासिक युग तक बने रह सकते हैं। शिलालेखों के एस्टाम्पेज 4वीं शताब्दी ई. से 10वीं शताब्दी ई. तक के हैं।

जली हुई लकड़ी और कोयला भी मिला है, जिससे पता चलता है कि मनुष्य यहां रहते थे और जानवरों का शिकार करते थे, क्योंकि इस क्षेत्र में पानी और जानवर जैसे संसाधन प्रचुर मात्रा में पाए जाते थे। एक अधिकारी ने कहा कि प्रागैतिहासिक युग का कोयला यहां पाया गया है, जो दर्शाता है कि वे पका हुआ मांस खाते थे।

जल्द शुरू होगा ममनूर हवाई अड्डे का काम : नायुडू

नैरो-बॉडी विमान के संचालन के लिए की जाएगी रनवे की स्थापना

हैदराबाद, 2 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायुडू ने रविवार को कहा कि भूमि अधिग्रहण पूरा होने के तुरंत बाद, ममनूर हवाई अड्डे पर काम ढाई साल में पूरा हो जाएगा और पूरा कार्य भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा किया जाएगा। मास्टर प्लान पहले ही तैयार हो चुका है और नैरो-बॉडी विमान के संचालन के लिए रनवे की स्थापना की जाएगी। उन्होंने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग वारंगल के समृद्ध इतिहास, विरासत और संस्कृति को भी दर्शाएगी।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने इस परियोजना को आगे बढ़ाया और पिछले आठ महीनों में केंद्र से लंबे समय से लंबित मंजूरी हासिल कर ली गई। एएआई के पास ममनूर हवाई अड्डे पर लगभग 690 एकड़ जमीन थी और वहां दो क्रॉस-क्रॉस रनवे थे।

वे जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थे और उनका उपयोग नहीं किया जा सकता था। उन्होंने बताया कि रनवे 1800 मीटर लंबे थे और संकीर्ण बॉडी वाले विमानों को चलाने के लिए 2800 मीटर रनवे की आवश्यकता थी, उन्होंने आगे बताया कि अतिरिक्त 280 एकड़ जमीन की आवश्यकता थी।

राममोहन नायुडू ने कहा कि राज्य सरकार को जल्द से जल्द भूमि अधिग्रहण पूरा करना चाहिए और उसे एएआई को सौंप देना चाहिए। हमारी ओर से शेष कार्यों में तेज़ी लाई जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने भद्राद्री कोत्तागुडेम हवाई अड्डे के लिए एक जगह का प्रस्ताव दिया था, लेकिन अध्ययन करने के बाद, वहां हवाई अड्डे का निर्माण करना संभव नहीं था।

तदनुसार, एक अन्य स्थान की पहचान की गई और इस वर्ष 23 जनवरी को व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए एएआई की एक टीम भेजी गई। उन्होंने कहा कि एएआई की टीम भारतीय मौसम विभाग से स्थान के बारे में डेटा चाहती थी, जिसके लिए राज्य सरकार को सूचित किया गया था।

उन्होंने कहा कि अगर एएआई पहचाने गए स्थान पर व्यवहार्यता को मंजूरी देता है, तो केंद्र निर्माण कार्य शुरू कर देगा। उन्होंने बताया कि बेंगलुरू, चेन्नई और नई दिल्ली जैसे सभी महानगर अपने शहरों में दूसरे हवाई अड्डे के लिए प्रयास कर रहे हैं। इसी तरह, बेगमपेट हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक परिचालन तब शुरू होगा जब वर्तमान हवाई अड्डे की क्षमता पूरी हो जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.